शनिवार
13 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बिहार में खुले कैंसर अस्पताल, मरीजों को मिलेगी राहत : जीतन राम मांझी

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड के सिमल्टार में हुआ हादसा, 62 यात्री लापता

नेपाल में दो बसें नदी में बहीं, सात की मौत

- भूस्खलन होने के कारण त्रिशुली नदी में गिरकर बह गईं दो बसें
- सुबह 3.30 बजे के करीब हुआ हादसा, चल रहा बचाव कार्य
- सड़क विभाग ने नारायणघाट काठमांडू सड़क खंड को 15 दिनों के लिए बंद कर दिया था, इसके बाद भी चल रहे थे वाहन

मरनेवाले सभी सातों भारतीय, बढ़ सकता है आंकड़ा

एजेंसी/नई दिल्ली

नेपाल में लैंडस्लाइड के बाद दो बसें एक नदी में बह गईं। इस हादसे में सात भारतीयों की मौत हो गई, जबकि, बस में सवार (करीब 62) यात्री लापता हैं। हादसे की भयावहता को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। इस हादसे के बाद अब तक सिर्फ 3 लोग जिंदा बचे हैं। बताया जा रहा है कि बस में करीब एक दर्जन भारतीय नागरिक सवार थे। जानकारी के मुताबिक बीरगंज से काठमांडू जाने वाली एक बस नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड के सिमल्टार में हुए भूस्खलन के कारण त्रिशूली नदी में गिर गई, जिसमें सात भारतीय की मौत हो गई। यहां बता दें कि सड़क विभाग ने नारायणघाट काठमांडू सड़क खंड को पंद्रह दिनों के लिए बंद कर दिया था। लेकिन इसके बाद भी यातायात सेवा बहाल थी। दरअसल, नेपाल में ज्यादा बारिश होने के कारण अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड हो रही है, जिससे कई सड़कें बंद कर द दी गई हैं। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने बताया कि काठमांडू जा रही एंजेस बस में 24 यात्री सवार थे, जबकि काठमांडू से गौर जा रही गणपति डीलक्स में करीब 41 लोग थे। हादसा सुबह 3.30 बजे के करीब का बताया जा रह है। गणपति डीलक्स बस में सवार 3 यात्री कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल ने घटना पर जताया दुख

पुलिस अधीक्षक भवेश रिमल ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के जवान बचाव कार्यों के लिए घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए संबंधित एजेंसियों को खोज और बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। दहल ने एक्स पर लिखा, नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड के सिमल्टार में भूस्खलन में बसों के बह जाने के बाद लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने और देश के विभिन्न हिस्सों में आपदा से हुए नुकसान की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं गृह प्रशासन सहित सभी सरकारी एजेंसियों को यात्रियों की खोज और बचाव के लिए निर्देश देता हूं। विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन से आए मलबे ने नारायणघाट-मुगलिंग सड़क खंड पर यातायात बाधित कर दिया है।

नेपाल में भारी बारिश से अब तक 62 की जा चुकी है जान

भारी बारिश की वजह से काठमांडू से भरतपुर की सभी उड़ाने रद्द कर दी गई हैं। नेपाल में इस बार भारी मानसूनी बारिश की वजह से कम से कम 62 लोगों की मौत हो चुकी है। अगर इस हादसे में मौत की पुष्टि होती है तो मरने वालों का आंकड़ा दोगुना हो सकता है। इसके साथ ही बारिश में हुए हादसों से कम से कम 90 लोग घायल हैं और बस हादसे के अलावा अन्य 7 लोग भी लापता हैं।

नेपाल में हो रही बारिश का भारत में भी दिख रहा असर

भारी बारिश की वजह से नेपाल में प्रॉपर्टी को भी काफी नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि भारी बारिश की वजह से नेपाल में 121 घर गिर गए हैं। अभी तक एक हजार से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। नेपाल में हुई बारिश का असर अब उत्तर प्रदेश के पीलीभीत समेत कई जिलों में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कई जिले भी नेपाल में हुई बारिश के चपेट में आ गए हैं। इसके साथ ही बिहार की कई नदियों में जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गए हैं।

बिहार में संभावित बाढ़ को देखते हुए जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर

अपील... कहीं बांध कटा दिखे तो तुरंत दें जानकारी

- बिहार की लगभग सभी नदियां उफान पर
- कोसी, गंडक, बागमती समेत कई नदियां खतरे के निशान से बह रहीं ऊपर

केटी न्यूज/पटना

बिहार के साथ साथ पड़ोसी देश नेपाल के तराई इलाकों में हो रही लगातार बारिश से नदियां उफान पर आ गई हैं और तटबंधों पर दबाव बढ़ गया है। बिहार में संभावित बाढ़ ने सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। बिहार सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर लोगों से अपील की है कि अगर कहीं बांध कट रहा है तो तुरंत इसकी जानकारी हेल्पलाइन नंबर पर दें। दरअसल, बिहार की लगभग सभी नदियां उफान पर हैं। कोसी, गंडक, बागमती समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। लगातार हो रही बारिश से नदियों को जलस्तर बढ़ गया है और तटबंधों पर पानी का दबाव बढ़ता जा रहा है। नीचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है और राज्य के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं।

तटबंधों की 24 घंटा निगरानी के आदेश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी पिछले दिनों नदियों का जलस्तर देखने के लिए हवाई सर्वेक्षण किया था और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए थे। सभी जिलों को सतर्क रहने और तटबंधों की 24 घंटा निगरानी के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही साथ जिला आपातकालीन संचालन केंद्र सह नियंत्रण कक्ष को निरंतर कार्यरत रखने को कहा गया है। विभाग की तरफ से तटबंधों की जानकारी देने के लिए टॉल फ्री नंबर जारी किया गया है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि राज्य में कहीं भी किसी तटबंध में कटाव या रिसाव हो तो तुरंत जल संसाधन विभाग के हेल्पलाइन नंबर 18003456145 पर कॉल कर इसकी सूचना दें।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन पर एफआईआर दर्ज

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हत्या करने की कोशिश का मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, टीडीपी के एक विधायक की शिकायत पर पूर्व सीएम, दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों और दो सेवानिवृत्त अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि सत्तारूढ़ पार्टी के अंदी विधायक के रघुराम कृष्णा राजू ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आगे बताया कि रेड्डी के अलावा पुलिस ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पीवी सुनील कुमार और पीएसआर सीता रामंजनेयुलु तथा सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी आर विजय पॉल और गुंटूर गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल के पूर्व अधीक्षक जी प्रभावती के खिलाफ मामला दर्ज किया है। विजय पॉल और प्रभावती सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

केंद्र सरकार का फैसला... अब हर साल 25 जून संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया जाएगा

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जाएगा। केंद्र सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। बता दें कि 25 जून 1975 को ही तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी।

मोदी सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण करायेगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था। अमित शाह ने लिखा, संविधान हत्या दिवस हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए।

केंद्र के फैसले पर कांग्रेस ने साधा निशाना

केंद्र सरकार के फैसले पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री एक बार फिर हिपोक्रेसी से भरा एक हेडलाइन बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन भारत के लोगों से 4 जून, 2024, जिसे इतिहास में मोदी मुक्ति दिवस के नाम से जाना जाएगा — को मिली निर्णायक व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार से पहले उन्होंने दस सालों तक अघोषित आपातकाल लगा रखा था। यह वही नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने भारत के संविधान और उसके सिद्धांतों, मूल्यों एवं संस्थानों पर सुनियोजित ढंग से हमला किया है। यह वही नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री हैं जिनके वैचारिक परिवार ने नवंबर 1949 में भारत के संविधान को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह मनुस्मृति से प्रेरित नहीं था। यह वही नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री हैं जिनके लिए डेमोक्रेसी का मतलब केवल डेमो-कुर्सी है।

जो करेगा जात की बात उसको मारूंगा कसकर लात : नितिन गडकरी

मुंबई। देश में जाति को लेकर समय-समय पर बयानबाजियां होती रही हैं। जातिवाद पर सियासत भी होती रही है। इस बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी कास्ट पॉलिटिक्स की बात सामने आने के बाद भड़क गए। गडकरी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में इस समय जातिवाद की पॉलिटिक्स हो रही है। मैं जात-पात को नहीं मानता। जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा कसकर लात।

उन्होंने कहा कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 40 फीसदी मुसलमान हैं। मैंने उनको पहले ही कहा है, मैं आरएसएस वाला हूं। मैं हाफ चड्डी वाला हूं। किसी को वोट देने से पहले सोच लो कि बाद में पछताना ना पड़े। जो वोट देगा, मैं उसका काम करूंगा और जो नहीं देगा, मैं उसका भी काम करूंगा।

बिहार के 31 जिलों में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 48 प्रस्ताव पर मुहर

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक हुई। सचिवालय में हुई इस बैठक में सीएम नीतीश कुमार ने 48 प्रस्ताव पर मुहर लगाई। राज्य में उद्योगों के विकास के लिए सीएम नीतीश कुमार ने 31 जिलों में नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। बिहार औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा 7592.39 एकड़ क्षेत्र में कुल 9 क्लस्टर व 84 औद्योगिक क्षेत्र व विकास केंद्र स्थापित हैं।

अब सरकारी कार्यालयों में भी स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाया जाएगा। 20 किलोवाट या उससे कम स्वीकृत भार वाले बिजली कनेक्शन में स्मार्ट प्री-पेड मीटर लगाया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में इस बात की स्वीकृति दी गयी है। वहीं बिहार पुलिस चालक संवर्ग (संशोधन) नियमावली, 2024 के गठन की स्वीकृति दी गयी है। सेवा से बर्खास्त वाल्मिकिनगर के तत्कालीन सहायक अभियंता प्रवीण कुमार द्वारा दंड के विरुद्ध समर्पित पुनर्विचार अभ्यावेदन को अस्वीकृत किया गया। बिहार पुलिस चालक संवर्ग नियमावली को मंजूरी दे दी गई है। पटना हाई कोर्ट में नगर प्रबंधकों के 163 से अधिक पदों पर संविदा पर नियुक्ति को हरी झंडी मिल गई है।

सरकार पटना, मुजफ्फरपुर,गया,भागलपुर,दरभंगा के लिए कुल 400 नई बसें खरीदेगी। बस की खरीदारी के लिए मंजूरी कैबिनेट से मिल गई है। श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत अनुदेशक के 130 पद और ग्रुप अनुदेशक के 137 पदों का सृजन किया गया है। बिहार के 31 जिलों के औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की मंजूरी दी गयी है। सैप के जवानों का अनुबंध 2025 तक बढ़ा दिया गया है। पेंशन प्राप्त करने वाले सरकारी सेवकों की महंगाई भत्ता में 6% की बढ़ोतरी की गयी है। पूरे राज्य में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना को मंजूरी दी गई है। जल जीवन हरियाली के तहत पेयजल उपलब्ध कराने को लेकर 198 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गयी है। सरकार ने यह फैसला लिया है कि सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान होने वाली मौत पर 30 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। अस्थायी विकलांगता पर 20 लाख मुआवजा का ऐलान सरकार ने किया है।

हाथरस भगदड़ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

एजेंसी/नई दिल्ली

उप्र के हाथरस में सत्संग के दौरान भगदड़ के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है और याचिकाकर्ता से हाईकोर्ट जाने के लिए कहा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने घटना को परेशान करने वाली बताया और कहा इस मामले पर सुनवाई करने के लिए हाई कोर्ट सक्षम है।

गौरतलब है कि भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। याचिकाकर्ता अधिवक्ता विशाल तिवारी ने याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने और लापरवाह अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। साथ ही कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट राज्यों को यह निर्देश भी दें कि किसी भी धार्मिक या अन्य आयोजन में राज्यों की ओर से जनता की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। हाथरस हादसे के बाद सरकार ने एसडीएम, सीओ और तहसीलदार समेत 6 अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

औरंगाबाद में ठनका से चार लोगों की मौत

केटी न्यूज/पटना

मानसून के आगमन से लोगों को जहां भीषण गर्मी से राहत मिली है वहीं दूसरी ओर बारिश के दौरान ठनका गिरने से बिहार में अब तक कई लोगों की जान चली गयी है। इस बार बिहार के औरंगाबाद जिले में वज्रपात की चपेट में आने से 4 लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतकों में 3 महिला और एक पुरुष शामिल है।

पहली घटना औरंगाबाद के ओबरा थाना क्षेत्र के डिहरी गांव की है जहां के रहने वाले सुनील चंद्रवंशी की 35 वर्षीय पत्नी प्रमिला देवी की ठनका गिरने से मौत हो गई। इस दौरान दो अन्य महिलाएं गुड़िया देवी और विमला देवी झुलसकर घायल हो गई। वही दूसरी घटना भी औरंगाबाद के ओबरा थाना क्षेत्र का है जहां कुराईपुर गांव में वज्रपात की चपेट में आने से 34 वर्षीय रामदेव यादव उर्फ पिंटू की जान चली गयी।

जबकि तीसरी घटना मदनपुर थाना क्षेत्र की है जहां खीरियावां निवासी उपेंद्र शर्मा की पत्नी नगीना देवी की मौत व्रजपात से हो गयी। वही चौथी घटना भी मदनपुर थाना क्षेत्र की है जहां पलकिया गांव में ठनका गिरने से रघुनंदन दास की 55 वर्षीय पत्नी सुगीया देवी की मौत हो गई। बारिश के दौरान ठनका गिरने से औरंगाबाद में तीन महिला समेत 4 लोगों की मौत हो गयी। सभी की लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। इस घटना से मृतकों के परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही घायलों का इलाज औरंगाबाद सदर अस्पताल में जारी है। दरअसल आपदा विभाग की ओर से चेतावनी जारी होने के बाद भी लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे, इसकी वजह से हादसा हो रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश आम महोत्सव- 2024 का किया शुभारंभ

इस साल जापान-मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा उप्र

एजेंसी/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश इस साल जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा। 160 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि लखनऊ का दशहरी अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है। भारत में दशहरी का दाम 60 से 100 रुपए के बीच है लेकिन यही दशहरी जब अमेरिका के मार्केट में पहुंचा तो इसका दाम 900 रुपए किलो हो गया है। यानी अगर हम ड्यूटी टैक्स, कार्गो और एयर फेयर का दाम भी जोड़ लें तो एक किलो आम अमेरिका भेजने की लागत 250-300 रुपए तक आ रही होगी तब भी एक किसान एवं बागवान को एक किलो आम पर 600 रुपए की बचत होगी।

सीएम योगी ने शुक्रवार को अवध शिल्प ग्राम में उत्तर प्रदेश आम महोत्सव- 2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 7-8 वर्षों से उत्तर प्रदेश सरकार आम महोत्सव आयोजित कर रही है। इस आयोजन में सरकार अपने प्रगतिशील किसानों और बागवानों को सम्मानित करती है। उत्तर प्रदेश के उत्पादित आम को हम न केवल देश में बल्कि दुनिया की मार्केट में पहुंच सके इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी जानते हैं कि हमारी सामान्य भाषा में जिस फल का नाम आम होता है उस फल में प्रत्येक नागरिक की पहुंच का सहज अनुमान लगाया जा सकता है, वह आम है इसलिए सबके लिए सुलभ भी है और सबके लिए सरल भी है और सबके लिए उपयोगी भी है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बागवान केवल 3:15 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 58 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन करते हैं। देश के कुल आम उत्पादन का 25 से 30 प्रतिशत आम उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में होता है। पिछले वर्ष उद्यान विभाग की टीम मास्को गई थी। इसमें लखनऊ और अमरोहा के किसान गए थे। वहां पर टीम ने आम महोत्सव का आयोजन किया था, जिसमें किसानों को

बिहार में खुले कैंसर अस्पताल, मरीजों को मिलेगी राहत : जीतन राम मांझी

- मणियां पंचायत के मुखिया के देवर थे मृतक, खेत की सिंचाई के दौरान हुआ हादसे का शिकार

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मिले बिहार के कद्दावार नेता व केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से मिले। उन्होंने जेपी नड्डा से आग्रह करते हुए कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना में मात्र एक कैंसर-विज्ञान विभाग कार्यरत होने की स्थिति में अत्यधिक संख्या में संपूर्ण बिहार प्रदेश से एवं सीमावर्ती प्रदेशों से कैंसर मरीजों के आगमन के कारण इस विभाग पर क्षमता से अधिक भार रहता है। स्थिति इतनी गंभीर है कि तत्काल चिकित्सा वाले मरीजों को भी एक से डेढ़ वर्ष की प्रतीक्षा अवधि का सामना करना पड़ता है। अतः विषयवस्तु की गंभीरता के आलोक में आपसे विनम्र अनुरोध है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए बिहार में एक आधुनिक क्षेत्रीय कर्क रोग संस्थान की स्थापना हेतु आवश्यक आदेश देने की कृपा करें। ताकि इस गंभीर रोग से मरीजों को स्वस्थ जीवन का अधिकार प्राप्त हो सके । केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने जेपी नड्डा से बिहार के लोगों के लिए बड़ी मांग कर दी। जीतन राम मांझी ने पत्र के माध्यम से कहा कि आप अवगत होंगे कि विगत वर्षों में कर्क रोग से संबंधित मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि कर्क रोग एक ऐसी महामारी का रूप ले रहा है जिसकी चिकित्सा की सुविधाएं बिहार में सुलभ रूप से उपलब्ध नहीं हैं तथा उपलब्धता की स्थिति में जन-सामान्य की आर्थिक क्षमता से परे हैं।

निर्मला सीतारमण से मिले सम्राट चौधरी

बिहार राज्य में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के समक्ष इस बीमारी से पीडित होने के पश्चात समाधान के साधन अत्यंत सीमित हैं। बिहार के उप मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने बिहार के विकास और प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं को लेकर चर्चा की। वित्त मंत्रालय में हुई इस मुलाकात के दौरान सम्राट चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री से बिहार राज्य के विकास, राज्यहित एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस मुलाकात में उन्होंने प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं को लेकर भी बातचीत की, जो काफी सार्थक रही। इस मुलाकात के दौरान बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बिहार में अधिक राशि पहुंच सके जिससे बिहार का और तेज गति से विकास हो सके, पर भी चर्चा की। केंद्र सरकार की बिहार में कई योजनाएं चल रही है। केंद्रीय आम बजट से पहले बिहार के उपमुख्यमंत्री चौधरी और केंद्रीय वित्तमंत्री की इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है।

नया नियम : पति-पत्नी शिक्षक हैं तो एक ही स्कूल में होगी पोस्टिंग

केटी न्यूज/पटना

बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए नीति तय करने के लिए बनी शिक्षा विभाग की कमेटी की हुई पहली बैठक में शिक्षकों के ट्रांसफर पॉलिसी तय कर ली गई है। सूबे के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की समेकित नीति होगी। इसके लिए शिक्षा विभाग की कमेटी ने बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव तैयार किए हैं। प्रस्तावित नीति में कमेटी ने मानवीय पहलुओं पर गौर करते हुए गंभीर रोग से पीड़ित शिक्षकों या अगर शिक्षक के आश्रित गंभीर रोग से पीड़ित हों, तो उन्हें राहत देने पर गौर किया है। ऐसे शिक्षक की उनकी सुविधा के हिसाब से पदस्थापना होगी। पति-पत्नी दोनों शिक्षक हैं और दोनों का पदस्थापन एक स्कूल में संभव नहीं है तो आसपास के स्कूलों में किया जाएगा। शिक्षकों के स्थानांतरण पदस्थापन की प्रस्तावित नीति तय करने के साथ ही कमेटी को बिहार शिक्षा सेवा के कैडर का पुनर्गठन, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति एवं सरकारी स्कूलों की अवकाश तालिका के निर्धारण की नीति भी तय करनी है।

वैशाली जिले में बेलगाम अपराधियों ने बोलेरो में जबरन बैठाया

मॉर्निंग वॉक पर निकलीं दो सगी बहनों का अपहरण

- जंदाहा थाना क्षेत्र के रसलपुर गांव की है घटना
- लड़की के पिता ने दर्ज करायी नामजद प्राथमिकी

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अपराधी बेलगाम हो गये हैं यही कारण है कि एक के बाद एक अपराध की वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि अपराधियों में पुलिस का डर खत्म हो चुका है। वैशाली जिले से आ रही है जहां मॉर्निंग वॉक के लिए अहले सुबह 5 बजे निकली दो सगी बहनों को अपराधियों ने जबरन बेलोरो में बिठा लिया और अपहरण की वारदात को अंजाम दिया। दोनों बहनों ने शोर मचाना शुरू किया तब बदमाशों ने छोटी बहन को महुआ इलाके में छोड़ दिया और बड़ी बहन को अपने साथ लेकर फरार हो गये। घटना वैशाली के जंदाहा थाना क्षेत्र की है। जहां अपहरण की घटना के इलाके में हड़कंप मच गया। महुआ में छोटी बेटे के होने की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे अपने साथ घर ले गये। वही बड़ी बेटी के अपहरण का मामला थाने में दर्ज कराया।

जंदाहा थाना क्षेत्र के रसलपुर निवासी राहुल कुमार, अंकित सहनी और अमोद के खिलाफ अगवा लड़की के पिता ने नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया जाता है कि जिस लड़की का अपहरण किया गया है उसकी उम्र 17 साल है जबकि अपहरण के बाद छोड़ी गई लड़की की उम्र 13 साल है। दोनों लड़की सगी बहनें हैं। सुबह 5 बजे दोनों बहन मॉर्निंग वॉक करने के लिए निकली थी तभी बोलेरो पर सवार बदमाशों ने दोनों बहनों को उठा लिया। दोनों के अपहरण की खबर तक किसी को नहीं लगी। दोनों बहनें काफी चिखने चिल्लाने लगी लेकिन गाड़ी के बाहर दोनों की आवाज किसी को सुनाई नहीं पड़ी। दोनों के शोर मचाने के बाद बदमाशों ने छोटी बहन को कुछ दूर आगे जाकर महुआ थाने के पास उतार दिया फिर बड़ी बहन को लेकर वहां से नौ दो ग्यारह हो गया। छोटी बेटी ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी। बड़ी बेटी का मोबाइल बंद है जिससे परिजन काफी चिंतिंत हैं और पुलिस से बेटी की सकुशल बरामद की गुहार लगा रहे हैं।

मोतिहारी में अपराधियों ने हथियार के बल पर बैंक से लूटे आठ लाख रु

केटी न्यूज/मोतिहारी

मोतिहारी में पांच की संख्या में आए अपराधियों ने एक निजी बैंक में डकैती की वारदात को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। घटना मोतिहारी के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में संचालित स्पंदना स्फूर्ति बैंक की है। बताया जा रहा है कि बीती रात स्पंदना स्फूर्ति बैंक के कर्मी अपने कार्यालय में बैठकर काम निपटारा कर रहे थे। इसी बीच पांच की संख्या में आए हथियार बंद नकाबपोश अपराधियों ने बंदूक के नोंक पर लेकर पहले सभी के साथ मारपीट किया और सभी को बंधक बना लिया। इसके बाद डकैती की घटना को अंजाम दिया। डकैतों ने ऑफिस में रखे 7 लाख 98 हजार नगद रुपए ले कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों की पहचान करने में जुटी है। बैंक के कर्मी मुकेश कुमार ने बताया कि बीती रात्रि करीब 9.30 से 10 बजे के बीच पांच की संख्या में नकाबपोश अपराधी बैंक में घुसे। इस दौरान पहले आने के साथ मारपीट करने लगे और कट्टा दिखा कर बैंक में रखे 7 लाख 98 हजार रुपए लूटकर आसानी से फरार हो गए। अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में दो संदिग्ध से पूछताछ की जा रही है। बैंककर्मी से भी पूछताछ की जा रही है। साथ ही आसपास के सभी इलाकों के सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। पुलिस को दावा है कि जल्द अपराधी पुलिस गिरफ्त में होंगे।

शोक: बिहार में वज्रपात से 24 घंटा के भीतर 25 लोगों की गई जान

केटी न्यूज/ पटना

बिहार के करीब सभी जिलों में मानसून की बारिश हो रही है। बारिश के कारण एक तरफ जहां भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है तो वहीं दूसरी तरफ बारिश के साथ आसमान से मौत भी बरस रही है। वज्रपात की चपेट में आने से 24 घंटा के भीतर 25 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि कई लोग झुलसे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना को लेकर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना जताई है। बारिश के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से मधुबनी में 5, औरंगाबाद में 4, सुपौल में 3, नालंदा में 3, पटना में 2, लखीसराय में 2, जमुई में 1, सासाराम, गोपालगंज, बेगूसराय, पूर्णिया और समस्तीपुर में 1-1 लोग की मौत हो गई है जबकि दो दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से जान गंवाने वाले लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया है और लोगों से बारिश के दौरान सुरक्षित रहने की अपील करते हुए मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 4-4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का एलान किया है।

उपेंद्र कुशवाहा ने तेजस्वी पर कसा तंज, कहा-राजद ने भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा किया था

केटी न्यूज/पटना

बिहार में लगातार ध्वस्त हो रहे पुलों को लेकर तेजस्वी यादव ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और वह सोशल मीडिया के जरिए लगातार हमले बोल रहे हैं। सत्ताधारी दल के नेता भी भी तेजस्वी के आरोपों का माकूल जवाब दे रहे हैं। तेजस्वी यादव द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने पर कुशवाहा ने पलटवार किया है। दरअसल, तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए सरकार को घेरने की कोशिश की है। इस वीडियों में पुलों के गिरने की घटना को दिखाया गया है। छोटे-छोटे क्लीप के जरिए तेजस्वी ने पुल गिरने की घटनाओं को एक साथ दिखाने की कोशिश की है और डबल इंजन सरकार पर तीखा तंज किया है। तेजस्वी ने लिखा कि बिहार में पुल नहीं 18 वर्षों के सुशासनी भ्रष्टाचार के मीनार गिर रहे है। प्रतिदिन पुल गिरने के मामले में एनडीए सरकार ने सबसे खराब सरकार के मामले में विश्वरिकॉर्ड बनाया है। विगत 17 हफ्तों में अभी तक सिर्फ 18 ही पुल गिरे है। पुलियों के गिरने और धँसने की तो कोई गिनती ही नहीं। तेजस्वी के हमले पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव को भ्रष्टाचार पर बोलते हुए शर्म आना चाहिए। आरजेडी के शासनकाल में बिहार भ्रष्टाचार से किस तरह से त्रस्त था, जिसका आरोप अभी भी उनके ऊपर है। कई आरोप तो उनके परिवार के ऊपर साबित भी हो चुके हैं। कोर्ट ने भी उस मामले में सजा दे दी है। इसके बावजूद अगर ये लोग भ्रष्टाचार पर बोलते हैं तो उसे सुनने वाले लोग हंसेंगे। बिहार में पुल नहीं 18 वर्षों के सुशासनी भ्रष्टाचार के मीनार गिर रहे हैं तेजस्वी का डबल इंजन सरकार पर तीखा तंज बिहार में लगातार पुलों के ध्वस्त होने को लेकर विपक्ष डबल इंजन सरकार पर हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने तो इसको लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा ही खोल दिया है। बीच-बीच में तेजस्वी को लालू प्रसाद का भी साथ मिल जाता है और लालू भी पुलों के गिरने को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करते हैं। तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से सरकार पर हमला बोला है। छोटे-छोटे क्लीप के जरिए तेजस्वी ने पुल गिरने की घटनाओं को एक साथ दिखाने की कोशिश की है और डबल इंजन सरकार पर तीखा तंज किया है।

26 जुलाई को मनेगी छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती : बसपा

केटी न्यूज/ पटना

भारत में आरक्षण प्रणाली की शुरूआत करने वाले एवं भारत में समाज सुधार के लिए प्रेरणा का स्त्रोत छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती बहुजन समाज पार्टी के द्वारा आगामी 26 जुलाई को पटना स्थित रविन्द्र भवन में मनाया जायेगा। इसकी जानकारी पार्टी के प्रदेश प्रभारी सह बक्सर लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रहे अनिल कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी। बसपा के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि छत्रपति शाहूजी महाराज, एक महान समाज सुधारक और छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज थे। उन्होंने सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उनके प्रयासों ने न केवल कोल्हापुर राज्य को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया बल्कि पूरे भारत में समाज सुधार के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने।

13 जुलाई 2023 को इसी जगह पर पुल का एप्रोच पथ हो गया था ध्वस्त

पुल तो बच गया लेकिन बह गई सड़क: एक साल के भीतर दोबारा ध्वस्त हुआ एप्रोच पथ

- पूर्णिया के अमौर प्रखंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत सड़क सहित पुल का निर्माण कराया गया था

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पुलों के ध्वस्त होने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हर दिन राज्य के किसी न किसी कोने से पुल और पुलिया के धराशायी होने की खबरें सामने आ रही हैं। पुलों के बाद अब सड़क भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं। पूर्णिया में एक साल के भीतर दूसरी बार एक पुलिया का एप्रोच पथ बह गया। ग्रामीणों ने निर्माण एजेंसी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। दरअसल, पूर्णिया के अमौर प्रखंड क्षेत्र में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत सड़क सहित पुल का निर्माण कराया गया था। लालटोली हाट से रंगरैय्या के बीच उच्चस्तरीय पुल सहित बॉक्स पुल का निर्माण कार्य हुए दो वर्ष हुआ हैं लेकिन एक वर्ष के अंदर दोबारा पुल का एप्रोच पथ ध्वस्त हो गया है। बारिश के कारण एप्रोच पथ के ध्वस्त होने से इस मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है। इस पुल की लंबाई 69.91 मीटर एवं एप्रोच की लंबाई 100 मीटर है। ग्रामीणों ने संवेदक पर पुल निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक के द्वारा गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करवाया गया है, जिसके कारण एक ही बारिश में जगह जगह रैनकट बन गया है। सड़क पर बने पुल का एक तरफ का एप्रोच पथ एक साल में दोबारा ढह गया है। एप्रोच पथ बहने से आवागमन बाधित हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि 13 जुलाई 2023 को इसी जगह पर पुल का एप्रोच पथ ध्वस्त हो गया था। एक साल बाद इसी जगह पर दोबारा पुल का एप्रोच ध्वस्त हो गया है। ग्रामीणों ने कहा कि कई गांव के 10 हजार की आबादी का आवागमन का मुख्य मार्ग है। ग्रामीणों ने इसकी जांच की मांग सरकार से की है।

खुबसूरती की मिसाल बना बारूपुर का अमृत सरोवर, भूमिगत जलस्तर भी बढ़ा

केटी न्यूज/राजपुर

- अमृत सरोवर के चारों ओर पौधरोपण से साकार हो रही है जल जीवन हरियाली योजना

गांवों के सरोवर तथा कुओं के सौंदर्यीकरण के साथ ही हरियाली बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जल जीवन हरियाली योजना शुरू की थी। उनका यह ड्रीम स्थानीय प्रखंड के बारूपुर पंचायत में उतरता दिख रहा है। बारूपुर गांव का अमृत सरोवर गांव की खूबसूरती की पहचान बन गया है। इसके चारों तरफ पेड़ो की हरियाली तथा आस पास में दूर-दूर तक फैले हरे खेत बरबस ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। अमृत सरोवर के निर्माण के बाद इसका लाभ भी ग्रामीणों का मिल रहा है तथा पिछले दो वर्षों से यह सरोवर किसानों के लिए वरदान बना हुआ है। दर्जनों किसान जरूरत पड़ने पर इसके पानी से अपने खेतों की सिंचाई करते है। वही, लोग सुबह व शाम में स्वास्थ्य लाभ के लिए भी यहा आते है। इसकी सुंदरता आस पास के गांवों में भी चर्चा का विषय बनी हुई है। सरोवर की खुदाई के बाद यहां पार्क बनाया गया है। जहां लोग सुबह शाम टहलने जा रहे हैं, इससे गांव की खूबसूरती और बढ़ गयी है।

बारूपुर के अलावे भी प्रखंड के कई पंचायतों में अमृत सरोवर योजना से अब गांव की तकदीर बदलने लगी है। इस योजना से अब तक 13 पंचायतों में तालाब बनाए गए हैं। जिससे सिंचाई के साथ मछली पालन भी हो रहा है। अमृत सरोवर के निर्माण से बारिश के पानी का संचय हो रहा है, जिससे सबसे ज्यादा फायदा किसानों को हो रहा है। इसका सकारात्मक असर भी गांव में दिखने लगा है। जिस गांव में अमृत सरोवर या कई तालाब है वहां भूमिगत जलस्तर सामान्य बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार अभी तक प्रखंड के बारुपुर, बावनबांध, चचरिया, राजपुर, मानिकपुर, गोगही, दरियापुर, खरवनिया, कोनौली, गोगौरा, दुल्फा आंगनबाड़ी, दुल्फा मध्य विद्यालय के पास एवं सुजातपुर में अमृत सरोवर की खुदाई की गयी है।

खेती के लिए वरदान बना अमृतसरोवर

वर्ष 2022-23 का आंकलन करें तो खेती के लिए यह अमृत सरोवर किसानों के लिए वरदान साबित हुआ है। पिछले वर्ष भी समय पर मानसून नहीं आने से किसानों ने इस तालाब में एकत्रित पानी से सिंचाई करके धान के बिचड़े को डाला था। इस बार भी बारिश होने के बाद जब खेत की फसल सूखने लगी तो किसान इस सरोवर में एकत्रित पानी से खेतों की सिंचाई कर अपनी फसल को बचाए थे। पुनः वर्षा होने पर इसमें जल एकत्रित हो गया है। अमृत सरोवर की खुदाई के साथ निजी जमीन पर भी किसानों के सहयोग से मनरेगा योजना के तहत तालाब की खुदाई की जा रही है, जिससे भूमिगत जलस्तर नीचे नहीं खिसक रहा है।

बनाया जा रहा ग्रामीण पार्क

“ तालाबों की खुदाई के बाद इसके चारों तरफ सौंदर्यीकरण करने के बाद इसे हरा भरा हरा भरा बनाकर एक ग्रामीण पार्क भी बनाया जा रहा है। जहां गांव के लोग सुबह-शाम टहल रहे हैं। अन्य जगहों पर जहां भूमि अतिक्रमण कर लिया गया है. इसको लेकर वरीय अधिकारियों को सूचित किया गया है। शीघ्र ही इस जमीन पर अमृत सरोवर की खुदाई की जाएगी।

– मोहम्मद सज्जाद जहीर, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, राजपुर

एक नजर

किसानों को समय से मिले उर्वरक: डीएम

बक्सर। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि वितीय वर्ष 2023-24 में कुल 186 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई है। जिसके आलोक में 12 प्रतिष्ठानों की अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई है। डीएम ने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि किसानों को उर्वरक की कमी नहीं हो। इसके लिए निर्धारित लक्ष्य 27 हजार मिट्रिक टन यूरिया एवं अन्य उर्वरक का आवंटन प्राप्त करते हुए किसानों को जागरूक करते हुए वितरण कराने का निर्देश दिया। जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया गया कि जुलाई एवं अगस्त माह में उर्वरक की अधिक मांग रहती है। किसानों को ससमय उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। निगरानी एवं अनुश्रवण कोषांग के माध्यम से 11 जुलाई को बक्सर जिलांतर्गत उर्वरक प्रतिष्ठानों की औचक जांच कराई गई है। प्राप्त अनियमितता के आलोक में विधि सम्मवत कार्रवाई करते हुए अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश डीएम ने दिया। इसके साथ साथ उर्वरक के कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर विक्रय की शिकायतों पर अपने स्तर से भी उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी करना सुनिश्चित करेंगे। किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी एवं उर्वरक दुकानों के साथ बैठक कर उनके माध्यम से किसानों को जागरूक करेंगे ताकि सभी किसान ससमय उर्वरक प्राप्त कर लें एवं भीड-भाड की समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में उपस्थित जन प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि उर्वरक की वितरण, कालाबाजारी की शिकायत प्राप्त होने पर जिला कृषि पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे। ताकि त्वरित गति से संबंधित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की जा सकें। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी बक्सर, जिला सहकारिता पदाधिकारी बक्सर, माननीय सदस्य विधान सभा क्षेत्र, बक्सर एवं राजपुर के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लापरवाह डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई जारी, डीएम ने 31 को किया शो-कॉज

बक्सर। ज्यों-ज्यों दवा दी, मर्ज बढ़ता गया... यह कहावत जिले के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों पर सटीक बैठक रही है। जिला प्रशासन डॉक्टरों की लापरवाही व लेटलतीफी छुड़ाने के लिए कई हथकंडे अपना चुका है। खुद डीएम अंशुल अग्रवाल अपने स्तर से सदर अस्पताल व डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल की मॉनिटरिंग कर रहे है। डॉक्टरों के बिना सूचना गायब रहने की संस्कृति को छुड़ाने के लिए ही स्वास्थ्य विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा डॉक्टरों समेत स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी को अनिवार्य कर दिया गया है। डीएम लापरवाह डॉक्टरों पर लगातार कार्रवाई भी कर रहे है, लेकिन डॉक्टरों के लेटलतीफी व लापरवाही में कमी नहीं आई है। शुक्रवार को भी डीएम ने सदर अस्पताल व डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के 31 डॉक्टरों से स्पटीकरण पूछा है। इनमें सदर अस्पताल के 19 तथा डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के 12 डॉक्टर शामिल है। इन पर समय से ड्यूटि नहीं करने तथा ड्यूटि से वापस लौटने के दौरान बायोमेट्रिक नहीं लगाने का आरोप है। जाहिर है डॉक्टर अस्पताल आने के बाद भी समय से पहले गायब हो जा रहे है। गौरतलब है कि इसके पहले भी कई बार डीएम लापरवाह डॉक्टरों से शो-कॉज कर चुके है। वही डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल के डीएस डॉ. गिरीश सिंह पर प्रपत्र क गठित करने की चेतावनी भी दे चुके है।

राजपुर में हाई कोर्ट के निर्देश पर सार्वजनिक जमीन को प्रशासन ने कराया अतिक्रमणमुक्त

राजपुर। प्रखंड के हेठुआ पंचायत अंतर्गत बहुआरा टोला गांव में अंचल प्रशासन ने हाई कोर्ट के निर्देश पर आनाबाद बिहार सरकार सर्वसाधारण रास्ता की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। लाव-लश्कर के साथ पहुंची प्रशासनिक टीम ने जेसीबी चलवा सार्वजनिक रास्ते की जमीन से अतिक्रमण हटाया। अतिक्रमणकारियों ने रास्ते की इस जमीन पर कच्चा झोपड़ीनुमा मकान बना लिया था। जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में काफी परेशानी हो रही थी। मिली जानकारी के अनुसार गांव के ही घुरहु सिंह, राम सुरेश सिंह, ललन सिंह ,रामनिवास सिंह ,धनेश्वरी देवी, दीनानाथ पासवान, कामेश्वर पासवान, रीना देवी, मोतीलाल, शिव लखन कमकर के अलावा अन्य लोगों ने आनाबाद सर्वसाधारण रास्ता के लगभग 96 डिसमिल जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर अपना घर बना लिया था। जिस मामले में गांव के ही रामजी सिंह पिता रामाशीष सिंह ने इस रास्ते की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए प्रशासन के पास गुहार लगाया था। प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं करने पर उन्होंने इसके खिलाफ हाई कोर्ट में रीट याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने सार्वजनिक जमीन को अतिक्रमणमुक्त करने का निर्देश दिया था। कोर्ट के निर्देश पर पहुंचे प्रभारी सीओ संतोष कुमार प्रीतम, थाना अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी की गई। इससे पूर्व अतिक्रमण करने वाले लोगों को कई बार नोटिस किया गया। फिर भी इन लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था। फिर भी अतिक्रमण हटाने गई टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। अभी भी लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों का अतिक्रमण हटाया जाना है। भारी विरोध के बाद अगली कार्रवाई के लिए विशेष पुलिस बल एवं अन्य अधिकारियों की मांग करते हुए अतिक्रमण हटाने का काम बंद किया गया।

राजद के प्रदेश सचिव बनने पर बक्सर में श्वेता पाठक का हुआ भव्य स्वागत

बक्सर। शहर के समाहरणालय के नजदीक स्थित राष्ट्रीय जनता दल के जिला कार्यालय में शुक्रवार को समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के प्रदेश सचिव पद पर मनोनयन के बाद पहुंची डॉ.श्वेता पाठक का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। राजद जिलाध्यक्ष शेषनाथ सिंह की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में नेताओं ने डॉ. श्वेता पाठक को फूल मालाओं से लाद दिय। जाहिर है कि प्रदेश नेतृव द्वारा डॉ. पाठक को प्रदेश सचिव बनाए जाने के बाद वे पहली बार जिला कार्यालय पहुंची थी। स्वगत भाषण में जिलाध्यक्ष ने कहा कि डॉ. श्वेता को प्रदेश सचिव बनाए जाने से दल को बिहार में मजबूती मिलेगी। क्योंकि उन्हें संगठन के विस्तार करने की तरकीब व अनुभव बहुत अच्छी तरह से है। जिसका लाभ पार्टी को मिलेगा। वही महिलाओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ एवं आधी आबादी को साथ ले कर चलने की जज्बा भी दल को मजबूती प्रदान करेगा। समारोह में जिला मीडिया प्रभारी हरेंद्र कुमार सिंह, विनोद यादव, चौसा प्रखण्ड अध्यक्ष शिव वचन सिंह, धनपति चौधरी, युवा राजद जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र आजाद,जिला प्रवक्ता आनंद रंजना, वरिष्ठ नेत्री कृष्णावती देवी, फुलझरिया देवी, रीता देवी, इन्दिरा देवी, संतोष कुमार भारती, जवाहर लाल पासवान, मनीष मौर्या, उमाशंकर सिंह, रमाशंकर सिंह कुशवाहा व सरोज राजभर समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

प्ले होम स्कूल का हुआ उदघाटन

बक्सर। कमरपुर स्थित आरबी राय मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण मे प्ले होम स्कूल का विधवत उदघाटन किया गया। उदघाटन मां शिवरात्री हास्पीटल के चेयरमैन सह वरीय दंत चिकित्सक डॉ एके सिंह एवं दंत चिकित्सक डॉ पूजा सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। डॉ. पूजा सिंह ने अपने संबोधन में बच्चों की इस संस्थान से निमल कर एक अच्छे चिकित्सक, अच्छे अभियंता एवं एक अच्छे प्रशासक बने। लगातार मेधावी छात्र-छात्रामों की मां शिवरात्री मेधा पुरस्कार सत्र 2013 से वर्तमान तक निरंतर देने की भी सराहना की।

डिहरा के एक युवक के साथ हुई मारपीट

केसठ। प्रखंड के डिहरा गांव के एक युवक को सोनवर्षा बाजार में कुछ युवकों ने शुक्रवार मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। घायल युवक का ईलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। डिहरा गांव निवासी सुरेंद्र यादव के 23 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार सोनवर्षा बाजार में दवा लाने गए हुए थे। इसी सोनवर्षा के युवकों ने डिहरा गांव के नाम पर जमकर मारपीट की। जिसे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों व सोनवर्षा ओपी की पुलिस ने इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया। युवक ने बताया कि शुक्रवार को दिन में ही सोनवर्षा एवं डिहरा गांव के कुछ युवकों में मारपीट हुआ था।इसी दौरान बाजार जाने पर युवक के साथ भी मारपीट किया। युवक ने किसी तरह भाग कर पुलिस के गाड़ी में छिपकर जान बचाने का प्रयास किया। इसके बावजूद भी युवकों ने बाहर खींचकर जमकर मारपीट की और गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने युवक को केसठ पीएचसी पहुंचाया। जहां उसका इलाज किया गया। सोनवर्षा ओपी अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि मारपीट का मामला संज्ञान में आया है। मामले की जांच की जा रही है। घायल द्वारा आवेदन मिलने पर करवाई की जाएगी।

स्टॉप डायरिया कैंपेन को ले जिलास्तरीय आईडीसीएफ स्टीयरिंग कमिटी की बैठक संपन्न

डायरिया से होने वाली बाल मृत्यु को शून्य करना ही बने लक्ष्य: पीजीआरओ

- 23 जुलाई से लेकर 22 सितंबर तक चलेगा स्टॉप डायरिया अभियान
- डायरिया रोकथाम के लिए वितरित किए जायेंगे ओआरएस के पैकेट

केटी न्यूज/बक्सर

जिले से डायरिया उन्मूलन को लेकर 23 जुलाई से लेकर 22 सितंबर तक स्टॉप डायरिया कैंपेन (दस्त की रोकथाम अभियान) - 2024 का संचालन किया जाना है। जिसके तहत जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देशन में गुरुवार को पीजीआरओ संजय कुमार की अध्यक्षता में जिलास्तरीय आईडीसीएफ स्टीयरिंग कमिटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्टॉप डायरिया कैंपेन के सफल संचालन को लेकर विमर्श करते हुए रणनीति तय की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पीजीआरओ संजय कुमार ने बताया कि स्टॉप डायरिया अभियान का लक्ष्य डायरिया के कारण होने वाली बाल मृत्यु को शून्य करना है। राज्य में बाल डायरिया रोग शून्य से पांच वर्ष के बच्चों में 13.7 प्रतिशत मौतों का कारण है, जो पूरे देश के आंकड़े से दो गुणा है। हालांकि, डायरिया से होने वाली मौतों को ओआरएस और जिंक की गोलियों के उपयोग से निर्जलीकरण का इलाज करके रोका जा सकता है। वहीं, बाल डायरिया से होने वाली मौतों को केवल स्तनपान, पूरक आहार की समय पर शुरूआत, स्वच्छता और सफाई, सुरक्षित पेयजल का उपयोग और रोटावायरस के खिलाफ टीकाकरण के माध्यम से भी रोका जा सकता है। जिसके लिए राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सामुदायिक स्तर पर लोगों को जागरूक किया जाना है। इसी को देखते हुए जिला स्तर से लेकर पंचायत व ग्राम स्तर पर अगले दो माह तक विभिन्न गतिविधियों का अयोजन किया जाना है। जिसका संचालन स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ सभी सहयोगी संस्थानों के संयुक्त तत्वाधान में किया जाएगा।

विभिन्न कार्यक्रमों का किया जाएगा अयोजन : बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि स्टॉप डायरिया कैंपेन के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया जाएगा। जिसमें स्वास्थ्य केन्द्र स्तर की गतिविधियों में डायरिया के मामलों में मानक प्रबंधन को बढ़ावा देना, डिस्प्ले प्रोटोकॉल के अंतर्गत प्लान ए, बी, सी, डायरिया से पीड़ित कुपोषित बच्चों का चिकित्सकीय प्रबंधन किया जाना शामिल है। प्रखंडों में स्टॉप डायरिया कैंपेन बैठक, विद्यालयों, वीएचएसएनडी, आंगनबाड़ी में हाथ धोने की विधि का प्रदर्शन एवं अभ्यास, हांथ धोने की विधि का पोस्टर प्रदर्शित करना, शहरी क्षेत्रों के लिए मोबाईल टीम का गठन कर गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। इसके अलावा आशा कार्यकताओं के स्तर से की जाने वाली मुख्य गतिविधियां जैसे आशा के माध्यम से गृह भ्रमण के दौरान पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को रोगनिरोधी रणनीति के तहत एक पैकेट ओआरएस का वितरण किया जाएगा। घर-घर जाकर आशा कार्यकताओं द्वारा एमसीपी कार्ड का उपयोग करते हुए माताओं/परिवारों को महत्वपूर्ण परामर्श सेवा प्रदान किया जाएगा। सामुदायिक स्तर पर आशाओं द्वारा ओआरएस घोल तैयार करने के लिए उचित विधि का प्रदर्शन, अपने क्षेत्र के परिवारों को स्वच्छता और सफाई के महत्व के बारे में शिक्षित करना, दस्त संबंधित मामलों की पहचान करना तथा उन्हें एएनएम/स्वास्थ्य केन्द्रों पर संदर्भन तथा माताओं को खतरे के संकेतों के बारे में शिक्षित करना, स्कूलों में हांथ धोने की विधि का प्रदर्शन किया जाना, डायरिया से यदि कोई मृत्यु होती है तो इसकी जानकारी भी आशा कार्यकताओं के द्वारा एमओआईसी व बीसीएम को दी जायेगी।

स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस तैयार करने के लिए सत्रों का करें संचालन

बैठक के दौरान पीजीआरओ संजय कुमार ने स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में लोगों को विशेषकर माताओं को हाथ धोने की विधि एवं ओआरएस घोल तैयार करने के लिए कम से कम दो सत्रों का आयोजन किया जाये। ताकि, आपात स्थिति में घर में प्राथमिक उपचार किया जा सके। साथ ही, फ्रंट लाइन वर्कर्स के माध्यम से सुरक्षित पेयजल और स्वच्छ शौचालयों के संदर्भ में स्वास्थ्य सुविधाओं का आकलन किया जाए। उन्होंने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में साफ-सफाई का ध्यान रखना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने डायरिया प्रबंधन पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला एवं ब्लॉक अधिकारियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने पिछले 3-4 महीनों के दौरान डायरिया से प्रभावित पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों (आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित) की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। वहीं, आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के साथ बैठक का आयोजन कर डायरिया से संबंधित भ्रान्तियों को दूर करने पर बल दिया।

मजहर हत्याकांड में मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार, अन्य की तलाश कर रही पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

सारीमपुर मोहल्ले में मदरसे से बाहर निकले सारिमपुर निवासी मजहर उर्फ सोनू साह हत्याकांड का मुख्य आरोपी समेत दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस घटना को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी।

मंगलवार की शाम हुई इस घटना के बाद पुलिस लगातार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चलाई जा रही थी। हालांकि, घटना के बाद घायल युवक का पटना में इलाज किये जाने से परिजन फंसे हुए थे। जबकि, गुरुवार को सोनू की मौत हो जाने के बाद परिजनों ने मामले में दो युवकों को आरोपी बनाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अनुसंधान तेज करते हुए गिरफ्तारी के लिए सक्रियता बढ़ा दी। हालांकि, इस हत्याकांड में अभी एक मुख्य आरोपी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि पुलिस ने जिस आरोपी को गिरफ्तार किया है उसके अतिरिक्त अन्य अभियुक्तों के नाम भी इस हत्याकांड में सामने आ रहे हैं। ऐसे में कुछ युवकों को हिरासत में लिया गया है जबकि पुलिस लगातार छापेमारी भी कर रही है।

पोल पर चढ़े रेलकर्मी को लगा करंट का झटका, नीचे गिरने से हुई मौत

केटी न्यूज/बक्सर

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर कार्यरत यांत्रिक विभाग के एक रेलकर्मी की विद्युतीय करंट का झटका लगने के बाद ऊंचाई से गिर जाने की वजह से मौत हो गई है।

बताया जाता है कि वह दानापुर-डीडीयू रेलखंड के बक्सर रेलवे स्टेशन से जमानिया स्टेशन के बीच अप लाइन के समीप टीआरडी विभाग के सब डिवीजन पावर हाउस पर कार्य चल रहा था। जहां पोल पर चढ़कर वे मरम्मत कार्य कर रहे थे। इस घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हालांकि, घटना के बाद मिली जानकारी के अनुसार बक्सर रेलवे स्टेशन के टीआरडी विभाग के सहायक तथा सिमरी थाना के फूली मिश्री के डेरा, नगपुरा निवासी वकील यादव को ड्यूटी के दौरान जमानियां टीआरडी विभाग के सब डिवीजन पावर हाउस में आई तकनीकी खराबी को दुरुस्त करना था। वह जमानिया पहुंचने के बाद खंभे पर चढ़कर मरम्मत कार्य कर रहे थे। इसी बीच अचानक करंट लगने से वह नीचे गिर पड़े। जिससे उन्हें गंभीर चोट आयी आनन फानन में आरपीएफ व जीआरपी के साथ ही विभाग के कर्मचारी घायल को लेकर नजदीकी यूपी के भदौरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सको जांच के बाद कर्मी को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। जहां स्वजनों से संग पत्नी सीता देवी भदौरा पहुंची। बाद में शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों के हवाले कर दिया गया। वही, घटना की सूचना पाकर दानापुर मंडल से वेलफेयर निरीक्षक दिलीप कुमार पहुंच रेल कर्मी के स्वजनों को 35 हजार की तात्कालिक सहायता राशि दी गई।

परिवार कल्याण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य अधिकारी व कर्मियों को डीएम ने किया सम्मानित

बक्सर को अव्वल बनाने के लिए करें और बेहतर कार्य : डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वालों का सम्मान जरूरी है। ताकि, इससे अन्य स्वास्थ्य अधिकारी व कर्मियों को प्रेरणा मिलेगी। लेकिन, हम सब को यह ध्यान देना होगा कि जब एक आशा या एएनएम अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य कर सकती है, तब सभी आशा या एएनएम अपने अपने क्षेत्रों में भी बेहतर कार्य कर सकती है। बस उन्हें थोड़ा और प्रयास करना होगा। जब सभी आशा व एएनएम परिवार कल्याण कार्यक्रम के सभी क्षेत्र में बेहतर कार्य करेंगी, तब बक्सर न केवल बिहार बल्कि पूरे देश में अव्वल आयेगा। जिससे बक्सर का मान और सम्मान बढ़ेगा। उक्त बातें जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित परिवार कल्याण कार्यक्रम के तहत पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कहीं। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य अधिकारियों व कर्मियों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित भी किया। उन्होंने कहा कि आज सरकार और स्वास्थ्य विभाग का पूरा ध्यान जनसंख्या स्थिरीकरण पर है। ताकि, तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित कर सके। इसके लिए यह जरूरी है कि जिले के सभी योग्य लाभुकों को परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों का लाभ दिलाया जा सके। जिला पदाधिकारी ने पुरुष नसबंदी को लेकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक और प्रेरित करने का निर्देश दिया।

इन अधिकारियों को किया गया सम्मानित : जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के प्रभारी चिकित्सकों और स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित किया। जिनमें टेली कंसलटेंट में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ. सरस्वती चंद्र मिश्र और डॉ. सौरभ राय को क्रमशः प्रथम और द्वितीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार इटाढी पीएचसी एमओआईसी डॉ. एसएन उपाध्याय को दो पुरस्कार, केसठ सीएचसी के एमओआईसी डॉ. विनय कुमार, डुमरांव अनुमण्डल अस्पताल के एमओ डॉ. प्रेमा कुमारी, बक्सर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजय कुमार सिंह, सोशल वेलफेयर फाउंडेशपन के सीएसीपी डॉ. जेसी सिन्हा व केसठ पीएचसी के आयुष चिकित्सक डॉ. सुरेश कुमार को पुरस्कृत किया गया। वहीं, स्वास्थ्य संस्थानों की बात करें तो इटाढ़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एमओआईसी, बीएचएम व बीसीएम तथा केसठ पीएचसी के लिए एमओआईसी, बीएचएम व बीसीएम को सम्मानित किया गया। इनके अलावा जिला अनुश्रवण एवं मुल्यांकन पदाधिकारी अमित अंकुर तथा सेंटर फॉर एडवोकेसी के प्रतिनिधि अमित सिंह को भी उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

सीएचओ, एएनएम व आशा भी हुई पुरस्कृत : कोरान सराय सीएचओ पूर्णिमा सिंह, नावानगर सीएचसी अंतर्गत परिवार कल्याण परामर्शी मौसम कुमार, डुमरांव पीएचसी अंर्तगत पुराना भोजपुर की आशा सुमित्रा देवी, केसठ मुस्लिम टोला की आशा कार्यकर्ता गीता कुमारी, चौसा अखौरीपुर गोला आशा रीना देवी, नावानगर यादव टोला की आशा कमला देवी, चौगाई की आशा कार्यकर्ता प्रमिला देवी, सदर प्रखंड स्थित पांडेय पट्टी की आशा मालती देवी समेत कई आशा व एएनएम को सम्मानित किया गया।

चौगाईं व मुरार में 30 घंटे तक ठप रही विद्युत आपूर्ति, गर्मी से लोग परेशान

केटी न्यूज/चौगाईं

♦ गुरुवार को सुबह सात बजे गुल हुई थी बती, शुक्रवार को दोपहर 1:30 बजे हुआ दर्शन

बरसात का मौसम शुरू होते ही ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति चरमरा गई है। आलम यह है कि हल्की बारिश या हवा चलने पर भी ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति ध्वस्त हो जा रही है। इसकी बानगी चौगाईं प्रखंड के स्थानीय गांव व मुरार में देखने को मिली है। गुरूवार की सुबह हल्की बारिश के दौरान करीब सात बजे गायब हुई बिजली के दर्शन शुक्रवार को दोपहर करीब 1.30 बजे हुआ। इस दौरान करीब 30 घंटे से अधिक समय तक ग्रामीणों का उमसभरी गर्मी से परेशान होना पड़ा। गरीब तबके के लिए यह बिजली कटौती किसी बड़ी मुसीबत से कम नहीं थी। बिजली के अभाव में उन्हें पेयजल की व्यवस्था के लिए दर-दर भटकना पड़ा, जबकि रात में लालटेन युग में जीने को विवश होना पड़ा। वही, दूसरी तरफ मरम्मत करने में बिजली कंपनी के अधिकारी लापरवाह बने रहे। जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि मुरार विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े मुरार व चौगाईं पंचायत के आधे हिस्से में गुरूवार की सुबह से शुक्रवार को दोपहर तक बिजली गायब रही। इस दौरान लोगों को बिजली के लिए खासे परेशान होना पड़ा। जबकि कंपनी के अधिकारियों से संकर्प तक नहीं हो पा रहा था। पूरी रात बिजली गायब रहने से स्थानीय ग्रामीणों के साथ ही प्रतिनिधियों में भी व्यवस्था के प्रति आक्रोश चरम पर पहुंच गया था। चौगाई प्रखंड प्रमुख ऋषिकांत सिंह ने बिजली कंपनी के अधिकारियों को चेतावनी तक दी गई थी कि यदि शाम चार बजे तक आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो उपकेन्द्र में तालाबंदी किया जाएगा। उनके इस चेतावनी के बाद कंपनी के अधिकारियों की बेचैनी बढ़ गई थी। उनके साथ कई अन्य पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीण भी कंपनी अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। हालांकि, दोपहर में बिजली आने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। बता दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता को बेहतर बिजली सुविधा का लाभ मिले इसके लिए सरकारी स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। लेकिन, अधिकारियों व कर्मियों की लापरवाही तथा कुछ व्यवस्थागत खामियों के चलते लोगों को निर्बाध गति से बिजली आपूर्ति की सुविधा नहीं मिल पाती है। ग्रामीणों का कहना है कि हल्की बारिश होने या हवा चलने पर भी बिजली आपूर्ति ध्वस्त हो जाती है तथा लोगों को घंटो बिजली से महरूम होना पड़ता है। उपभोक्ताओं की माने तो मामूली सी फाल्ट में 24 घंटें तक बिजली आपूर्ति ठप हो जाती है। चौगाईं निवासी व जदयू के प्रदेश सचिव सीताराम सिंह, अशोक सिंह, राजन खान, अंजनी सिंह आदि ने बताया कि आगे स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो बिजली कंपनी के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

बेहतर प्रयास का हो रहा प्रयास

हवा व तेज बारिश के दौरान इलाके में कई जगह फॉल्ट आया था। पूरी रात विद्युत कर्मियों के साथ पेट्रोलिंग के बाद सुबह में तीन बजे कुछ जगह आपूर्ति शुरू हुआ। विद्युत सप्लाई बेहतर हो इसके लिए प्रयास चल रहा है।

– शैलेश कुमार, जेई विद्युत प्रशाखा चौगाईं।

एक नजर

अस्पताल परिसर में फेंका गया कूड़ा, उठाव नहीं होने से नालियां हो रही हैं जाम

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल की सफाई व्यवस्था पर डीएम की निगाह रहने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हो रहा है। बिते गुरूवार को सीएस ने अस्पताल का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान सीएस ने मरीजों एवं अभिभावकों के इंतजार हॉल में बंद पड़े फैन को चौबीस घंटे के भीतर ठीक करने का आदेश दिया था, लेकिन शुक्रवार को स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई थी। ओपीडी के डाक्टर कक्ष में खराब फैन और मरीजों के इंतजार हॉल का पंखा ठीक नहीं किया गया था। पंखा नहीं चलने से डाक्टर से लेकर मरीज और उनके अभिभावक तक परेशान दीख रहे थे। सभी को चौबीस घंटे के भीतर ठीक करने का अदेश था। वहीं बाहर में जो कचरा जमा था, उसी तरह से फैला हुआ था। कचरा नाली में जाकर पानी को जाम कर रहा है, इसको भी देखने वाला कोई नहीं है। सीएस ने पंखा बदलने और कचरा को साफ करने के लिए आदेरशित किया था, लेकिन कोई काम नहीं हुआ था। पंखा उसी तरह से खराब पड़ा हुआ था और मरीज गर्मी से हलकान और परेशान दीख रहे थे। ओटी में जो बेड और फर्स पर गंदगी थी, नहीं दिखाई दे रही थी। वहीं प्रसूता वार्ड के बेड का चादर बदला हुआ था, गंदगी कहीं नहीं दिखाई दे रही थी। सीएस के आदेश का असर यहां नजर आ रहा था। वहीं डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह का कहना था कि जो बाहर में कचरा रखा गया है, उसे एनजीओ के माध्यम से उठाव होता है, इतना ही नहीं प्लेसेंटा का उठाव डेली करना है, उसके लिए भी एनजीओ बहाल किया गया है, लेकिन समय से किसी का उठाव नहीं किये जाने से गंदगी और प्लेंसेंटा दिखाई देता है।

सारथी रथ के माध्यम से परिवार नियोजन के प्रति किया जा रहा जागरूक

डुमरांव। 11 से 31 जुलाई तक चलने वाले परिवार नियोजन पखवारा को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से एलर्ट मोड में है। इसी के अंतर्गत छोटा परिवार सुखी परिवार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सारथी रथ गांव-गांव घुमाया जा रहा है। शुक्रवार को सारथी रथ पुरानाभोजपुर पंचायत के नवाडेरा, गोपालडेरा, नोनियाडेरा, बन्हेंजी के डेरा घुमा। इस दौरान उसमें बैठी आशा कार्यकर्ता, सेविका, सहायकिका, एएनएम चौक-चौराहों पर सारथी रथ को लोगों को परिवार नियोजन के संबंध में विस्तार से बताया भी जा रहा था। जागरूक लोगों में महिलाएं ज्यादा इसके प्रति जागरूक देखी गई। उन्हें परिवार नियोजन के संबंध में बताया गया की शनिवार और रविवार को छोड़कर सभी दिन बंध्याकरण का ऑपरेशन होता है। इस तरह से पुरूष नशबंदी केवल शुक्रवार को किया जाता है, जो पूरी तरह से निरू शुल्क होता है। पुरूष नशबदीं कराने वाले को 3 हजार और बंध्याकरण कराने वाली महिला को दो हजार रूपया मिलता है। ऑपरेशन और नशबंदी दोनों का बहुत माइनर ऑपरेशन होता है। ऑपरेशन के दो से तीन घंटे के बाद लाभार्थी जा भी सकता है या अस्पताल में ठहर भी सकता है। इसकी सारी व्यवस्था रहती है। रूट चार्ट के अनुसार सारथी रथ प्रतिदिन रवाना हो रहा है। सारथी रथ जहां रूकता है, वहां भीड़ लग जाती है, लोग बात सुनने लगते हैं। गांव में महिलाएं काफी जागरूक हैं।

अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई को सुचारू रूप से संचालित कराना सुनिश्चित करें: डीएम

बक्सर। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा बक्सर प्रखंड अंतर्गत जगदीशपुर पचांयत अंतर्गत अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई की स्थिति असंतोषजनक पाई गई। कुल 2786 घरों से 30 रुपये की दर से उपभोक्ता शुल्क प्राप्त किया जाना है। इसी शुल्क से सुपरवाइजर एवं स्वच्छता कर्मियों का मानदेय भुगतान किया जाता है। पाया गया कि यूजर चार्ज की वसूली नगणय है। जो असंतोष जनक है। प्रखंड विकास पदाधिकारी, बक्सर को निर्देश दिया गया कि अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई को सुचारू रूप से संचालित कराना सुनिश्चित करेंगे एवं उपभोक्ता शुल्क की वसूली में अपेक्षित प्रगति प्राप्त करेंगे। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई 15 जून 2024 से कार्यरत है। इस इकाई में अभी तक कुल 65 किलो एकल उपयोग प्लास्टिक एवं 08 किलो मिक्स प्लास्टिक का संग्रहण हुआ है। यह इकाई बक्सर अनुमंडल अंतर्गत सभी पंचायतों के लिए है। प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया गया कि नियमित रूप से इसका अनुश्रवण करना सुनिश्चित करेंगे।

आज जिला मुख्यालय में लगेगा विशेष न्याय शिविर

बक्सर। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 13 जुलाई शनिवार को व्यव्हार न्यायलय परिसर में किया जा रहा है। इसके सफल आयोजन के लिए आनंद नंदन सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, की अध्यक्षता में कुल 18 पीठों का गठन किया गया है। जिसमें एक न्यायिक पदाधिकारी, एक पैनल अधिवक्ता और एक पीठ लिपिक राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित वाद के सुलह के आधार पर निपटारे का कार्य करेंगे। सुलहनिये वादो को चिन्हित कर उन्हें निष्पादित करने के लिए प्रथम पीठ में मनोज कुमार द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पैनल अधिवक्ता राकेश रंजन, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, संबंधित साथ ही भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से संबंधित वाद का निस्तारण करेंगे। द्वितीय पीठ में विजेंद्र कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं पैनल अधिवक्ता के रूप में राम लखन पाल कार्य करेंगे। जो बीएसएनएल से संबंधित मामले, साथ ही सेंट्रल बैंक से संबंधित मामलों का निष्पादन करेंगे। तीसरी पीठ में प्रभाकर दत्त मिश्रा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश और पैनल अधिवक्ता के रूप में संजय कुमार राय कार्य करेंगे। जो विवाह विच्छेद, भूमि विकास बैंक, एसडीओ कोर्ट से संबंधित मामलों का निष्पादन करेंगे। चौथी पीठ में मन कामेश्वर चौबे अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वहीं पैनल अधिवक्ता के रूप में ज्योति प्रकाश सिंह मौर्य कार्य करेंगे जो भूमि अधिग्रहण, श्रीराम फाइनेंस, इंडियन बैंक, बक्सर, से संबंधित मामले एवं सुलहनिए वादों का निष्पादन करेंगे।

खबरें फटाफट

दो घंटे से अधिक गुल रही बिजली

केसठ। स्थानीय पुराना बाजार में लगे 200 केवीए के ट्रांसफार्मर में टेक्निकल फाल्ट आ जाने से दो घंटो से अधिक बिजली गुल हो गई थी। जिस कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़। जानकारी के अनुसार पुराना बाजार में लगे 200 केवीए के ट्रांसफार्मर में टेक्निकल फाल्ट आने से बाजार के सभी के घरों में आचानक 440 वोल्ट आने लगा जिसके कारण अधिकतर घरों के बिजली से चलने वाले सामग्री जैसे पंखा, कुलर, टीवी आदि जल गए। आचानक ऐसा होने से ग्रामीणों में घबराहट होने लगी। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले भी इस तरह की समस्या आई थी, जिसकी सूचना बिजली जेई को दी गई और सूचना के बाद उन्होंने ट्रांसफार्मर की मरम्मत करा समस्या का निदान किए थे। वही शुक्रवार को पुनः वही समस्या उत्पन्न हुई और करीब दर्जनों से अधिक घरों में चल रहे विद्युत यंत्रों का नुकसान हो गया है। वही इस समस्या के कारण करीब दो घंटे से अधिक समय तक लोगों को बिन बिजली के गुजारना पड़ा। ग्रामीणों ने विभाग से अविलंब ट्रांसफार्मर बदले की मांग की है। इस संबंध में जानकारी देते है बिजली जेई अविनाश कुमार ने बताया कि समस्या की जानकारी मिली हुई है। ट्रांसफार्मर में हल्का फाल्ट आया है। मिस्त्री को सूचना दे कर बनवाया जा रहा है।

बांस बल्ले गाड़ शुरू हो गया है जमीन का अतिक्रमण, नप प्रशासन मौन

कूड़ा डंपिंग से समतल हुई भैंसही नदी की कीमती जमीन कब्जा करने की तैयारी

♦ भू-माफियाओं ने पिछले दो महीने से बांस बल्ला गाड़ कब्जा जमाना शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

भैंसही नदी की कीमती जमीन पर भू-माफियाओं की नजर लग गई है। कूड़ा डंपिंग से समतल हुई जमीन पर भू-माफियाओं ने पिछले दो महीने से बांस बल्ला गाड़ कब्जा जमाना शुरू भी कर दिया है। जबकि नगर परिषद प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। जिससे नदी के किनारे की कीमती जमीन जहां अतिक्रमण की शिकार हो गई है वहीं बाढ़ आने पर स्थिति गंभीर हो सकती है।

बता दें कि डुमरांव नगर परिषद द्वारा डोर टू डोर कूड़ा उठाव के बाद उसे शहर की सीमा से दूर फेंका जाता है। सफाईकर्मियों ने नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल नया भोजपुर डुमरी रोड के भैंसही नदी के किनारे भी पिछले तीन-चार वर्षों से कूड़ा डंपिंग किया है। जिस कारण नदी के एक किनारे करीब पचास मीटर के दायरे में वह जगह समतल हो मुख्य पथ के बराबर हो गया है। लंबे समय से फेंका गया कूड़ा मिट्टी में तब्दील हो रहा है। जिसका लाभ उठा स्थानीय भू-माफिया इस जमीन पर कब्जा जमाना शुरू कर दिए है। ग्रामीण सूत्रों की मानें तो भू-माफियाओं की नजर इस जमीन पर वर्षों से है तथा वे जानबूझकर ही वहा कूड़ा डंफ करा रहे थे। जबकि नगर विकास एवं आवास विभाग के गाइड लाइन में साफ निर्देश है कि नदियों व जलाशयों के किनारे कूड़ा नहीं फेंकना है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि भू-मॉफिया पहले तो सफाई कर्मियों को उक्त जगह पर कचड़ा फेंकने के लिए एक खास मकसद से प्रेरित कर रहे थे और जब नदी की यह जमीन समतल हो गई तो उस पर कब्जा जमाने के लिए बांस के बल्ले भी गाड़ दिए। जानकारों का कहना है कि धीरे-धीरे भू-माफिया यहां पूरी तरह से कब्जा जमा लेंगे। प्रशासनिक उदासीनता से इस पर लगाम नहीं लगाया जा सका है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगा तो समतल हुई जमीन बाढ़ आने पर नया न सिर्फ नया भोजपुर डुमरी पथ के लिए खतरा बन सकती है बल्कि गांव में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर सकता है।

ऐतिहासिक किले व पकवा ईनार के अतिक्रमण की भी उठती है बात

नया भोजपुर में सरकारी जमीन खासकर महत्वपूर्ण स्थलों के अतिक्रमण की बात नई नहीं हैं। इसके पहले नया भोजपुर गांव के उत्तरी हिस्से में स्थित राजा भोज के ऐतिहासिक किले के विशाल भू-भाग तथा पकवा ईनार जैसे महत्वपूर्ण स्थल के अतिक्रमण की बातें भी यहां सुर्खियों में रही है। पकवा ईनार के भू-भाग पर अतिक्रमणकारियों द्वारा जहां स्थायी निर्माण कर इसके अस्तित्व को चौपट कर दिया गया है तो दूसरी तरफ ऐतिहासिक नवरत्न गढ़ किले के विस्तृत भू-भाग पर खेती करने, झोपड़ी लगाने तथा अन्य तरीके से अतिक्रमण करने की बातें स्थानीय निवासियों द्वारा बताई जाती है। लेकिन, प्रशासन ने कभी भी इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिस कारण अब अतिक्रमणकारियों की नजर भैंसही नदी की जमीन पर गड़ गई है।

नहीं मिली है शिकायत

“ नया भोजपुर में भैंसही नदी की जमीन पर अतिक्रमण की पूर्व से शिकायत नहीं मिली थी। इसकी जांच करवाई जाएगी तथा नदी के जमीन पर अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। **– मनीष कुमार, ईओ, नगर परिषद, डुमरांव**

कूड़ा डंपिंग से नवरत्न गढ़ किले के अस्तित्व पर भी मंडराया संकट

भैंसही नदी के किनारे ही नवरत्न गढ़ किला भी स्थित है। इस जगह पर कूड़ा डाल नदी का दायरा सिमटाने का जो प्रयास किया गया है उससे ऐतिहासिक नवरत्न गढ़ किला के अस्तित्व पर भी संकट के बालद मंडराने लगे हैं। बता दें कि जिस जगह पर कूड़ा डंप किया गया है, उससे कुछ मात्र दो-तीन सौ मीटर की दूरी पर ही नवरत्न गढ़ किला का खंडहर है। नदी का जल स्तर बढ़ने पर जब पानी का दबाव बढ़ेगा तो किला के अस्तित्व पर भी संकट खड़ा हो सकता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि खंडहर में तब्दील हो चुका नवरत्न गढ़ किला पहले से ही काफी जर्जर हो चुका है। यदि इस पर नदी के पानी का थोड़ा सा भी दबाव बढ़ा तो यह पूरी तरह से जमींदोज हो सकता है। वहीं, बरसात के दिनों में भैंसही नदी में भयंकर बाढ़ आती है। बाढ़ आने पर नया भोजपुर डुमरी पथ पर भी पानी चढ़ जाता है। अब जबकि नदी के एक बड़े भू-भाग पर कूड़ा डलवा इसे समतल करवा दिया गया है तो पानी का दबाव बढ़ेगा तो नवरत्न गढ़ के ऐतिहासिक किले के लिए खतरे की घंटी जरूर है। गौरतलब है कि इस बार बाढ़ आने की आशंका जताई गई है।

नप क्षेत्र का कचरा उठाकर फेंकने गए एनजीओ के वाहन को ग्रामीणों ने खदेड़ा

केटी न्यूज/डुमरांव

कचरे का निस्तारण करना नगर परिषद के लिए शिरदर्द बनता जा रहा है। शुक्रवार को इसका नजारा देखने को मिला। शहर का कचरा उठाकर फेंकने गए ट्रैक्टर और ठेले वालों को ग्रामीणों ने खदेड़ दिया। सभी लोग वहां से जानबचाकर भाग खड़े हुए। फिर उस कचरे को जहां कोई बोलने वाला नहीं है, उस स्थान पर डंप किया गया। बाता दें की शहर का कचरा उठाकर काव नदी के किनारे, नयाभोजपुर-डमरी रोड, डुमरांव राजवाहा के किनारे, सिकरौल-डुमरांव राजवाहा के कटिंग चाट में गिराकर उसे भर दिया गया है। अनुमंडल अस्पताल और अनुमंडल कार्यालय रास्ते में भी कचरा का डम्फ किया गया है। काली मां के पीछे वाले रास्ते में भी कचरा डम्फ किया गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है।

इन परेशानियों को दूर करने का प्रयास नहीं किया गया है। कचरा डम्फ करने के लिए सरकारी जमीन की खोज नहीं की गई है। पूर्व एसडीओ पंकज कुमार ने इस पर संज्ञान लिया था। शहर में जमीन के लिए सीओ से बात की गई थी, लेकिन शहर मे जमीन नहीं मिलने पर उन्होंने टूड़ीगंज के पास सरकारी जमीन को देखा था। फिर उनके स्थानांतरण के बाद बात आगे नहीं बढ़ पायी है। लोगों के आक्रोश को देखते हुए एनजीओ के मजदूर अपना हाथ खड़े करने लगे हैं।

डुमरांव थाने में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक, प्रेम-भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को डुमरांव थाना के परिसर में शांतिपूर्ण व प्रेम-भाईचारे के माहौल में मुहर्रम पर्व संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक की गयी। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के राजनीतिक, सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों तथा दोनों समुदाय के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। बैठक में शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम का पर्व मनाये जाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीपीओ ने कहा कि यहां हर पर्व त्यौहार मिलजुलकर सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मनाने की परंपरा रही है। हमें उस परंपरा को कायम रखना है। अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। किसी तरह की अफवाह की जानकारी मिले तो तुरंत उसकी सूचना प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन सोशल मीडिया नेटवर्क पर भी कड़ी निगरानी रखेगा। अफवाह फैलाने व शांति भंग करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा। इसके अलावा थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने तजिया जुलूस के सभी लाइसेंसधारियों से लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन में तजिया व जुलूस का रूट चार्ट की जानकारी देने के लिए भी कहा। मुहर्रम के दौरान असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। सघन गश्ती के साथ चिन्हित जगहों पर पुलिस बल की भी तैनाती की जाएगी। इस दौरान शांति समिति के सदस्यों ने प्रशासन से शहर की सफाई व्यवस्था के साथ ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, सड़क पर उभरे गड्ढे का भराव, पेयजल आपूर्ति, बिजली आपूर्ति सहित जलजमाव की समस्या को ठीक करवाने की बात कहीं। मौके पर बीडीओ संदीप पांडेय, सीओ समन प्रकाश, नप के प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह, इस्लाम अंसारी, जफरोज खान, सोहराब कुरैशी, मोहन गुप्ता, वार्ड पार्षद अमर कुमार, धीरेंद्र निराला, धीरज कुमार, मो. समीर, शहजाद हाशमी, इमरान खान सहित अन्य मौजूद थे।

पंडित राम प्रवेश ओझा विद्वत समाज में शोक की लहर, पैतृक गांव बड़का सिंहनपुरा में गुरूवार को ली अंतिम सांस

पंडित जी ने जीवन में किसी छात्र से नहीं लिया ट्यूशन फीस

केटी न्यूज/डुमरांव

पिछले चार दशक से संस्कृत शिक्षा का अलख जगा किशोरों व युवाओं में संस्कृति व नैतिकता का निर्माण करने वाले पंडित राम प्रवेश ओझा का निधन हो गया है। वे अपने जीवन के 98 वसंत पार कर चुके थे तथा गुरूवार को पैतृक गांव सिमरी अंचल के बड़का सिंहनपुरा में अंतिम सांस ली। इसके पहले वे हजारों बच्चों को संस्कृति की बेसिक शिक्षा से लेकर व्याकरण, साहित्य व कर्मकांड का ज्ञान दे उन्हें सुसंस्कृत बना चुके है।

उनके निधन से संस्कृत जगत को बड़ा आघात पहुंचा है। स्व. ओझा अपने पीछे दो पुत्रो क्रमशः विमलेश ओझा व ब्रजेश ओझा समेत नाती पोतो से भरा परिवार छोड़ गए है। दोनों वर्तमान समय में क्षेत्र के अच्छे कर्मकांडी के रूप में विख्यात हो पिता की विरासत को मजबूती से संभाल रहे है। उनके निधन की खबर मिलते ही संस्कृत जगत व विद्वत समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। लोगों ने उनके दरवाजे पर पहुंच शोक जताया है तथा उनके निधन को शिक्षक समाज खासकर देव भाषा संस्कृत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। वही, पूरा गांव तथा उनके शिष्य उनके निधन की खबर मिलने के बाद से मर्माहत है।

1980 से संस्कृत की निःशुल्क शिक्षा दे रहे थे स्व. ओझा : बता दें कि स्व. रामप्रवेश ओझा हाई स्कूल में संस्कृत के शिक्षक थे तथा वर्ष 1998 में केपी उच्च विद्यालय डुमरी से सेवा निवृत हुए थे। वे वर्ष 1980 से ही अपने दरवाजे पर इलाके के संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों को निःशुल्क शिक्षा दे रहे थे। हर दिन सुबह और शाम उनके दरवाजे पर संस्कृत व्याकरण, साहित्य व कर्मकांड पढ़ने वाले विद्यार्थियों की भीड़ लगती थी। लेकिन, वे किसी छात्र से एक पैसा ट्यूशन फीस के रूप में नहीं लेते थे। उनका मानना था कि विद्या का दान निःशुल्क करना चाहिए। रिटायर्ड होने के बाद भी उन्होंने पढ़ाना नहीं छोड़ा। वे हर दिन सुबह सात बजे से ग्यारह बजे तक व्याकरण व साहित्य पढ़ाते थे, जबकि दोपहर बाद करीब तीन बजे से शाम तक कर्मकांड की पढ़ाई करने वाले छात्र उनके दरवाजे पर मनोयोग से पढ़ाई करते थे।

दूर दराज से आते थे छात्र

स्व. ओझा का संस्कृत भाषा से गहरा लगावा था तथा वे देव भाषा का ज्ञान वर्तमान पीढ़ी को देने के लिए लालायित रहते थे। उनका मानना था कि संस्कृत के शिक्षा के बिना भारतीय संस्कृति का ज्ञान संभव नहीं है। वे अक्सर कहा करते थे कि संस्कृत में नैतिकता व आदर्श के भाव छिपे है। प्रत्येक व्यक्ति को संस्कृत का ज्ञान होना चाहिए। उनके निःशुल्क पाठशाला में सिंहनपुरा के साथ ही खरहाटांड़, दुबौली, भेड़िया, निबौआ, एकौन, डुमरी, दुरासन, काजीपुर समेत दर्जनों गांवों के छात्र पढ़ने आते थे। यही कारण है कि उनके निधन की खबर के बाद संस्कृत प्रेमियों में मायूशी छाई है।

मैट्रिक फेल अभ्यर्थी बनी प्राथमिक विद्यालय इशरपुरा की शिक्षिका

- सूचना अधिकार के तहत मामले का हुआ खुलासा
- पंचायत नियोजन इकाई शिक्षिका को बचाने में झोंकी ताकत

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज प्रखंड अंतर्गत खैराभुन्दर पंचायत के प्राथमिक विद्यालय इशरपुरा में पदस्थापित शिक्षिका फुलटूसा कुमारी पति लालमोहर साह ग्राम खैरा भुन्दर का नियोजन गलत तरीके से किया गया है। पंचायत नियोजन इकाई के द्वारा आवेदिका फुलटूसा कुमारी पति लालमोहर साह ग्राम खैरा भुन्दर के साथ आर्थिक लाभ के बदौलत मिली भगत कर शिक्षक नियोजन वर्ष 2003 में नियुक्ति के समय जाल-साजी कर नामित आवेदिका का नियोजन करने का मामला सामने आया है।

आरटीआई से हुआ खुलासा

आरटीआई कार्यकर्ता धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने सूचना अधिकार अधिनियम 05 के तहत मांगी गई थी। प्राप्त सूचना के तहत पंचायत नियोजन इकाई की ओर से उपलब्ध कराए गए मेधा सूची, आवेदिका के बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड पटना का अंक पत्र का अवलोकन करने से हुआ है। शिक्षिका फुलटुसा कुमारी के प्राप्त बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड

पटना में कुल प्राप्तांक 385 अंकित है। जबकि शिक्षिका फुलटूसा कुमारी ने नियोजन के समय अपने आवेदन पत्र में बिहार बोर्ड से उतीर्ण मैट्रिक का कुल प्राप्तांक 649 के साथ 72.11 प्रतिशत दिखाया है। वह बिहार बोर्ड से मैट्रिक उतीर्ण ही नहीं है। आवेदिका ने आवेदन पत्र में बिहार बोर्ड से मैट्रिक उतीर्ण का कुल प्राप्तांक 649 के साथ 72.11 प्रतिशत दिखाया गया है। जिसके आधार पर नियोजन इकाई के द्वारा मेधा सूची तैयार करते हुए नामित शिक्षिका का नियोजन कर दिया गया है, जबकि जिस समय शिक्षिका फुलटूसा कुमारी के द्वारा नियोजन के लिए आवेदन किया गया था, उस वक्त शिक्षिका फुलटूसा कुमारी मैट्रिक उतीर्ण नही थी, इसके बावजूद भी नियोजन इकाई के द्वारा नामित आवेदिका का नियोजन कर दिया गया।

बीईओ को प्राप्त हुआ था शिकायत पत्र : इस संबंध में दिनांक 2 मई 2022 को सभी साक्ष्यों के साथ लिखित शिकायत बीईओ को किया गया। उक्त शिकायत पत्र के आलोक में बीईअ ने अपने कार्यालय पत्रांक 134 दिनांक 19 मई 2022 को शिक्षिका फुलटुसा कुमारी से साक्ष्य की मांग की। लेकिन, शिक्षिका ने अपने पक्ष में उक्त आरोप के आलोक में कोई भी साक्ष्य कार्यालय को प्रस्तुत नहीं किया है। शिक्षिका की ओर से साक्ष्य नहीं उपलब्ध कराने को लेकर बीईओ बिक्रमगंज ने अपने कार्यालय पत्रांक 159 दिनांक 19 जून 2022 को डीपीओ, स्थापना ने अग्रेतर कार्रवाई करने के लिए पत्राचार किया गया।

डीपीओ स्थापना ने पंचायत सचिव को भेजा पत्र : प्राप्त शिकायत पत्र के आलोक में डीपीओ स्थापना ने अपने कार्यालय पत्रांक-2590 दिनांक 22 अगस्त 2022 से पंचायत सचिव सह प्राथमिक शिक्षक नियोजन इकाई खैराभुन्दर को अग्रेतर अनुसाशनिक कार्रवाई करते हुए यथा स्थिति से अवगत कराने के लिए निदेशित किया गया। उक्त पत्र के आलोक में पंचायत सचिव को अपने कार्यालय पत्रांक 28 तिथि 19 अक्टूबर 2023 से शिक्षिका पर अग्रेतर कार्रवाई करने के लिए मार्ग दर्शन का मांग किया गया है। हालांकि अभी तक जवाब नहीं मिला है।

एक नजर

परिवार नियोजन पखवाड़ा चौपाल लगा

नोखा। मौडिहा पंचायत के गांव रामपुर में महादलित टोला मे परिवार नियोजन पखवाड़ा के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें योग्य दम्पति, ग्रामीण, आशा, वार्ड सदस्य, सेविका, पिरामल स्वास्थ्य प्रोग्राम लीडर एवं रिजवान आलम ने भाग लिया। चौपाल के दौरान सभी योग्य दम्पति का स्वागत बीसीएम ने किया। पिरामल स्वास्थ्य के प्रोग्राम लीडर अर्जुन गोस्वामी ने बताया की परिवार नियोजन क्या है। गर्भधारण का उचित समय क्या है। एक बच्चे से दूसरे बच्चे मे कितना अंतर होना चाहिए एवं परिवार नियोजन का लाभ क्या है इसपर विस्तार पूर्वक बताया, साथ ही डब्लूपीडी परिवार नियोजन पखवाड़ा 31 जुलाई तक आयोजित होगा।

डीएम ने लाभुकों के बीच वितरण किया राशन कार्ड

तिलौथू। जिला पदाधिकारी नवीन कुमार एवं एसपी विनीत कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से तिलौथू प्रखंड के राशन कार्ड से जुड़े सुयोग्य लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित कर एक मुहिम की शुरुआत की। साथ ही जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि एक महीने के अंदर अनुमंडल अंतर्गत सभी सुयोग्य लाभुकों के लंबित राशन कार्ड आवेदनों का निष्पादन कर लाभ दिला दिया जायेगा। डीएम ने कहा की गरीब परिवार को मदद हीं असली देश भक्ति है इस पालन किया जाएगा।

13 को रोहतास में लगेगा राष्ट्रीय लोक अदालत

सासाराम। रोहतास जिले में 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर न्यायिक बिभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। बताया गया कि 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसके लेकर जिला में कुल 20 बेंच बनाए गए हैं। जिसमें बिक्रमगंज में 7 तथा डेहरी में दो बैंच बनाया गया है। सभी बेंच के लिए अलग-अलग पीठासीन पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। पूरे जिले में 4500 मामलों का निष्पादन के लिए चयन किया गया है। इसमें बीमा, मोटर व्हीकल एक्ट, सड़क सुरक्षा अधिनियम, टेलीफोन, बैंक आदि से जुड़े मामले की सुनवाई एवं निपटारा किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में आयोजित होने वाले इस लोक अदालत को लेकर पिछले एक महीने से अधिक समय से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तथा जिले के अलग-अलग इलाके से लोग इसमें अपने-अपने मामले को लेकर आ रहे हैं। प्राधिकार के जिला सचिव सचिन कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर सभी तैयारी कर ली गई है।

कांड का एक अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने कांड के एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 415/24 के आलोक में सुसंगत धारा 331(6)/126(2)/ 115(2)/74/ 352/3(5) भादवि एवं 37 बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2022 के अभियुक्त जसवंत सिंह पिता वीरेंद्र सिंह साकिम पतरावल थाना बिक्रमगंज को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

नोखा में छात्रों की काउंसलिग कराई गई

नोखा। नोखा प्रखंड के दक्षिण वराव पंचायत के पंचायत भवन रघुनाथपुर में सात निश्चय योजना को लेकर के काउंसलिंग कराई गई। मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि को लेकर काउंसलिग कराई गई। पंचायत दक्षिणी वराव के ग्राम रघुनापुर में जिला निबंधन मोकर के सुपरवाईज - रीतू कुमारी, सुजीत कुमार (डा० ग्रामसेवक - सोनेलाल सिंह कार्यपालक-प्रीती कुमति, पर्वक्षक - भानु पटेल जय राम राम मुरिख्या प्रती विवेक सिंह, पर्व उपप्रमुख- अमरदयाल चौधरी, स्युदर चौधरी, शीव चौक आदि उपस्थित थे। युवकों को जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री द्वारा छात्रों के लिए योजना चलाई जा रही है। उसकी जानकारी दी गई।

स्टार्टअप इंडिया के तहत युवाओं की अनोखी पहल, बना डाला एप

आरा में डोजो प्वाइंट एप से घर बैठे लगाए डॉक्टरों के यहां नंबर

- आरा के संकट मोचन नगर के रहने वाले शुभम कुमार सिंह ने बनाया एप
- स्टार्टअप बिहार के तहत स्वास्थ्य के क्षेत्र में इस नई तकनीक सेवा की शुरूआत

केटी न्यूज/आरा

आरा के युवा ने स्टार्टअप इंडिया के तहत और स्टार्टअप बिहार के तहत बना डाल एक ऐप इस ऐप की मदद से अब आरा के लोगो को डॉक्टर के पास दिलाने के लिए अब परेशान नहीं होना होगा। आरा के संकट मोचन नगर के रहने वाले शुभम कुमार सिंह ने ये ऐप देश में चल रहे स्टार्टअप के तहत बनाया है। जिससे सुबह से डॉक्टर के क्लिनिक के बाहर खड़े होकर नंबर लगाने के लिए लाइन लगने जरूरत नहीं है। ऐप की मदद से घर बैठे अब आसानी से नंबर लगा सकते है। आरा के संकट मोचन नगर (न्यू पुलिस लाइन) मोहल्ला निवासी शुभम कुमार सिंह बीटेक नागपुर के इंजीनियरिंग के छात्र हैं। इन्होंने स्टार्टअप इंडिया और स्टार्टअप बिहार के तहत स्वास्थ्य के क्षेत्र इस नई तकनीक सेवा की शुरूआत को लेकर कारगर पहल की है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों की समस्या को देखते हुए पैन इंडिया के तहत अपने दोस्तों के साथ मिलकर एप तैयार किया है। पूर्व में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी इंजीनियरिंग के छात्र शुभम और उनकी टीम से मिले थे और छात्रों के प्रयास को खुब सराहा था। इधर, कंपनी के निदेशक शुभम कुमार सिंह ने बताया कि लोगों की सहायता के के लिए एक मोबाइल नंबर 9470075205 को भी सार्वजनिक किया गया है। आम लोग इस नंबर पर काल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आने वाले दिनों में 24 घंटे यह सेवा उपलब्ध रहेगी। अगर किसी डॉक्टर के पास नंबर फूल हो जाएगा तो नंबर नहीं लग सकेगा। इस

गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं एप

आरा। डोजो प्वाइंट एप सेवा से लाभ लेने और इससे जुड़ने के लिए ऑप्शन उपलब्ध कराए गए हैं। यह गुगल वेबसाइट व प्ले स्टोर पर भी उपलब्ध है, जहां से आप डाउनलोड कर सकते हैं। यह सुविधा मरीजों के लिए वरदान साबित होगा। क्योंकि, समय व पैसा दोनों का बचत होगा। किसी भी डॉक्टर के पास नंबर लगाने के लिए मरीज एवं परिजनों को अलग-अलग यात्री वाहनों से आरा आना पड़ता है। अगर किसी कारण वश डॉक्टर उपलब्ध नहीं होते है तो उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है या इधर -उधर भटकना पड़ता है। प्राय:देखा जाता है कि भोले-भाले कुछ लोग गलत झांसे में भी आ जाते है। अंत में उन्हें पछतावा भी होता है। यह सेवा हर कदम पर मदद करेगा। दस दिनों के अंदर यह एप काम करने लगेगा। अभी टेस्टिंग की प्रक्रिया अंतिम चरण में चल रही है दस दिनों के बाद ये एप आम जानो के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगा घर बैठे किसी भी डाक्टर के पास नंबर लगवाने के लिए सबसे पहले दिए गए गुगल प्ले स्टोर से आसानी से डाउन लोड करना होगा। जहां उन्हें इस सेवा का लाभ उठाने के लिए मात्र डाक्टर की फीस से अतिरिक्त महज 30 रुपए खर्च करना पड़ेगा। अब शहर से 50 से 60 किलोमीटर दूर बैठे लोग भी एप की मदद से चिकित्सक के पास नंबर लगाकर इलाज करा सकते हैं। ऊपर दिए गए नंबर पर संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिन्होंने इस सेवा की बेहतरी के लिए अच्छे सुझाव भी दिए। साथ ही आरा में इस तरह की सेवा शुरू होने को लेकर नयी तकनीक पहल की सराहना की।

प्रक्रिया के बाद लोग आसानी से चिकित्सक के पास पहुंचकर इलाज करवा सकते है। आरा शहर के अमूमन सभी डॉक्टरों की सुविधा इस एप से मिलना शुरू हो गया है। इस एप के माध्यम से बुजुर्गों को राहत मिलेगी। वह इसका आसानी से प्रयोग कर अपना इलाज करा सकते है। यह एप महिलाओं व बुजुर्गों के लिए बेहद कारगर होगा। महिलाएं अपना काम धाम छोड़कर अस्पताल में नंबर लगाने के कारण ही लंबा समय व्यतित करना पड़ता था। इससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस एप के माध्यम से उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी। इसे सभी पसंद कर रहे है।

पटना में दो गाड़ियों की भीषण टक्कर एक आरक्षी समेत छह लोग घायल

केटी न्यूज/पटना

पटना के चौक थाना के जेपी पथ कंगन घाट पर शुक्रवार को तेज रफ्तार इनोवा और स्कॉर्पियो कार की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गाड़ियों के आगे के भाग के परखच्चे उड़ गए। इसी दौरान अपनी ड्यूटी से वापस घर लौट रहे मोटरसाइकिल सवार एक सिपाही इसकी चपेट में आ गया और बुरी तरह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही चौक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फिर सभी घायलों को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद मौके पर घंटों अफरातफरी का माहौल बना रहा। ट्रैफिक थाना और चौक थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वहीं, इस बीच इनोवा कार का ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। चौक थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि एक पुलिस जवान संजीव कुमार कोर्ट से ड्यूटी कर वापस अपने आवास लौट रहे थे। इसी दौरान दो गाड़ियों की टक्कर के बीच शिकार बन गए। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की शाम मरीन ड्राइव कंगन घाट पर तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो और इनोवा गाड़ी की भीषण टक्कर हो गई। पीछे से एक मोटरसाइकिल से पुलिस का जवान कोर्ट से ड्यूटी करके वापस घर लौट रहा था। वह भी दो गाड़ियों की टक्कर के बीच हादसे का शिकार हो गया।

जिला के टॉप 10 में शामिल एक अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज पुलिस ने फरार चल रहे जिला के टॉप 10 में शामिल एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के जमोढ़ी निवासी राम ईश्वर सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहे थे। ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पूर्व शराब कांड मामले , जिला के टॉप 10 में शामिल सहित कई अन्य मामले में आरोपित थे। उन्होंने बताया कि अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। जल्द पकड़े जाएंगे।

विवाद: हाई कोर्ट ने दिया आदेश, सासाराम में नये नगर आयुक्त की जल्द हो नियुक्ति

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम नगर निगम के मेयर काजल कुमारी ने कहा कि माननीय हाई कोर्ट के फैसला का हम स्वागत करते है। हाई कोर्ट ने सासाराम में नये नगर आयुक्त की नियुक्ति का आदेश पारित किया है। काजल कुमार ने कहा कि नगर आयुक्त यही तक नहीं बचेंगे अभी भी इनके द्वारा किये गए गैर कानूनी कार्यों पर इनको सजा दिलाना है। मैं चेतावनी देती हूं। नगर आयुक्त के साथ-साथ जो भी अधिकारी कर्मचारी संलिप्त था, है या रहेगा उसके खिलाफ कड़ी

कार्रवाई होगी। काजल कुमारी ने कहा कि नगर आयुक्त ने हमारे शहर का करीब डेढ़ साल बर्बाद कर दिया, इसकी सजा उसको मिलेगी। आप भरोसा रखिए हमारे शहर का विकास रोकने की कीमत इस नगर आयुक्त को चुकानी पड़ेगी। हम यही तक नहीं रूकने वाले, इस नगर आयुक्त द्वारा कराये गए सारे गैर कानूनी कार्यों का भुगतान नहीं किया जायेगा, चाहे तो नगर आयुक्त अपनी जेब से कर सकते है। काजल ने कहा की सासाराम के लोगों के लिए मुझे जितना लड़ना पड़ेगा इन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करती रहूंगी। यह तो पहली सफलता है इसको अपनी नौकरी देकर सासाराम के विकास में बाधक बनने की कीमत चुकानी पड़ेगी। लुटेरे गैंग को चेतावनी दे रही हूं। अपने गलत कार्यों से बाज आए वरना इसके साथ-साथ आप भी जेल जायेंगे।

ओल्ड पेंशन लागू करने को लेकर रेलवे कर्मियों ने दिया आरा में धरना

केटी न्यूज/आरा

ईस्ट सेंट्रल कर्मचारी यूनियन के तत्वावधान में शुक्रवार को आरा रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मचारियों ने ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान रेल कर्मचारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करते हुए हर हाल में एनपीएस हटाकर ओपीएस बहाल करने की मांग की। रेलवे कर्मचारियों का कहना है कि ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग को लेकर ईस्ट सेंट्रल कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर दानापुर मंडल के तमाम शाखा मुख्यालयों पर रेलवे कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। आरा रेलवे स्टेशन मे भी प्रदर्शन हुआ। जिसमे लगभग 50 रेलकर्मियों ने झंडे बैन्नर के साथ जुलूस निकाला और आगे जाकर वो जुलूस एक सभा मे परिवर्तित किया गया। सभा का नेतृत्व यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय और शाखा मंत्री नीरज सिंह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए मनोज पांडेय ने कहा की हम सरकार से अनुरोध करते है की यथाशीघ्र नई पेंशन नीति को रद्दकर पुरानी गारण्टेड पेंशन नीति को पुनःबहाल करे। उन्होंने स्पष्ट कहा की पुरानी पेंशन की बहाली तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा। जब तक सरकार मांग पूरा नहीं करेगी। तब तक पीछे नहीं हटेंगे।

आखिरी दिन यज्ञस्थल की परिक्रमा करने हजारों श्रद्धालु पहुंचे, माता के भक्तों ने मत्था टेका

पूणार्हुति के साथ शतचंडी महायज्ञ का समापन, हुआ भंडारा

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट नगर पंचायत गोडारी गांव में स्थित मां काली के मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह श्रीशतचंडी महायज्ञ का शुक्रवार को पूणार्हुति के साथ समापन हो गया। आखिरी दिन यज्ञस्थल की परिक्रमा करने हजारों श्रद्धालु पहुंचे जहां माता के भक्तो ने मत्था टेका । मां काली गोडारी नगर वाली के कमिटी द्वारा पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ पिछले छह दिनों से महायज्ञ किया जा रहा था। छठे और अंतिम दिन यज्ञाचार्य पंडित अमित्रांशु तिवारी और कर्मकांडी ब्राह्मणों ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना पश्चात यज्ञकुंड में शुद्ध घृत से लगातार

मंत्रोधार के साथ पूणार्हुति अग्निदेव को समर्पित की। वहीं ललन त्रिपाठी व शचितानंद दुबे के सानिध्य में बड़ी ही निष्ठा व भक्ति भाव से भोग वितरण कर किया गया। इस अवसर पर पंडित बिपिन बिहारी, अशोक तिवारी, अमृतांशु, प्रियांशु, गोपाल तिवारी, पप्पू तिवारी, प्रभु नारायण उपाध्याय, हीरा पाण्डेय, सुशील ओझा, चितरंजन तिवारी, अनंत तिवारी, रजनी कान्त तिवारी, डॉ. शंभू प्रसाद, अनिल पासवान, बबूल तिवारी, गुड्डु तिवारी, सुनील मिश्रा, प्रिंश तिवारी समेत मंदिर समिति के सदस्य शामिल हुए। आरती पश्चात यहां सर्वप्रथम देवी स्वरूप कन्याओं को भोजन कराते हुए चुनरी भेंट की गई। लोगों का माने तो मां कि गर्भगृह से लगे माता जी की प्रतिमा के पिछले हिस्से की दीवार में सच्चे मन से की गई कामना के साथ माथा टेकने कि मान्यता है, ऐसा कहा जाता है कि जो भक्त माता की दरबार में आ कर एक बार दर्शन व पूजा करते है उनका भाग चमक जाता है ।

प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ : दूसरे दिन शुरू हुआ 72 घंटे का अखंड संकीर्तण

जहानाबाद। मखदुमपुर प्रखंड के खसखोरी गांव में मां भगवती मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आयोजित पांच दिवसीय यज्ञ के दूसरे दिन 72 घंटे का अखंड संकीर्तण शुरू हुआ। इसके पहले मंदिर में सुबह से ही यज्ञ स्थल पर श्रद्धालु नर-नारियों का जमावड़ा लगा रहा। लगातार तीन दिनों तक चलने वाले अखंड संकीर्तण के लिए इलाके के प्रसिद्ध गायन मंडली को आमंत्रित किया गया है, जो बारी-बारी से तीन शिफ्टों में अनवरत हरे राम-हरे कृष्ण का जाप करेंगे। भगवत नाम के अनवरत जाप से पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया है। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह है। गांव के लोग पूरे आयोजन को व्यापक रूप से सफल करने के लिए पूरी श्रद्धा व समर्पण से लगे हैं। आयोजन समिति के प्रमुख मदन शर्मा ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ को लेकर गांव के अलावा आसपास के गावों के श्रद्धालु भी अच्छा उत्साह दिखा रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता कौशलेन्द्र कुमार गुड्डू गांव वालों के अलावा खुद व्यक्तिगत स्तर पर मंदिर परिसर के विकास के लिए पूरी श्रद्धा से योगदान कर रहे हैं।

सूदखोरों पर होती कार्रवाई तो बच सकती थी सीडीओ के रसोइया की जान

तो क्या बलिया में सूदखोरों के सामने घुटने टेंक देती है पुलिस

- असलहा व्यापारी नंदलाल आत्महत्या मामले के बाद कागजों में सिमटी रह गई एंटी सूद स्क्वॉयड

तिलक कुमार/बलिया

सूदखोरो के खात्मे के लिए बलिया में पुलिस एक्टिव नहीं है, बल्कि यहां पुलिस सूदखोरों के साथ हाथ में हाथ मिलाए बैठी है। यही वजह है कि सीडीओ के रसोइया पूनाराम शर्मा तक को अपनी जान से हाथ धोना पड़ गया। पूनाराम शर्मा से पहले विजयीपुर और उसके पहले फेसबुक लाइव आकर असलहा व्यापारी नंदलाल गुप्ता ने हृदय विदारक ढंग से आत्महत्या कर लिया था। सूदखोरों के प्रताड़ना के बाद आत्महत्या करने वालों की कहानी सुनकर हर किसी के खून में उबाल आने लगता है। जिससे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी हां में हां मिलाते हैं कि कार्रवाई होगी, मगर सामंतवादी विचारधारा के सूदखोरों के आगे प्रशासन घुटने पर दिखाई देते हैं।

सूदखोर के आतंक से मौत को गले लगाने वाले सीडीओ के रसोइया पूनाराम शर्मा आज हमारे बीच जिंदा होते यदि पुलिस सूदखोरों पर समय से नकेल कसती। लेकिन बलिया पुलिस को अवैध वसूली के आगे फुर्सत कहां है, तभी तो जब इस तरह के मामले होते हैं तभी पुलिसिया तामझाम देखने को मिलता है। सेल का गठन होता है, लेकिन मामला ठंडा पड़ते ही पुलिस जहां सूदखोरों के प्रति नरमी बरतना शुरू कर देती है। वहीं सूदखोर बेखौफ होकर अपना साम्राज्य चलाने में मस्त हो जाते हैं। कभी-कभी तो ऐसा भी होता है कि पुलिस सूदखोरों और पैसा लेने वालों के बीच सेटिंग भी कराते नजर आते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लगभग डेढ़ साल पहले प्रसिद्ध गन व्यवसायी इसी तरह सूदखोरों के आतंक से आजिज आकर सुइसाइड कर लिया था। इसके बाद एंटी सूद स्क्वॉयड का गठन भी हुआ। लोगों को लगा कि अब सूदखोरों के खिलाफ कुछ ठोस कार्रवाई होगी, लेकिन सब टांय टांय फिस्स। नतीजन एक साल पहले विजयीपुर में एक युवक ने जान दे दी और अब सीडीओ के रसोइया अपनी जान से हाथ धो बैठे।

1.50 लाख का सूद जोड़ किया नौ लाख

पूनाराम शर्मा के बेटे अंकित ने दो सूदखोरों पर कर्ज का पैसा देकर अधिक पैसा वसूलने के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। बताया की सूदखोर 1.50 लाख रुपये का ब्याज जोड़कर नौ लाख मांग रहे थे। पिता को धमकी देकर कई चेक पर जबरदस्ती हस्ताक्षर ले लिए थे। सैलरी आने पर निकाल लेते थे। काफी दिनों से पिता पैसा घर पर नहीं भेजते थे। कई बार पूछने पर पूरी बात बताई। सूदखोरों का पैसा वापस करने के लिए मैं आया था, पिता ने जीपीएफ से 15 लाख रुपये निकालने का आवेदन दिया था। सूदखोरों ने पिता को एक बैंक से 15 लाख का लोन करवाकर पैसा उन लोगों ने निकाल लिया। एक सूदखोर होमगार्ड का बेटा है। दूसरा सूदखोर गन व्यवसाई है।

एक नजर

मॉबलिचिंग और बुल्डोजर नीति के खिलाफ एआईएमआईएम का धरना 16 को

बलिया। प्रदेश में भीड़ द्वारा हत्या की घटनाओं, मुख्यमंत्री योगी के बुल्डोजर नीति आदि के खिलाफ आगामी 16 जुलाई को एआईएमआईएम कलेक्ट्रेट में धरना देंगे। इसी सिलसिले में पार्टी के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान एवं जिलाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट से मिलकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पत्रकारों से रू-बरू होते हुए प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान ने बताया कि प्रदेश में आए दिन कोई न कोई भीड़ के शिकार हो रहे हैं। बलात्कार और गैंग रेप जैसी घटनाओं की तो मानों बाढ़ सी आ गई। एक दिन भी ऐसा नहीं है कि पेपर में बलात्कार और गैंगरेप की खबर न छपती हो। इस पर तत्काल रोक लगाने के बजाय योगी बाबा जहां-तहां बुल्डोजर चला रहे हैं, जो कहीं भी से भी न्यायोचित है। इसी सिलसिले में पार्टी के आलाकमान के नेतृत्व में आगामी 16 जुलाई को प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

चर्चित उसरी कांड : मनोज राय हत्याकांड के वांछित व 25000 का इनामी गिरफ्तार

गाजीपुर। बहुचर्चित ऊसरी कांड में मारे गये मनोज राय हत्याकांड के वांछित एवं 25 हजार के इनामी अभियुक्त सुरेंद्र शर्मा को शुक्रवार की सुबह मुहम्मदाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मुहम्मदाबाद नगर के वार्ड नंबर 17 युसूफपुर निवासी सुरेन्द्र शर्मा पुत्र इन्द्राशन शर्मा जो पूर्व में मुख्तार अंसारी की गाड़ी चलाता रहा है। मुहम्मदाबाद कोतवाली में पंजीकृत मु०असं० 23/2023 धारा 147,148,149, 302, 34 आईपीसी में सीजीएम कोर्ट गाजीपुर से जारी वारंट तथा 82 सीआरपीसी का वांछित व 25 हजार रुपये का वांछित था। शुक्रवार की सुबह करीब 10-15 बजे मुखबिर की सूचना पर कोतवाल पवन उपाध्याय मय हमराह युसूफपुर रेलवे स्टेशन के बाहर सकुर्लेटिंग एरिया के पास से मनोज हत्याकांड के फरार चल रहे इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त सुरेंद्र शर्मा पर इसके अलावा बाराबंकी कोतवाली में गैगस्टर सहित दो मामले दर्ज है।

बीएसए के साथ विभिन्न शिक्षक संगठनों ने की बैठक, प्रेरणा एप से संबंधित शंकाओं का होगा समाधान

गाजीपुर। जनपद के समस्त शिक्षक संगठनों एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की बैठक कार्यालय महुआबाग गाजीपुर में आयोजित की गई। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी द्वारा परिषदीय विद्यालयों को उपलब्ध कराए गए टैबेलेट के माध्यम से प्रेरणा पोर्टल पर विद्यालयी अभिलेखों के आनलाइन/डिजिटलीकरण किए जाने के लिए प्रेरणा रजिस्टर/माड्यूल के संबंध में मोबाइल पर डेमो के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, साथ ही प्रेरणा एप के विभिन्न उपागों के अनुप्रयोग से संबंधित शंकाओं का समाधान भी किया गया। प्रेरणा एप माड्यूल में कुल 12 तरह के पंजिकाएं आनलाइन उपलब्ध कराई गई है। इनके द्वारा विद्यालई कार्यो का शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन हो जाएगा। इससे विद्यालई जिम्मेदारियों का निर्वहन सुगमता एवं दक्षता पूर्वक हो सकेंगा। इनमें मुख्य पंजिकाएं यथा उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, स्टाक पंजिका, पुस्तकालय पंजिका, बैठक पंजिका, पुस्तकालय पंजिका, बैठक पंजिका आदि शामिल है। बैठक के अन्त में विद्यालयी अभिलेखों से संबंधित खंडों पर आनलाइन कार्य पूर्ण करने की सहमति शिक्षक संगठनों द्वारा दी गई।

सहजानंद पीजी कॉलेज में एलएलबी परीक्षा के दौरान छात्रा नकल करती पकड़ी गई

बलिया। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की विधि स्नातक की परीक्षा में 12 जुलाई 2024 को स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज गाजीपुर की परीक्षा में केंद्र पर संत लखन दास विधि महाविद्यालय मरदह की एक परीक्षार्थी अनुचित साधन का प्रयोग करती पकड़ी गई। महाविद्यालय केंद्र पर विश्वविद्यालय की विधि स्नातक द्वितीय सेमेस्टर के तृतीय प्रश्नपत्र की परीक्षा में कुल 353 पंजीकृत परीक्षार्थियों में 35 परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। परीक्षा के दौरान आंतरिक उड़ाका दल ने एक परीक्षार्थी को चिट के साथ पकड़ लिया तथा अनुचित साधन प्रयोग के आरोप में रस्टीकेट कर दिया। द्वितीय सत्र में एलएलबी छठवें सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा में कुल 236 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से दो परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। जनपद के संत लखन दास विधि महाविद्यालय, मरदह तथा बलदेव श्रीधर विधि महाविद्यालय, भावरहां के परीक्षार्थियों के लिए नगर के स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वी के राय ने बताया कि परीक्षा के सफल एवं सुचितापूर्ण संचालन के लिए एक परीक्षा समिति का गठन किया गया है। जिसमें प्रो. अवधेश नारायन राय, प्रभारी तथा रामधारी राम, डॉ. कृष्णानंद चतुर्वेदी, डॉ. देव प्रकाश राय, डॉ. सतीश कुमार पांडेय, डॉ. वीके ओझा, डॉ. सुजीत कुमार व नित्यानंद राय शामिल हैं।

खबरें फटाफट

सांसद धर्मेंद्र यादव का चिरैयाकोट में जोरदार स्वागत

चिरैयाकोट (मऊ)। नगर पंचायत चिरैयाकोट के रविदास मंदिर पर

लोकसभा सदर आजमगढ़ के नवनिर्वाचित सांसद धर्मेन्द्र यादव का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सांसद धर्मेन्द्र यादव ने बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आहवान पर रविदास मंदिर के प्रांगण में पीपल का एक पौधा लगाये। उसके बाद संत रविदास की पूजा अर्चना किए। इस अवसर पर चेयरमैन राम प्रताप यादव विधायक राजेन्द्र कुमार राम, रविदास मंदिर के अध्यक्ष श्यामलाल, सिकन्दर प्रसाद, हवलदार यादव जिला अध्यक्ष आजमगढ़ , पूर्व विधायक श्याम बहादुर यादव , पूर्व मंत्री राम दुलारे राजभर, जय प्रताप यादव प्रधान, मुरली,राजेश भारती प्रतिनिधि सदस्य जिला पंचायत, राम प्रवेश यादव, चंद्रशेखर यादव गुल्लू, हनुमान यादव, विवेक सिंह, अच्छेलाल यादव प्रधान, समरू यादव प्रधान, काजी सुभहा नल्लाह, मनोज यादव, राजेन्द्र यादव,पारस आदि लोगों ने स्वागत किया।

सोहम गुप्ता भारतीय हैंडबाल टीम में हुए चयनित

मऊ । 14 से 25 जुलाई तक जार्डन में होने वाले 18वीं एशियन जूनियर मेंस चैंपियनशिप में भीटी निवासी सोहम गुप्ता का चयन भारतीय हैंडबाल टीम के लिए हुआ है। आपको बता दें कि सोहम ने मऊ के डा. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम से अपने खेल की शुरूआत की। तत्पश्चात उनका चयन भारतीय खेल प्राधिकरण-गुजरात के लिए हुआ। अपनी लगन और मेहनत के बल पर वे अब भारतीय टीम का हिस्सा हैं। उपरोक्त जानकारी भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम के कोच राजीव जयसवाल ने दी। इस मौके पर उनके परिजनों सहित शहरवासियों में खासा उत्साह हैं।

14 जुलाई को बहन की आनी थी बारात, शादी की चल रही थी तैयारी

बलिया में बहन की विदाई से पहले भाई की उठी अर्थी, मातम में बदलीं खुशियां

- मैरीटार गांव के सिद्धौली मौजा के पास रात में बोलेरो ने मारी टक्कर
- मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने चक्का किया जाम
- तीन बहनों में इकलौता भाई था 25 वर्षीय युवक

केटी न्यूज/ बलिया

गुरुवार की रात बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के मैरीटार गांव के सिद्धौली मौजा के पास बोलेरो की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। उधर, घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रात में सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को घटनास्थल पर चक्काजाम कर मुआवजा की मांग करने लगे। जाम की सूचना पर पहुंचे बांसडीह कोतवाल संजय सिंह ने जामकताओं को समझा बूझकर जाम समाप्त करवाया।

मिली जानकारी के अनुसार बासडीह कोतवाली क्षेत्र के मैरीटार गांव के सिद्धौली मौजा निवासी अभिषेक पासवान 25 वर्ष पुत्र छोटक पासवान गुरुवार की देर रात शौच करने जा रहा था, तभी बोलेरो ने टक्कर मार दिया और फरार हो गया। आसपास के लोग व परिजन घायल अभिषेक को सीएचसी बांसडीह ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक अभिषेक अपने तीन बहनों में इकलौता भाई था। बड़ी बहन सपना की शादी हुसेनाबाद में हुई थी। जबकि दूसरी बहन कृतिका की बारात 14 जुलाई को सुखपुरा के धरहरा ग्राम सभा से आने वाली थी। पूरा परिवार शादी की तैयारी में जुटा हुआ था। मुहूर्त के अनुसार आंगन में मंडप गाड़ने की तैयारी चल रही थी। घर पर सारे नाते, रिश्तेदार व मेहमान आए हुए थे। इसी बीच काल की गाल में अभिषेक समा गया। बहन की विदाई करने से पूर्व ही भाई की अर्थी उठ गई। जिससे परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार की सुबह मुआवजे की मांग को लेकर घटना स्थल पर चक्का जाम कर दिया है। सूचना के बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लकेर जिला चिकित्सालय पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे कोतवाल संजय सिंह ने समझा बुझाकर जाम को समाप्त करवाया तथा आगमन को बहाल कराया। इस बाबत बांसडीह कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। तहरीर मिलती है तो अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

लोहे के पाइप में फांसी लगा किशोर ने दे दी जान

रसड़ा। कस्बा के रूपी गड़ही मोहल्ले में गुरूवार की रात किशोर ने छत पर लोहे के पाइप में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार अजीत कुमार (16) पुत्र राजकुमार अपने मौसा संतोष कुमार गुप्ता निवासी रसड़ा कस्बा के रूपी गड़ही मोहल्ला के यहां रहता था। वह किसी बात से नाराज होकर छत पर गया और छत पर लगे लोहे के पाइप के में गमछा से फांसी का फंदा बनाकर अपनी ईहलीला समाप्त कर लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार किशोर मंदबुद्धि था।

बेकाबू बाइक खाई में पलटी, तीन जख्मी

रसड़ा। रसड़ा-अमहट मार्ग के लखनेश्वरडीह किला के समीप गुरूवार की देर रात तेज रफ्तार बाइक के खाई में पलट जाने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आस पास के लोगों ने तीनों घायलों को रसड़ा अस्पताल पहुँचाया, जहां से गंभीर स्थिति देख चिकित्सक ने बलिया रेफर कर दिया। बाइक सवार जयकिशन 22 वर्ष निवासी चितबड़ागांव, महेश 55 वर्ष निवासी सलेमपुर बरेसर जिला गाजीपुर तथा रामाकांत 20 वर्ष निवासी पड़राव थाना करीमुद्दीनपुर जिला गाजीपुर मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर बाइक से श्रीअमहट की तरफ अपने गांव जा रहे थे कि अचानक लखनेश्वरडीह किला के पास एकाएक इनकी बाइक अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। जिससे तीनों घायल हो गये।

पांच सूत्री मांगों को लेकर प्रग्रापए का प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिला

केटी न्यूज / बलिया

प्रगतिशील ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को पांच सूत्रीय मांग को लेकर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार से मिले। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों डीएम से ग्रामीण स्तर की पत्रकारिता की चुनौतियों के विषय में वार्ता किया। प्रगतिशील ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत मिश्र के नेतृत्व में डीएम को दिए गए पत्रक के माध्यम से मांग किया है कि जनपद मुख्यालय पर पत्रकारों के लिए मीडिया संकुल का निर्माण कराया जाए। प्रेस और प्रशासन के बीच पारस्परिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रत्येक वर्ष गठित होने वाली जिला स्तरीय स्थाई समिति में सभी पंजीकृत पत्रकार संगठनों को प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाए। प्रायः देखा जा रहा है कि बिना जांच किए पत्रकारों पर आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं? और पत्रकारों का उत्पीड़न किया जा रहा है। ऐसे में आपसे अनुरोध है कि इस आशय का आदेश निर्गत करें कि राजपत्रित अधिकारी द्वारा जांच कराकर ही पत्रकारों पर आपराधिक मामला दर्ज किया जाय। प्रशासनिक अधिकारियों के ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण की सूचना क्षेत्रीय पत्रकारों को प्राप्त नहीं हो पाती है। जिससे अधिकारियों द्वारा किए जा रहे निरीक्षण एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी क्षेत्रीय पत्रकारों को नहीं हो पाती। ऐसे में यह व्यवस्था हो कि क्षेत्र भ्रमण की सूचना क्षेत्रीय पत्रकारों को भी प्राप्त हो सकें। समय-समय पर पत्रकार संगठनों के साथ बैठक कर विचारों और सुझावों का आदान-प्रदान किया जाए। प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर डीएम ने सार्थक आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में प्रगतिशील ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के प्रदेश महसचिव पुष्पेंद्र तिवारी सिंधु , जिलाध्यक्ष विजेंद्र नाथ सिंह, नरेंद्र मिश्र, नगर अध्यक्ष तिलक कुमार, अजय तिवारी, रजनीश श्रीवास्तव, मनीष गुप्ता आदि रहे।

कटान से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भेजें जिलाधिकारी : एडीएम

बलिया। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में अपर जिलाधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को बताया गोपालनगर टाड़ी गांव में सरयू नदी के कटान के मद्देनजर उपजिलाधिकारी बैरिया को तत्काल कटान से प्रभावित होने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजवाने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही खान-पान की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सहायक अभियन्ता बाढ़ खण्ड अधिकारी को निदेशित किया गया कि वे बचाव कार्य तत्काल करें। महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों को सबसे पहले कटान क्षेत्रों से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर भेजे जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। ग्रामीणों को सलाह दी गयी कि वे तत्काल आवश्यक सामान लेकर स्वतः सुरक्षित स्थान पर चले जाये। जिससे किसी भी प्रकार की जन एवं पशुहानि न हो।

पॉक्सो एक्ट के आरोपी को 10 वर्ष के कारावास की सजा

बलिया। पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने शुक्रवार को दोषी को 10 वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किया। इसके साथ ही 18 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया। दोषी का नाम पिन्टू कुमार पुत्र सूरज राम निवासी मिश्रनेउरी है। दोषी के खिलाफ वर्ष 2016 में बांसडीहरोड थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन के उपरांत सिविल कोर्ट के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को 10 वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किया। इसके साथ ही 18 हजार रूपए के अर्थदंड से दंडित किया।

जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

पौधरोपण के लिए पहले से ही कर लें पूरी तैयारी: जिलाधिकारी

- 20 जुलाई को 40.65 लाख पौधे रोपित करने का है लक्ष्य

केटी न्यूज / बलिया

जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक कलक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पौधरोपण के लिए की गयी तैयारियों के बावत विभागवार जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिये। कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को भी इस अभियान में शामिल होने के लिए अनुरोध किया जाए।

जन अभियान-2024 के तहत 20 जुलाई को 40.65 लाख पौधे रोपित करना है। इसलिए सभी सम्बन्धित विभाग को इसकी बकायदा प्लानिंग पहले से ही करके रखनी होगी। पौधरोपण के लिए ऐसी भी जगह चिन्हित करें, जो पौधे लगाने के बाद वन के रूप में विकसित होता दिख सके। सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित कराएं कि 18 जुलाई तक पौधों का उठान हो जाए। उठान की प्रतिदिन की रिपोर्ट देने का निर्देश डीएफओ अभिषेक आनंद को दिया।

जनजागरूकता पर दिया जाए विशेष जोर

बलिया। जिलाधिकारी ने कहा कि पौधरोपण के लिए प्रति जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया जाए। प्रयास ऐसा हो कि आम जन स्वयं इस अभियान से जुड़कर पौधे लगाएं और उसको बचाने के लिए तत्पर रहें। उन्होंने विभागवार अधिकारियों को पौधरोपण की कार्ययोजना व दस बड़ी लोकेशन मांगा, ताकि उनकी तैयारियों पर नजर रखी जा सके। शक्ति वन, बाल वन, खाद्य वन, नन्दन वन, आयुष वन, अमृत वन व भाई-बहन वृक्षारोपण जैसे विशिष्ट वनों की स्थापना व बाल पौध भण्डारा के सम्बन्ध में भी जरूरी दिशा-निर्देश दिये। बैठक में सीआरओ त्रिभुवन, एआरटीओ अरुण राय, जिला वृक्षरोपण समिति के गणेश पाठक व अन्य सदस्य मौजूद थे।

बेटी का इलाज कराने जा रही महिला से बाइक सवार बदमाशों ने छीने 50 हजार

मिझा गांव की रहने वाली है महिला

केटी न्यूज / बलिया

शहर कोतवाली क्षेत्र के रोडवेज बस स्टैन्ड के सामने बाइक सवार बदमाशों ने रिक्शे से उतरते समय एक महिला के हाथ से पचास हजार रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना को लेकर सनसनी फैल गई। घटना के बारे बताया जा रहा है कि मिझा गांव निवासी महिला प्रमिला पत्नी नन्द लाल अपनी पुत्री माही का इलाज कराने और बैंक में पैसा जमा करने के लिए ई-रिक्शा से जैसे ही रोडवेज बस स्टैन्ड पर उतरी। उसी वक्त बाइक सवार बदमाश जो पहले घात लगाए हुए थे। महिला के हाथ से उसका पैसों से भरा बैग छीनकर फरार गए। पीड़ित महिला ने शोर मचाया, जिसपर वहां काफी लोग इक्कठा हो गए। महिला ने घटना से कोतवाली पुलिस को अवगत करा दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस घटना स्थल का जायजा लिया और मामले की छानबीन में जुट गई।

फरियादियों की सुनिये, संवाद और यथोचित कार्रवाई कीजिये : योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर किया 'जनता दर्शन'
- पुलिस, कब्जा, स्थानांतरण समेत कई मुद्दों को लेकर आए पीड़ित, सीएम ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

केटी न्यूज / लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। पीड़ितों ने पुलिस, कब्जा, स्थानांतरण आदि मुद्दों को लेकर सीएम से अपनी वेदना रखी, जिस पर सीएम ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि फरियादियों की सुनिये, फिर संवाद कर यथोचित कार्रवाई कीजिये। हर उचित मामलों में पीड़ित की संतुष्टि जरूरी है। जन-जन की सुरक्षा, समृद्धि एवं खुशहाली की भावना के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं। एक शिक्षक ने अपनी निजी परेशानी को बताते हुए स्थानांतरण का आग्रह किया, जिस पर उनके आवेदन को कार्रवाई के लिए शिक्षा निदेशालय भेज दिया गया। वहीं मृतक आश्रित कोटे से नौकरी का प्रार्थना पत्र लेकर भी एक फरियादी पहुंचे, जिस पर मुख्यमंत्री ने अफसरों को इसे सम्बंधित विभाग में भेजकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रत्येक पीड़ित के पास पहुंचे। उनकी शिकायत सुनी और प्रार्थना पत्र लेकर अफसरों को आगे की कार्रवाई के लियेबकहा। इस दौरान पुलिस और जमीन कब्जे से जुड़े मामले भी आये, जिस पर मुख्यमंत्री ने सम्बंधित जिलों के अफसरों को इस पर कार्रवाई का निर्देश दिया।

एक नजर

बीजेपी उम्मीदवार रहे पारसनाथ राय तिहरा हत्याकांड के बाद पीड़ित परिवार से मिले

गाजीपुर। नंदगंज थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुए तिहरा हत्याकांड के बाद शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता और पिछले लोकसभा चुनाव में

उम्मीदवार रहे पारसनाथ राय कार्यकताओं के साथ इलाके के खिलवां (कुसम्ही कलां) गांव पहुंचे। वहां पिछले दिनों हुई दर्दनाक घटना में माता-पिता और पुत्र की हत्या की गई थी। पीड़ित परिजनों एवं मृतक के भाइयों से मिलकर घटना पर दुःख प्रकट करते उन्हें सांत्वना दी और घटना की जानकारी प्राप्त किया। इसके अलावा ग्राम -पचारे में रामकृत प्रजापति -65 तथा नंदगंज बाजार में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय जायसवाल के छोटे भाई भूतपूर्व सैनिक उदय जायसवाल -70 के निधन पर भी उनके घर पहुंच कर सांत्वना व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला मंत्री सुरेश बिन्द, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, मंडल अध्यक्ष विनीत शर्मा, गोपाल राय, भानु प्रताप जायसवाल, मुकेश सिंह, मुनीराम बिंद, बालकृष्ण विश्वकर्मा, अनिल जायसवाल,एच एन राम, लालजी बिंद और योगेन्द्र नाथ राय उपस्थित थे।

गंगा स्नान करने गया युवक लापता, पुलिस करवा रही गंगा नदी में तलाश

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कुरहना गांव के समीप स्थित गंगा में शुक्रवार पूर्वाह्न नहाने गया एक 35 वर्षीय युवक के लापता हो जाने से कोहराम मचा हुआ है। वहीं गंगा घाट किनारे युवक का चप्पल व कपड़ा मिलने से डूबने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंची अलीनगर पुलिस नदी में युवक की तलाश करवा रही है। इस घटना से परिजनों में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक पुराना गांव निवासी महेंद्र तिवारी का 35 वर्षीय पुत्र मुग्घु तिवारी शुक्रवार प्रातः स्नान करने के लिए समीप स्थित गंगा नदी में गया हुआ था। काफी देर तक जब वह नहीं आया तो परिजन उसे खोजते हुए गंगा घाट गए। जहां उसके चप्पल और कपड़े मिले। लेकिन उसका पता नहीं चला। घर वालों ने इसकी सूचना तत्काल अलीनगर पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस वोट और गोताखोरों की मदद से गंगा नदी में युवक की तालाश करवा रही है। फिलहाल पूरा परिवार किसी अनहोनी की आशंका से सदमे में है।

पीड़ितों की रक्षा के लिए भाकपा कार्यकर्ताओं ने चंदौली के एसपी को सौंपा ज्ञापन

चंदौली । भाकपा (माले) के कार्यकताओं ने शुक्रवार को धीना थाना के करजरा गांव में हुई घटना के बाबत पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे को पत्रक सौंपा। कहा कि दबंगों के परिवार व संबंधियों की ओर से पीड़ित परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इससे पीड़ित का परिवार दहशत में है। मांग किया कि परिवार के सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया जाए, ताकि जान-माल की सुरक्षा हो सके। वहीं पीड़ित परिवार को किसान बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। चेतावनी दी कि पीड़िता को न्याय नहीं मिला तो कार्यकर्ता आंदोलन को बाध्य होंगे। वहीं सोनू हत्याकांड में अलीनगर पुलिस की ओर से खुलासा नहीं किए जाने की शिकायत की। मांग किया कि तत्काल हत्यारों को गिरफ्तार किया जाए। जिला सचिव अनिल पासवान, शशिकांत सिंह, किसान महासभा के जिलाध्यक्ष श्रवन मौर्य,किस्मत यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

एसपी ने चौकीदारों को बांटें साइकिल

जौनपुर। पुलिस लाइन कार्यालय पर एसपी डॉ.अजय पाल शर्मा

द्वारा ग्राम चौकिदारों को साइकिल वितरण किया तथा गांव में आपराधिक क्रिया कलापों पर विशेष निगरानी रखने व सूचना पुलिस तक पहुँचाने के निर्देश दिए। आज 12 जुलाई शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा ने ग्राम चौकिदारों को साइकिल वितरण किया तथा उन्हें अपने-अपने गांव में भ्रमणशील रहकर आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखने के लिए बताया साथ ही किसी प्रकार की सूचना मिपने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस तक पहुँचाने के निर्देश दिये। साइकिल वितरण कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश कुमार गौतम, क्षेत्राधिकारी नगर देवेश सिंह, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन अनुपम सिंह सहित तमाम पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहें।

तीन पिस्टल के साथ दो बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

चंदौली । सदर कोतवाली के भगवानपुर नहर पुलिया के समीप से पुलिस ने गुरुवार की रात दो बदमाशों को तीन पिस्टल व दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश आदित्य राय निवासी असावर थाना करीमुद्दीनपुर व राधे कृष्ण राय निवासी रेवसड़ा थाना भांवर कोल जिला गाजीपुर के निवासी बताए गए हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भगवानपुर नहर पुलिया के समीप दो व्यक्ति एक काले पिट्ठू बैग के साथ खड़े हैं। बैग में कोई संदिग्ध वस्तु हो सकती है। प्रभारी निरीक्षक गगन राज सिंह, उप निरीक्षक रावेंद्र सिंह समेत पुलिस टीम ने घेराबंदी कर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बदमाशों ने पुलिस को बताया कि बरामद पिस्टल खंडवा, इंदौर (मध्य प्रदेश) से 17 हजार रुपये प्रति पिस्टल लेकर आए हैं। जिसे ऊंचे दाम पर बेचने के लिए चंदौली आए थे। यहां पिस्टल को एक व्यक्ति को देना था।

जलस्तर में वृद्धि होने से तटवर्ती लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुटे

सरयू नदी का रौद्र रूप... खतरा बिंदु किया पार, तटवर्ती इलाकों में दहशत

- केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार को सुबह जलस्तर 64.310 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो लाल निशान 64.010 मीटर से 30 सेंटीमीटर ऊपर है

केटी न्यूज / मऊ/बलिया

सरयू नदी ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया है। लाल निशान से 30 सेंटीमीटर ऊपर बहने वाली सरयू नदी के तेवर तल्ख हो गए हैं। बाढ़ का पानी गांवों की ओर कूच करने लगा है। जलस्तर में वृद्धि का सिलसिला जारी रहने से बाढ़ की संभावना प्रबल हो गई है। बता दें कि बाढ़ की आशंका को लेकर तटवर्ती दर्जनों ग्रावों के हजारों लोग भयभीत हैं। तटवर्ती क्षेत्रों में खलबली मची हुई है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार को सुबह जलस्तर 64.310 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो लाल निशान 64.010 मीटर से 30 सेंटीमीटर ऊपर है। आयोग का कहना है कि एक-एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जलस्तर में वृद्धि हो रही है। आयोग ने अगले 24 घंटे में जलस्तर में वृद्धि जारी रहने का पूवार्नुमान किया है। जलस्तर में वृद्धि होने से तटवर्ती लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुट गए हैं।

एसडीएम ने बाढ़ व कटान की स्थिति का लिया जायजा

एसडीएम निशांत उपाध्याय ने तटवर्ती क्षेत्रों का भ्रमण कर बाढ़ और कटान की स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम ने बताया की बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट है। तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ चौकियां स्थापित कर नदी की प्रकृति की निगरानी की जा रही है। संभावित बाढ़ के खतरे से निपटने के लिए प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई है।

कृषि योग्य भूमि कट-कट कर नदी की जलधारा में हो रही विलीन

बताते चलें कि कुछ तटीय क्षेत्रों में कटान शुरू हो गया है। टगुनिया ग्राम के पास टीएस बंधा के नीचे ठोकर के किनारे कटान हो रही है। कृषि योग्य भूमि कट-कट कर नदी की जलधारा में विलीन हो रही है। नदी का पानी तटवर्ती क्षेत्रों में फैल रहा है। इलाके के हाहानाला, तुतीर्पार व हल्दीरामपुर रेगुलेटरों पर पानी का दबाव बढ़ गया है। बाढ़ को लेकर तटवर्ती चैनपुर गुलौरा, महुआतर, खैरा खास, टगुनिया, तुतीर्पार, मुजौना, मझवलिया, करीमगंज, बेल्थराबाजार, सहिया, सोनबरसा, हल्दीरामपुर आदि तटवर्ती दर्जनों ग्रामों के लोग सहम गए हैं।

रौद्र रूप देख मची खलबली

मऊ/बलिया। उफनाई सरयू नदी के रौद्र रूप को देख तटवर्ती क्षेत्रों में खलबली मच गई है। लाल निशान से ऊपर बहने वाली सरयू नदी के तल्ख तेवर से तटवर्ती दर्जनों ग्रामों के हजारों लोग सहम गए हैं। उफनाती सरयू का पानी तटवर्ती क्षेत्रों में फैल गया है। सोनौली-बलिया राजमार्ग से सटे त्यागी बाबा के आश्रम से गांव जाने वाली सड़क पानी के तेज बहाव के चलते टूट गया। जिससे दर्जनों परिवार के लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है। मार्ग टूट जाने से लोगों को करीब एक किलोमीटर की अधिक दूरी तय कर आवागमन करना पड़ता है। त्यागी बाबा के आश्रम व गांव के बीच का चक मार्ग बाढ़ के पानी से कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। गौरतलब हो कि पशुओं को चारा लाने के लिए पशुपालकों को काफी परेशानी हो रही है। बाढ़ का पानी कई किलोमीटर विस्तृत भूभाग में फैल गया है। बाढ़ का पानी सोनौली-बलिया राजमार्ग से सट कर बह रहा है। हल्दीरामपुर रेगुलेटरों पर पानी का दबाव बढ़ गया है। बाढ़ का पानी गांवों की बढ़ने लगा है। इसके साथ ही चैनपुर गुलौरा और टगुनिया क्षेत्र में कटान हो रही है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देख तटीय क्षेत्रों के लोग बाढ़ की आशंका को लेकर भयभीत हो सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुट गए हैं। उप जिलाधिकारी निशांत उपाध्याय ने शुक्रवार को सरयू नदी के तटवर्ती क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

भाईचारा-देशप्रेम इस्लाम की शिक्षा का प्रमुख अंग

केटी न्यूज / चंदौली

अल्लाह कभी भी इंसान के दिल से निकलने वाली सच्ची दुआओं को अनसुना नहीं करता। इस्लाम में आए नबी पैंगबरों ने हमेशा ये सिखाया है कि बस इंसान के पास मांगने का हुनर होना चाहिए ईश्वर उसे जरूर पूरा करता है। दुआएं सच्चे इंसान की असली ताकत होती हैं इसलिए ये जरूरी है कि इंसान आस्था के प्रति कभी भी अविश्वासी न हो। मुहर्रम की पांचवीं तारीख को अजाखाना ए रजा में मजलिस खिताब फरमाते हुए मौलाना अली कबीर हुसैनी ने इस्लाम के मकसद पर भी प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि भाईचारा और देशप्रेम इस्लाम की शिक्षाओं का प्रमुख अंग है। रसूले पाक का कहना था कि अपने दुश्मन से भी इतना झुककर मिलो की वो दुश्मनी भूलकर गले मिल जाए। उन्होंने रसूल हदीस और कुरान शरीफ की आयतों के जरिए बताया कि वैमनस्यता फैलाना कभी भी इस्लाम का हिस्सा नहीं रहा, जो लोग समाज को बांटने का काम करते हैं वो किसी भी सूरत में सच्चे मुसलमान नहीं हो सकते। उन्होंने अपनी हदीस के जरिए ये भी कहा कि रसूले पाक ने हमेशा देश प्रेम की वकालत की इसलिए अपने मुल्क से मुहब्बत करना हर मुसलमान का फर्ज है। मुहर्रम की पांचवीं तारीख को अजाखाने में अलम निकला इस मौके पर मौलाना ने इमाम हुसैन के भाई हजरत अब्बास के मसायब पढ़ते हुए उनकी शहादत की दास्तान पढ़ी। हजरत अब्बास इमाम हुसैन के सौतेले भाई थे लेकिन उन्होंने करबला की लड़ाई में इमाम का कमांडर बनकर जंग लड़ी और छोटे छोटे बच्चों के लिए पानी लाने की कोशिश करते हुए शहीद हो गए। हजरत अब्बास की कहानी करबला की जंग का महत्वपूर्ण अध्याय मानी जाती है क्योंकि यजीद जानता कि बहादुर अब्बास के रहते हुए इमाम हुसैन से जंग जीतना कठिन है। बनारस से आई अंजुमन अंसारे हुसैनी ने अपने मातमी नौहों से अजादारों को रोने के लिए मजबूर कर दिया। इस दौरान दुलहीपुर, वाराणसी, मिजार्पुर, सिंकदरपुर समेत नगर के तमाम अजादार बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

डाला मैजिक पलटने से दो दर्जन से अधिक घायल, छह ट्रामा सेंटर रेफर

चंदौली। चकिया कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले फिरोजपुर में डाला मैजिक पलटने से महिलाओ बच्चों समेत कुल 02 दर्जन से ऊपर लोग घायल हो गये। जिसके बाद ग्रामीणों की सुचना पर मौके पहुंची एम्बुलेंस व निजी वाहनों द्वारा सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद 06 लोगों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि उतरौत निवासी शंकर बियर अपनी पुत्री की शादी के लिए अपने रिश्तेदार व परिजनों के साथ जागेश्वरनाथ मंदिर जा रही थे इसी दौरान वाहन फिरोजपुर में अनियंत्रित होकर पानी भरे गड्ढे में पलट गयी। ग्रामीणों द्वारा सभी को वाहन से बाहर निकाल कर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सको द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद 06 लोगों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी होने के बाद राबर्टगंज सांसद छोटे लाल खरवार मौके पर पहुंचे व घायलों का हालचाल जाना।

जमीन संबंधी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट, पिता पुत्र घायल

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के चकिया(भूपौली) गांव में जमीन संबंधी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए। भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल में जुटी है। अलीनगर थाना क्षेत्र के चकिया (भूपौली)गांव में शिवपूजन यादव व कैलाश यादव से जमीन संबंधी विवाद काफी समय से चल रहा है। इसको लेकर शुक्रवार को दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया। इसमें एक पक्ष की कैलाश यादव 40 वर्ष, पुत्र सुनील 12 वर्ष घायल हो गए।

इंडियन नेवी में 37 साल तक सेवा देने के बाद रिटायर्ड होकर घर लौटे लेफ्टिनेंट हरेंद्र

गाजे-बाजे के साथ लेफ्टिनेंट हरेंद्र पांडेय का किया स्वागत

- गाजीपुर स्थित तहसील जखनियां के ग्रामसभा तालगांव पहुंचने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल

केटी न्यूज / गाजीपुर

लेफ्टिनेंट पद से सेवानिवृत्त होकर अपने पैतृक गांव मोलनापुर उर्फ तालगांव पहुंचे हरेंद्र पांडेय का भव्य स्वागत किया गया। वह इंडियन नेवी में 37 वर्षों तक अपनी सेवा देकर रिटायर हो गए हैं। तालगांव निवासी हरेंद्र पांडेय के रिटायरमेंट के बाद अपने गृह जनपद आने की सूचना मिलते ही ग्रामीण खुशी से झूम उठे। गाजीपुर स्थित तहसील जखनियां के ग्रामसभा तालगांव पहुंचने पर सैनिक संस्थान के सैनिकों द्वारा व ग्राम सभा के लोगों ने फूलों की वर्षा की और बीच रास्ते से डीजे व गाजे-बाजे के साथ सलामी देते हुए फूल-मालाओं से लाद दिया। साथ में सैकड़ों लोग उनके घर पहुंचे। बताते चलें की श्री पांडेय जिनकी नियुक्ति इंडियन नेवी में 1987 में गोवा में हुई थी। अपने कार्यकाल के दौरान भारत की जानी-मानी चिलाक आईएनएस विराट मुंबई में सात वर्षों तक इन्होंने अपनी सेवा दी। कोचिन में ड्राइविंग एस्कॉर्ट नौसेना अस्पताल मुंबई इंस शक्ति विशाखापट्टनम में शिप बिल्डिंग सेंटर विराट जैसी भारत की शक्तिशाली नेवी शिप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। विक्रमादित्य कारवार कर्नाटक में तीन वर्ष की सेवा, सेंट्रल वायलेट इंस्ट्रक्टर जैसी यूनिट में उन्होंने पांच वर्षों तक अपनी सेवा दी है। इसी क्रम में 31 दिसंबर 2023 को इनको मुंबई से रिटायरमेंट मिला। बता दें कि श्री पांडेय के दो पुत्र में बड़े अमित कुमार पांडेय वह भी मर्चेंट नेवी में क्लास-2 के ऑफिसर हैं। जबकि दूसरे पुत्र अभिषेक कुमार सीनियर मैनेजर पद पर कार्यरत हैं। पत्नी मीरा पांडेय कुशल गृहिणी हैं। उनके परिवार के सभी लोग आज इस अवसर पर उपस्थित होकर श्री पांडेय का अभिवादन किया। आज इस अवसर पर मुख्य रूप से सैनिक सेवा संस्थान के जवान सहित आशुतोष पांडेय पिंकू, वायुनंदन पांडेय, सुरेंद्रनाथ पांडेय, डॉ. विजेंद्र नाथ पांडेय प्राचार्य इंटर कॉलेज भाला, साजन पांडेय पुंडरीक पांडेय ग्राम प्रधान, आदिउ उपस्थित थे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

ईश्वर से की गई प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है। - अब्दुल कलाम

नीट यूजी परीक्षा में हुए अरबों रुपए के घोटाले का पदार्फाश

मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस प्रवेश के लिए नीट परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी आयोजित करती है। इस परीक्षा के घोटाले का पदार्फाश, गुजरात, बिहार की पुलिस और सीबीआई के द्वारा कर दिया गया है। जिसमें अरबो रुपए के घोटाले का खुलासा होने जा रहा है। कई राज्यों के परीक्षार्थियों को नीट की परीक्षा में अच्छे नंबरों से पास कराने के लिये, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की मिली-भगत से अभी तक का सबसे बड़ा घोटाला है। केंद्र आवंटन, परीक्षार्थियों के नामांकन और दलालों के माध्यम से, परीक्षार्थियों को चुनिंदा परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए। सुनियोजित ढंग से जालसाजी करते हुए परीक्षाएं दिलवाई गईं। परीक्षार्थियों को 620 से 720 नंबर दिए गए। ताकि उनका एडमिशन एम्स और सरकारी अस्पतालों में प्राथमिकता के आधार पर हो सके। उड़ीसा, बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के परीक्षार्थियों का नामांकन गुजराती भाषा में कराकर उन्हें गुजरात का परीक्षा केंद्र दिया गया। जो अभ्यर्थी गुजरात के केंद्र में परीक्षा देने गए थे। उस परीक्षा केंद्र के प्रिंसिपल और परीक्षक को इस जालसाजी में सहयोगी बनाया गया। परीक्षार्थियों को पेपर बिना टिक किए हुए छोड़कर आने के लिए कहा गया। बाद में परीक्षा केंद्र के प्रिंसिपल और परीक्षक द्वारा केंद्र के बाहर प्रश्न पत्र लाकर उसमें टिक लगाए गये। वह एक तरह से सालवर की भूमिका में थे। परीक्षा के पेपर उसके बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के पास भेजे गए। गुजरात, बिहार की पुलिस और सीबीआई की प्रारंभिक जांच में इस गड़बड़ी के सबूत सामने आ चुके हैं। अन्य राज्यों के परीक्षार्थियों का स्थाई पता पंचमहल और बड़ोदरा का बताया गया था। इसी तरह की गड़बड़ी बिहार के पटना सेंटर में भी हुई है। गुजरात के गोधरा में सबसे पहले इस अपराध का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में गुजरात पुलिस ने अदालत को जो जानकारी प्रस्तुत की है, उसके अनुसार नीट के परीक्षार्थियों से दलालों ने 10 लाख रुपए नगद और ब्लैंक चेक लेकर उनकी परीक्षा दिलाने में मदद की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने के नाम पर 60 लाख रुपए से लेकर 1 करोड़ रुपए में सौदा किया गया था। 10 लाख नगद एडवांस के तौर पर लिए गए थे। बेयरर ब्लैंक चेक बिना तारीख के लिया गया था। गुजरात पुलिस ने जांच के दौरान चेक और नगद राशि जप्त की है। सीबीआई भी चार स्थानों पर तलाशी ले चुकी है। जिस तरह से एक दशक पहले मध्य प्रदेश में व्यापम घोटाले के माध्यम से अरबों रुपए का घोटाला किया गया था, ठीक उसी तर्ज पर नीट परीक्षा 2024 में भी बड़े स्तर पर घोटाला किया गया है। एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस बहुत कम होती है। नीट परीक्षा में अधिक नंबर पाने वाले छात्रों को एम्स और सरकारी कॉलेज में प्राथमिकता से प्रवेश मिलता है। इस घोटाले में कोचिंग सेंटर के संचालक, और दलालों द्वारा नीट परीक्षा देने वाले छात्रों के पालकों से संबध स्थापित किया गया था। उनके साथ एमबीबीएस में एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश दिलाने के लिये सौदा किया गया। ऐसे परीक्षार्थियों को विशेष परीक्षा केंद्रों से सुनयोजित रूप से परीक्षा दिलवाई गई। इस षड्यंत्र में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अधिकारी, परीक्षा कराने वाली एजेंसी की मिली-भगत से हजारों करोड़ों रुपए के नीट घोटाले का धीरे-धीरे पदार्फाश हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में 18 जुलाई को सुनवाई होनी है। जिस तरह से परीक्षाओं में पेपर लीक हो रहे हैं। परीक्षाओं के माध्यम से बड़े-बड़े घोटाले हो रहे हैं। नीट परीक्षा में इस बार लगभग 24 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे। भारत का यह सबसे बड़ा परीक्षा घोटाला है। सुप्रीम कोर्ट में 38 याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है, जिसमें परीक्षा निरस्त करने की मांग याचिका कताओं द्वारा की गई है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्त्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्त्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

बड़ी पुरानी है ड्रेस कोड की सियासत

- राकेश अचल

`देश के शिक्षण संस्थानों में ड्रेस कोड की सियासत बहुत पुरानी है। मध्यप्रदेश में डॉ मोहन यादव की सरकार ने भी एक बार फिर से ड्रेस कोड का राग अलापना शुरू कर दिया है। मुमकिन है कि मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में आने वाले दिनों में रंग-बिरंगी यूनिफार्म पहने छात्र-छात्राएं नहीं दिखाई दें और न ही कोई हिजाब या पगड़ी पहनकर कालेज आ सकेगा। सभी कालेजों में एकरूपता लाने के उद्देश्य से सरकार ड्रेसकोड लागू करने पर विचार कर रही है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का हवाला देकर उच्चशिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने उच्चशिक्षा विभाग को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि प्रधानमंत्री उत्कृष्टता महाविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों में ड्रेसकोड लागू करने की नीति और प्रस्ताव प्रस्तुत करें। ड्रेस कोड केवल शिक्षण संस्थाओं में ही नहीं बल्कि तमाम सैन्य और अर्ध सैन्य संगठनों ,में भी प्रमुखता से लागू होता है। अब तो समाजिक ही नहीं धार्मिक संगठनों तक ने अपने-अपने ड्रेस कोड बना रखे हैं। हमारे यहां प्राचीन गुरुकुलों में भी ड्रेस कोड लागू था। लेकिन आधुनिक संसार में ड्रेस कोड अंग्रेजों की देन है। शैक्षणिक संगठनों में ड्रेस कोड की प्रथा इंग्लैंड में 16वीं शताब्दी से शुरू हुई थी. तब छात्रों को

एक ड्रेस कोड दिया जाता था . जिसमें एक लंबा नीला कोट और पीला ट्राउजर और घुटने तक ऊंचे मोजे होते थे. वहां के चैरिटी स्कूलों में जहां अक्सर गरीब बच्चों के लिए यूनिफॉर्म स्कूल से दी जाती थी. स्कूल यूनिफॉर्म पहनने की प्रथा को कई अन्य देशों ने भी अपनाया हैं. ठीक इसी तरह भारत में भी बेसिक स्कूलों में एक ड्रेस कोड लागू किया गया. जो वर्ष 1852 में प्रभावी तौर पर उत्तर प्रदेश के 5 जिलों में लागू हुआ था। ड्रेस कोड को लेकर जब राजनीति होती है तब समस्याएं खड़ी होतीं है। ड्रेस कोड में हिन्दू-मुसलमान होने लगता है तब और ज्यादा समस्या होती है। ड्रेस कोड सरकारों का नहीं बल्कि शैक्षणिक संस्थानों का विषय होना चाहिए ,लेकिन देश में जब से साम्प्रदायिकता की राजनीति शुरू हुई है तभी से ड्रेस कोड विवादास्पद हो गया है । ड्रेस कोड लागू करने के पीछे धर्म विशेष के लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने की मंशा सबसे बड़ी समस्या है। मध्यप्रदेश सरकार के निर्णय के पीछे भी इसी तरह की मानसिकता की आहट सुनाई देती है। दरअसल देश के शैक्षणिक संस्थानों को ड्रेस कोड से ज्यादा जरूरत शैक्षणिक वातावरण में सुधर लाने की है ,लेकिन इस दिशा में कोई,कुछ करने को तैयार नहीं है । मध्यप्रदेश तो उन राज्यों में से है जहाँ शैक्षणिक संस्थानों का वातावरण सबसे ज्यादा दूषित है। मध्यप्रदेश में तो शैक्षिणक संस्थानों में शिक्षकों की हत्याएं तक हो चुकी हैं और आज के सत्तारूढ़ दल के प्रमुख ऐसे मामलों में आरोपी भी रह चुके हैं ,ये बात अलग है कि उन्हें बाद में अदालत ने बड़ी कर दिया। मै प्रोफेसर सबरबाल हत्याकांड की बात कर रहा हूँ। 2006 में उज्जैन के माधव कॉलेज के प्रोफेसर सब्बरवाल से छात्रसंघ चुनावों के दौरान कुछ लोगों ने मारपीट की थी, जिसके बाद उनकी की मौत हो गई थी। इस मामले में एबीवीपी के शशिरंजन अकेला प्रमुख आरोपी थे। ड्रेस कोड वैसे कोई बुरी बात नहीं है। ,लेकिन इसे जबरन थोपना बहुत बुरी बात है। ड्रेस कोड में उतनी शिथिलता दी जाना चाइये जितनी कि सेना में मिलती है। सेना में भारत में ही नहीं बल्कि इंग्लैंड,अमेरिका और कनाडा में भी इस बात की रियायत है कि लोग अपनी धार्मिक पहचान रखते हुए ड्रेस कोड का पालन करें । पुलिस में भी ये छूट है ,फिर शैक्षणिक संस्थानों में ये छूट देने में सियासत क्यों की जाती है ?,ये समझ से परे हैं। पिछले वर्षों में ड्रेस कोड को लेकर आपको कर्नाटक के दृश्य याद होंगे जहाँ कुछ हिन्दू संगठनों ने हिजाब पहनकर कालेज जाने वाली लड़कियों के साथ कितनी बदसलूकी की थी ? आप मुसलमानों के हिजाब ,सिखों की पगड़ी के रंग को ड्रेस कोड में शामिल कर सकते हैं लेकिन उन्हें प्रतिबंधित नहीं कर सकते। लेकिन मध्यप्रदेश में एक बार फिर कर्नाटक में हुई गलती का अनुशरण किया जा रहा है ,ये दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा संगठन और भाजपा की सिंगल और डबल इंजिन सरकारों की ये कमजोरी है कि वे हर क्षेत्र का भगवाकरण करना चाहतीं है। रेलों का रंग वे बदल चुके है। खिलाडियों की जर्सी में भगवा कहें या केसरिया रंग शामिल किया जा चुका है। और तो और सरकारी साइन बोर्डों और सरकारी विज्ञापनों का रंग भी भगवा किया जा चुका है। भगवा रंग हो या केसरिया रंग बुरा नहीं है किन्तु जिस मानसिकता से से इन रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा है वो घातक है। भाजपा को हरे रंग से चिढ है क्योंकि ये रंग मुस्लिमों को प्रिय है। मजे की बात ये है कि हरियाली के प्रतीक इस हरे रंग को भाजपा ने अपने झंडे में शामिल किया हुआ है। रंगों को साम्प्रदायिकता से मुक्त रखने की जरूरत है और ड्रेस कोड को भी। मप्र में भवन विहीन स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा है। प्रदेश में करीब 1 लाख 20 हजार सरकारी स्कूल हैं। मूलभूत सुविधाओं में मप्र के स्कूल 17वें स्थान पर मध्य प्रदेश के 67 हजार प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों में बिजली कनेक्शन तो 50 हजार में चारदीवारी नहीं है। 1900 स्कूलों का अपना भवन ही नहीं है। करीब 6 हजार स्कूल एक-दो कमरों में चल रहे हैं। इसका खुलासा मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने फरवरी में एक परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स में किया था। इसमें मप्र के स्कूलों को ग्रेड-2 में रखा गया था और मूलभूत सुविधाओं में देश में 17वें स्थान पर था। गोवा पहले, चंडीगढ़ दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर था।लेकिन जोर दिया जा रहा है ड्रेस कोड पर। मध्यप्रदेश में शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड लागू करने से ज्यादा जरूरी भवन विहीन शैक्षणिक संस्थानों को भवन,स्टाफ उपलब्ध करना है। सरकार इस दिशा में पहल करे तो उसका खुले दिल से स्वागत किया जाएगा ,लेकिन सरकार को स्वागतयोग्य कोई काम करना ही नहीं है। सरकार का खुला एजेंडा साम्प्रदायिकता के आधार पर निर्णय करना है। मप्र में भी उत्तर प्रदेश की नकल की जा रही है । मप्र ने ऊपर से बुलडोजर संस्कृति सीखी । मदरसों पर हमला करना ,उन्हें बंद करना या उनमें घुसपैठ करना भी उत्तर प्रदेश से सीखा है। जबकि मप्र को कुछ ऐसी पहल करना चाहिए कि दूसरे सूबे मध्यप्रदेश की नकल करें। मप्र के मुख्यमंत्री पढ़े -लिखे हैं। पीएचडी उपाधि धारक हैं। वे दूसरे मुख्यमंत्रियों की तरह बाबा नहीं हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे कुछ ऐसा करेंगे जो मप्र में उमा भारती,बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह नहीं कर पाए। ड्रेस कोड के मुद्दे पर मै अल्पसंख्यक नेताओं से ही कहना चाहूंगा कि वे सरकार के इस निर्णय पर अपनी प्रतिष्ठा दांव पर न लगाएं। कोशिश करें की ड्रेस कोड लागू करने में कोई अड़चन न हो।

लोगों के अंधविश्वास का फायदा उठाते फर्जी बाबा

- कुमार कृष्णन

भोले बाबा ने अपने अनुयायियों से कहा था कि वे उनके पैरों के नीचे की मिट्टी इकट्ठा करें क्योंकि इससे उनकी सारी बीमारियां ठीक हो जाएंगी और उनकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। यह त्रासदी है कि बाबा के चरणों की मिट्टी लेने के चक्कर में 121 बेकसूर लोग मारे गए।यह घटना उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में सिकंद्राराऊ क्षेत्र में हाल में एक सत्संग कार्यक्रम की है। इस घटना के सिलसिले में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग के जांच के दौरान गवाहों ने अपने वयान को दर्ज कराया है। इस सिलसिले में 34 लोगों वयान दर्ज किए गए हैं। इस घटना ने कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए हैं। आखिर आम आदमी ढोंगी बाबाओं, अज्ञान, अंधकार तथा अंधविश्वासों के चंगुल से कब मुक्त होगा? ऐसी घटनाओ के बाद ही इन बाबाओं के संगीन अपराधों की परतें खुलती हैं। सारा कुछ राजनीतिक व्यवस्थाओं की छत्रछाया में चलता है। धर्मो, पंथों, मतों तथा आस्था के नाम पर लोगों को उनकी जान की कीमत पर भीड़ इकट्ठा कर उनकी जान से खिलबाड़ करने का सिलसिला वदस्तूर जारी है। यह नहीं कहा जा सकता कि सभी बाबा ढोंगी तथा फरेबी होते हैं, लेकिन यह भी तल्ख सच्चाई है कि बहुत से लोग धर्म, मत तथा आस्था के नाम पर अपना धंधा चला रहे हैं। बहुत से लोग, गैर सरकारी संगठन मानव कल्याण के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं, परंतु सत्य यह भी है कि बहुत से मामलों में यह भी एक काला धंधा बन चुका है। अनेकों ढोंगी साधु तथा बाबा यौन शोषण, हत्याओं तथा संगीन अपराधों के मामलों में

जेलों की हवा खा रहे हैं। संगठन के माध्यम से किसी विचार, मत से तथा किसी लालच से अनुयायी बनाना अब आम बात हो गई है। बहुत से मामलों में लोग इन बाबाओं से गुमराह ही होते हैं। अशिक्षा,अज्ञान तथा अन्धविश्वास ही इसका मुख्य कारण है। हजारों तथा लाखों की भीड़ इकट्ठा कर अपना प्रभुत्व दिखाना, धन उगाही करना, अपने संगठन का शक्ति प्रदर्शन इसका मुख्य मकसद रहता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी अपना संगठन खड़ा कर सकता है, अपना विचार फैला सकता है तथा अपने अनुयायियों की फौज खड़ी कर कहीं भी सत्संग, समारोह तथा समागम आयोजित कर सकता है। इस सत्संग कार्यक्रम में प्रशासन से 80 हजार लोगों के शामिल होने की अनुमति ली गई, जबकि करीब अढ़ाई लाख श्रद्धालु कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कार्यक्रम के पश्चात भोले बाबा के नाम से मशहूर बाबा के चरणों की धूल प्राप्त करने तथा बाबा के निजी सुरक्षा कर्मियों द्वारा धक्के देने के फलस्वरूप भगदड़ मचने से 121 बेकसूर तथा नासमझ लोगों की जान चले जाना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। आश्चर्य तथा खेदजनक है कि इन मृतकों में 114 महिलाएं शामिल हैं। कुछ मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। बहुत से गंभीर रूप से घायल लोगों का आगरा, अलीगढ़ तथा हाथरस के अस्पतालों में ईलाज चल रहा है। मौत की ऐसी भयावह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। धर्मस्थलों में भीड़ इकट्ठी होने, भगदड़ मचने, धक्का-मुक्की होने, पुल टूट जाने, गाडि?ों की दुर्घटना होने, आयोजन स्थल पर आगजनी होने से टैंट तथा शामियाने जलने, शार्ट सर्किट होने जैसे कारणों से अनेकों हादसे हो चुके हैं। दुःखद यह है कि हर बार कुछ दिनों के अफसोस, पुलिस केस, जांच समिति गठित होने तथा न्यायालय के मुकद्दमों के अतिरिक्त हम कोई सीख नहीं ले पाए हैं। विडंवना है कि हमें अपने ऊपर विश्वास ही नहीं रहा, बाबाओं के चमत्कारों तथा आडंबरों के चक्कर में न जाने कितने बेकसूर लोग असमय मौत का शिकार हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस में कभी आरक्षक रहे सूरज पाल यादव को अचानक आध्यात्मिक ज्ञान हो गया। वर्ष 1997 में सूरज पाल ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद अपने घर को ही आश्रम का रूप देकर प्रवचन देने से अपना धंधा शुरू कर दिया। कुछ ही वर्षों में सूरज पाल भोले बाबा तथा चमत्कारी बाबा के नाम से प्रसिद्ध हो गए। सूरज पाल उर्फ ??भोले बाबा का यौन उत्पीड़न के आरोपों सहित कानूनी परेशानियों का भी इतिहास रहा है। आगरा, इटावा, कासगंज, फरुर्खाबाद और राजस्थान सहित विभिन्न न्यायालयों में उनके खिलाफ कथित तौर पर कई मामले दर्ज किए गए हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा तथा पंजाब आदि राज्यों में अनेकों भक्तों के बाबा बन गए। भोले बाबा के लिए सत्संग में लोग अपनी परेशानियां लेकर आने लगे, हाथ से छूकर भी बीमारियां दूर होने का चमत्कार होने लगा। बाबा की बाजार बनती रहा। चमत्कार को नमस्कार होने लगा। हैरानी की बात है कि न केवल आम आदमी बल्कि प्रसिद्ध व्यवसायी, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, फिल्मी सितारे तथा वीवीआईपी लोग भी लाभ लेने के लिए इन बाबाओं के चक्कर में रहते हैं। इनके प्रभाव और अंधविश्वास में जकड़े आम व्यक्ति इस प्रकार के हादसों का शिकार हो जाते हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। सवाल यह है कि हम कब तक अशिक्षा, अज्ञान तथा अंधविश्वास के प्रभाव में रहेंगे? कब तक ये बाबा लोग सामान्य जन की भावनाओं से खिलवाड़ कर अपना धंधा चलाते रहेंगे? कब तक प्रशासन, व्यवस्थाएं तथा सरकारें बेफिक्र होकर सोई रहेंगी? कब तक समाज वास्तव में शिक्षित तथा जागरूक होगा? ऐसी घटना घटित होने के बाद कुछ दिनों तक आंखें खुली रहने के पश्चात हम फिर से ऐसी घटनाओं के लिए तैयार हो जाते हैं। बहरहाल, अब सूरज पाल सिंह उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा, सत्संग कार्यक्रम के आयोजक देव प्रकाश माथुर तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 110, 126, 223 तथा 238 के तहत मामला दर्ज हो चुका है और इसके बाद गिरफ्तारी, जांच-पड़ताल, आपराधिक मामले, न्यायालय के मुकदमों के पश्चात फिर कोई सबक न लेकर किसी और समय तथा स्थान पर इस प्रकार की किसी मिलती-जुलती घटना के लिए तैयार हो जाएंगे। यह दुःखद घटनाक्रम निरंतर तथा अनवरत रूप से चल रहा है।

सरकारी अमले पर बढ़ते हमले और मजबूर पुलिसिया निजाम...

- चैतन्य भट्ट

पिछले हफ्ते की खबर है। गुना में 30-35 लोगों ने पुलिस चौकी पर हमला किया, मारपीट और तोड़फोड़ की और पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए गए आदमी जीसी को छुड़ा ले गए। एएसआई और सिपाही ने किसी तरह भाग कर ज्ञान बचाई। यह उस पुलिसिया निजाम की मौजूदा तस्वीर है जो सुरक्षा का पर्याय माना जाता है और जिस पर कभी दुर्दांत से दुर्दांत अपराधी भी हाथ उठाने से कांपता था। सरकारी अमले पर हमले की यह घटना नहीं नहीं है। पिछले साल ऐसी 70 से ज्यादा घटनाएं हुई थीं और इस साल भी आंकड़ा दहाई में है। दूरदराज इलाकों ही नहीं जिला मुख्यालयों समेत राजधानी भोपाल में भी ऐसे मामले हुए हैं। पटवारी , तहसीलदार, सब इंजीनियर जैसे कर्मचारी छोड़िए, वरिष्ठ अधिकारी भी शिकार बने हैं। आखिर अपराधियों के इस दुस्साहस की वजह क्या है? गोस्वामी तुलसीदास कह गए हैं : भय बिनु होई न प्रीति गुसाईं। दुनिया की कोई व्यवस्था हो, संख्या बल के दम पर कानून का राज्य स्थापित नहीं कर सकती। कानून का भय ही है जो अपराध रोकता है। और लगता है कि वह भय खत्म हो गया है। और इसका सबसे बड़ा कारण है, भृष्ट नेता, नौकरशाही और अपराधियों से बनने वाली त्रयी जिसने जमीन, खनन, शराब और सरकारी ठेकों जैसे रातों रात करोड़पति बनाने वाले मलाईदार धंधों पर साम्राज्य जमा लिया है। अपराधी जानते हैं कि ऊपर बैठे ताकतवर लोग उनका कुछ नहीं बिगड़ने देंगे और अदालतों में अव्वल तो गवाह नहीं मिलेंगे और मिले भी तो महंगे वकील उन्हें साफ बचा लेंगे। ऐसा नहीं है कि सरकारी अमले को कानूनी सुरक्षा उपलब्ध नहीं है। धारा 354 , 504 , 506 , 332 , 383, 384, 386 के अनुसार काम में रुकावट, वाद विवाद, सरकारी कर्मचारियों पर अपशब्दों के प्रयोग, धमकी, अवैध वसूली, ब्लैकमेल,मारपीट जैसे मामलों में दो से 10 साल तक के सश्रम कारावास की सजा हो सकती है। अनधिकृत व्यक्तियों का जमावड़ा लगाकर जबरदस्ती कार्यलय प्रवेश, सरकारी संपत्ति को नुकसान, गड़बड़ी, बल एवं हिंसा का प्रयोग जैसे मामलों में धारा 420,378,379,141,143,146, 148,150 के तहत 6 माह से 3 साल सश्रम कारावास की सजा के प्रावधान हैं। राजनीतिक दबाव और अपराधी तत्वों के भय के चलते सरकारी अमला शिकायत दर्ज कराने से परहेज करता है और मामले बातचीत और राजनीतिक मध्यस्थता के दम पर निपटा दिए जाते हैं जो अंततः अपराधी तत्वों का दुस्साहस बढ़ाता है। एक जमाना था कि नेता अपराधी छवि के व्यक्ति का साथ तो छोड़िए, उसके साथ दिखने से भी परहेज करते थे। अब जमाना अलग है।

आज का राशिफल

मेष आज लाभ का दिन है। भाग्य आज आपका साथ देगा और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

तुला आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको व्यापारिक साझेदारी और संबंधों में लाभ होगा।

वृषभ आज लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी और किस्मत का साथ मिलेगा।

वृश्चिक आज दिन लाभ और सफलता से भरा होगा और आपको हर मामले में मिलाजुला लाभ होगा।

मिथुन आज करियर के मामले में दिन सफलता से भरा होगा और आपको आर्थिक लाभ

धनु आज लाभ का दिन है। सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है।

कर्क परिवार के साथ संबंध पहले से बेहतर होंगे और ऑफिस में आपको काम करने का मौका मिलेगा।

मकर आज कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और ऑफिस में आपके काम की लोग सराहना करेंगे।

सिंह आज लाभ होगा और भाग्य आपका साथ देगा। आपकी सेहत अच्छी होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे।

कुंभ आज करियर में लाभ होगा और आपको सम्मान की प्राप्ति होगी। अन्तर्मन की पुकार को सुनें।

कन्या दिन लाभ से भरा होगा। सहकर्मियों के सहयोग से आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे।

मीन धन सम्मान में वृद्धि होगी। ऑफिस में या घर पर कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

विशेष

जल्द राज्यसभा में दिखेंगे मनु सिंघवी

सुप्रीम कोर्ट के जाने-माने वकील और राज्यसभा के पूर्व सांसद राज्यसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इस समय वह विपक्ष के लिए संकट मोचक बने हुए हैं। जल्द ही उन्हें राज्यसभा में भेजने के लिए कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल भी मदद करने के लिए तैयार हैं। जिस तरह से हिमाचल में अभिषेक मनु सिंघवी को हराने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने लोटस अभियान चलाया था। अभिषेक मनु सिंघवी उसका हर हालत में भाजपा को उसका पुरजोर जवाब देना चाहते हैं। लग रहा है,जल्द ही उनकी यह आशा पूरी होने जा रही है।

एलजी और दिल्ली सरकार के मंत्रियों का झगड़ा

दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार के मंत्रियों का रिश्ता आपस में सौतन की तरह है। सत्ता के लिए दोनों एक दूसरे से झगड़ने के लिए तैयार बैठे रहते हैं। एलजी बहुत पावरफुल है। उन्हें केंद्र सरकार का ब्लाइंड समर्थन है। ईडी, सीबीआई और आयकर की ताकत एलजी के साथ है। दिल्ली की पुलिस भी उनके साथ है। वहीं आम आदमी पार्टी की तीसरी बार सरकार बनी है। हर परिस्थिति में वह लड़ना जानती है। उपराज्यपाल ने हाल ही में 5000 शिक्षकों के ट्रांसफर किये थे। उसके तुरंत बाद शिक्षा मंत्री आतिशी ने शिक्षकों के ट्रांसफर पर उपराज्यपाल से ही रोक लगवाई। अब इसका श्रेय भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों ही ले रहे हैं। दिल्ली की जनता भी समझ नहीं पाती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1837: महारानी विक्टोरिया ने बकिंघम पैलेस में रहना शुरू किया. 1979: ब्रिटिश विमान आर 34 अटलांटिक के चारों ओर चक्कर लगाकर नोरफोक (इंग्लैंड) वापस लौटा. 1929 क्रांतिकारी जतीन्द्र नाथ दास ने भूख हड़ताल शुरू की जो 63 दिन तक चली. 1930: प्रथम विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता मांटेवीडियो (उरुग्वे) में 43 टीमों के साथ शुरू हुई. 1943: इतिहास का सबसे बड़ा टैंक युद्ध मास्को के दक्षिण में समाप्त हुआ जिसमें 2900 टैंक नष्ट हुए और 2,30,000 सैनिक मारे गए. 1944: रूसी सेना ने विलना (लिथुआनिया) पर कब्जा किया. 1955: ब्रिटेन में रूथ एलिस को 'फांसी दी गई, उसके बाद किसी भी महिला को यह सजा नहीं दी गई. 1960: जॉन एफ केनेडी को डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमरीकी राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया.

दैनिक पंचांग

13 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.40 बजे से
चंद्र	कन्या में	सिंह	07.57 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.09 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.19 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.34 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	16.50 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	18.55 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.42 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.14 बजे से
राहुकाल		मेष	23.45 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		वृष	01.25 बजे से
		मिथुन	03.23 बजे से

शनिवार 2024 वर्ष का 195 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 15.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 19.15 बजे को समाप्त।
योग शिव अहोरात्र।
करण वणिज 15.06 बजे तदनन्तर विष्टि 04.19 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 7.0 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872039
जूलियन दिन 2460504.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना मोहर्रम
तारीख 06
विशेष वैवस्वत पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

चातुर्मास के दिनों में क्या करें क्या न करें

चार महीनों का चातुर्मास न केवल स्वास्थ्य रक्षा बल्कि भक्ति, ज्ञान के संचय के लिए अति महत्वपूर्ण समय अवधि है। धर्मशास्त्रों के अनुसार चातुर्मास के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, आइए जानते हैं। चातुर्मास का प्रारम्भ आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी से प्रारम्भ होकर कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तक प्रभावी रहता है, इस बीच श्रावण, भाद्रपद, आश्विन मास भी आता है। चातुर्मास व्रत के नियमों का पालन – चातुर्मास में व्रत के साथ-साथ कुछ नियमों का पालन करना चाहिए –

- चार मासों तक व्रती को कुछ खाद्य पदार्थ त्यागने चाहिए, इस संबंध में सिद्धांत यह है कि स्वास्थ्य रक्षा के लिए श्रावण मास में शाक, भाद्रपद में दही, आश्विन मास में दूध और कार्तिक मास में दालों का सेवन यथा संभव कम से कम अथवा नहीं करना चाहिए।
- चातुर्मास्य का व्रत करने वाले को शय्या-शयन, मांस, मधु आदि का त्याग करना चाहिए। उसे जमीन पर शयन करना चाहिए, पूर्णतः शाकाहारी रहना चाहिए तथा मधु आदि रसदार वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए।
- गुड़, तेल, दूध, दही, बैंगन, शाकपत्र आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। उक्त खाद्य पदार्थों के त्याग का शास्त्रों में निम्नलिखित फल कहे गए हैं। गुड़ त्याग से मधुर स्वर प्राप्त होता है। तेल त्याग से पुत्र- पौत्र आदि की प्राप्ति होती है और अंग-प्रत्यंग सुंदर हो जाते हैं। कड़वा तेल त्याग से शत्रु का नाश होता है। घृत त्याग से सौंदर्य मिलता है। शाक त्याग से बुद्धि एवं संतान प्राप्त होते हैं। शाक एवं पत्रों के त्याग से पकवान की प्राप्ति होती है। दधि-दुग्ध त्याग से वंश वृद्धि होती है तथा व्रती गौओं के लोक में जाता है। चातुर्मास्य में जो व्यक्ति उपवास करते हुए नमक का त्याग करता है, उसके सभी कार्य सफल होते हैं।
- चातुर्मास्य में व्रत का विशेष महत्व है, धर्म शास्त्रों में व्रत के भिन्न-भिन्न स्वरूप बताए गए हैं, जैसे, दिन में एक बार भोजन करना, दिन में एक बार फलाहारी भोजन करना, योगिजन एवं महात्माओं द्वारा दो दिन में एक बार भोजन करना, तीन रात उपवास करके चौथे दिन भोजन करना, पाँच रात उपवास करकेचातुर्मास के दिनों में क्या करें क्या न करेंछठे दिन भोजन करना इत्यादि करने का शास्त्रों में वर्णन प्राप्त होता है।

चातुर्मास व्रत उद्यापन

चातुर्मास्य के व्रत पूर्ण होने पर व्रती को ब्राह्मणों को निमंत्रित कर भोजन कराना चाहिए। उन्हें दक्षिणा देकर यह प्रार्थना करनी चाहिए, हे प्रभु! आपको प्रसन्न करने के लिए मेरे द्वारा यह व्रत लिया गया था, हे जनार्दन! जो भी दोष हो, उसे क्षमा कर अपनी कृपा से मेरे सभी कार्य पूर्ण हों।''

5 शुभ संयोग में है देवशयनी एकादशी, 4 माह तक शयन करेंगे भगवान विष्णु, जानें मुहूर्त, व्रत पारण समय

देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है. देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु योग निद्रा में 4 माह के लिए चले जाते हैं. तब से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है, जो चार माह तक रहता है. चातुर्मास में सभी देव सो जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में आ जाता है. इस बार देवशयनी एकादशी के दिन 4 शुभ योग बन रहे हैं. देवशयनी एकादशी पर व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा करते हैं. उनकी कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है, पाप नष्ट होते हैं.

इस साल देवशयनी एकादशी का व्रत 17 जुलाई दिन बुधवार को रखा जाएगा. आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी होती है. उस दिन व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं. इस बार देवशयनी एकादशी पर 5 शुभ संयोग बन रहे हैं. देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु 4 माह के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं. सामान्य बोलचाल की भाषा में आपने लोगों से सुना होगा कि भगवान विष्णु शयन करने चले गए या देवता सो गए हैं. उस दिन से ही चातुर्मास का प्रारंभ होता है. देवशयनी एकादशी से देवउठनी एकादशी तक का समय चातुर्मास में आता है. तब तक कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं. देवशयनी एकादशी पर 5 शुभ संयोग बन रहे हैं?

देवशयनी एकादशी पर बन रहे 5 शुभ संयोग

इस बार देवशयनी एकादशी के दिन शुभ योग, शुक्ल योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग के साथ अनुराधा नक्षत्र का सुंदर संयोग बना है.

- **शुभ योग** – प्रातःकाल से लेकर सुबह 07.05 ए एम तक
- **शुक्ल योग** – सुबह 07.05 ए एम से 18 जुलाई को 06.13 ए एम तक
- **सर्वार्थ सिद्धि योग** – सुबह 05.34 ए एम से 18 जुलाई को 03.13 ए एम तक
- **अमृत सिद्धि योग** – सुबह 05.34 बजे से 18 जुलाई को तड़के 03.13 बजे तक
- **अनुराधा नक्षत्र** – प्रातःकाल से लेकर 18 जुलाई को 03.13 ए एम तक

देवशयनी एकादशी मुहूर्त और पारण समय

आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि का शुभारंभ – 16 जुलाई, मंगलवार, रात 08 बजकर 33 मिनट से
आषाढ़ शुक्ल एकादशी तिथि का समापन – 17 जुलाई, बुधवार, रात 09 बजकर 02 मिनट पर
विष्णु पूजा का शुभ मुहूर्त – प्रातः 05.34 ए एम से
देवशयनी एकादशी पारण समय – 18 जुलाई, प्रातः 05.35 ए एम से 08.20 ए एम के बीच
पारण के दिन द्वादशी का समापन – रात 08 बजकर 44 मिनट पर

देवशयनी एकादशी के व्रत के नियम

- नए कपड़े पहनना चाहिए. उसके बाद हाथ में जल लेकर देवशयनी एकादशी व्रत और विष्णु पूजा का संकल्प करना चाहिए.
- एकादशी व्रत के समय में आपको ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करना है. पूरे दिन फलाहार और जल पर रहना है. अन्न का सेवन वर्जित है.
- एकादशी के दिन सर्फ, साबुन, तेल का उपयोग, तामसिक वस्तुओं का सेवन, बाल, दाढ़ी और नाखून काटना वर्जित है.
- देवशयनी एकादशी पर आप घर में झाड़ू न लगाएं. कहा जाता है कि व्रती को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उसके हाथों किसी जीव को पीड़ा न हो. झाड़ू लगाते समय छोटे जीवों को हानि पहुंच सकती है, इसलिए एकादशी पर झाड़ू लगाना वर्जित है.
- एकादशी के दिन भूलकर भी तुलसी के पत्ते न तोड़ें. किसी भी प्रकार से तुलसी, केला, पीपल, नीम, बरगद आदि देव वृक्षों को हानि न पहुंचाएं.
- देवशयनी एकादशी की पूजा विधि विधान से करें. पूजा के समय देवशयनी एकादशी की कथा जरूर सुनें. पूजा के बाद अपनी क्षमता के अनुसार दान करें.

बेहद खास है देवशयनी एकादशी, जानें क्या करें और क्या न करें?

आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी 17 जुलाई 2024 को है। मान्यता है कि इस दिन इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं और कार्तिक माह में पड़ने वाली देवउठनी एकादशी पर जागृत होते हैं। माना जाता है कि देवशयनी एकादशी पर कुछ कार्यों को करने से श्री हरि नाराज होते हैं। आइए जानते हैं कि देवशयनी एकादशी व्रत से संबंधित नियम के बारे में।

हर महीने के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति के लिए व्रत भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी व्रत करने से साधक के जन्म-जन्मांतर में किए सभी पाप कट जाते हैं। आषाढ़ माह में देवशयनी एकादशी व्रत किया जाता है। इस दिन नियमों पालन जरूर करना चाहिए।

देवशयनी एकादशी पर क्या करें?

- इस दिन सुबह स्नान करने के बाद पीले वस्त्र धारण करने चाहिए, क्योंकि प्रभु को पीला रंग प्रिय है।
- भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए।
- एकादशी व्रत का संकल्प लेना चाहिए।
- इसके अलावा धन, अनाज और वस्त्र का दान करना चाहिए।
- प्रभु के भोग में तुलसी के पत्ते को अवश्य शामिल करना चाहिए।

देवशयनी एकादशी पर क्या न करें?

- देवशयनी एकादशी के दिन तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए।
- इसके अलावा चावल के सेवन से दूर रहें।
- एकादशी तिथि पर महिला और बड़े बुजुर्गों का अपमान न करें।
- एकादशी पर तुलसी के पत्ते तोड़ना वर्जित है।
- किसी के प्रति मन में गलत विचार धारण न करें।
- कब है देवशयनी एकादशी 2024

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 16 जुलाई 2024 को रात्रि 08 बजकर 33 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं इसका समापन 17 जुलाई को रात 09 बजकर 02 मिनट पर होगा। ऐसे में इस वर्ष देवशयनी एकादशी 17 जुलाई 2024, बुधवार के दिन मनाई जाएगी।

देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु को चढ़ाएं ये 3 फूल

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी का व्रत बेहद पुण्यदायी माना जाता है। यह आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को रखा जाता है। इस साल यह 17 जुलाई, 2024 दिन बुधवार को रखा जाएगा। ऐसी मान्यता है कि इस तिथि पर उपवास रखने से सभी पापों का नाश होता है। इसके साथ ही घर में देवी लक्ष्मी का आगमन होता है। जो साधक जीवन में विभिन्न प्रकार की समस्याओं से घिरे हुए हैं, उन्हें यह व्रत जरूर रखना चाहिए। इसके साथ ही इस शुभ अवसर पर भगवान विष्णु को कुछ विशेष फूलों को अर्पित करना शुभ माना जाता है, तो आइए उनके बारे में जानते हैं –

कमल का फूल – देवशयनी एकादशी के दिन श्री हरि को कमल के फूल चढ़ाएं। इससे जीवन में खुशहाली आती है। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। अगर आप भगवान विष्णु को प्रसन्न करने की कामना रखते हैं, तो आपको इस मौके पर उन्हें कमल का फूल अवश्य अर्पित करना चाहिए।

शंखपुष्पी का फूल – भगवान विष्णु को शंखपुष्पी के फूल बेहद प्रिय हैं। ऐसे में देवशयनी एकादशी के शुभ अवसर पर उन्हें यह फूल जरूर अर्पित करें। शंखपुष्पी का फूल चढ़ाने से जीवन की बाधाओं का अंत होता है। साथ ही घर में बरकत बनी रहती है।

गेंदा का फूल – भगवान श्री हरि विष्णु को गेंदा का फूल अर्पित करना बहुत फलदायी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन उन्हें गेंदा के फूलों की माला जरूर अर्पित करनी चाहिए। इससे जीवन में भक्ति, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

देवशयनी एकादशी के दिन शास्त्रों में लिखी इन बातों को मानने से सुधरता है भाग्य

देवशयनी एकादशी यानि वो तिथि जिस दिन भगवान विष्णु सो जाते हैं. देवों के सो जाने के बाद 4 माह तक मांगलिक कार्य पर पाबंदी लग जाती है. इसे चातुर्मास कहा जाता है. मान्यताओं के अनुसार देवशयनी एकादशी का व्रत करने से कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है. इस साल देवशयनी एकादशी 17 जुलाई 2024 को है. आइए जानते हैं देवशयनी एकादशी पर क्या करना चाहिए, इस दिन का उपाय.
देवशयनी एकादशी पर क्या करें

ऐसे करें अभिषेक – अगर घर में सुख समृद्धि चाहते हैं तो देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का दक्षिणावर्ती शंख में जल और केसर डालकर जलाभिषेक करें. इससे भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी का भी आशीर्वाद मिलता है और आपके घर में बरकत आती है.

सिक्के का उपाय – देवशयनी एकादशी की रात को एक रुपये का सिक्का भगवान विष्णु की तस्वीर के पास रख दें, रात भर यह सिक्का वहीं रहने दें. अगले दिन सुबह यह सिक्का लाल कपड़े में बांधकर अपने धन स्थान या तिजोरी में रख दें. मान्यता है इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और धन की कभी कमी नहीं होती.

तुलसी पूजा – दांपत्य जीवन में खुशियां पाने के लिए देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी के पौधे के पास देशी घी का दीपक जलाकर आरती करें और लाल चुनरी अर्पित करें. ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का जाप करते हुए 11 बार परिक्रमा करें. इस उपाय से पति-पत्नी के रिश्ते मजबूत होते हैं.

चातुर्मास में क्यों रहती है मांगलिक कार्यों पर रोक

सनातन धर्म के ज्यादातर लोग कोई भी शुभ कार्य करने से पहले मुहूर्त जरूर देखते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शुभ मुहूर्त में किए गए कार्यों का फल हमेशा शुभ ही मिलता है। हालांकि साल में चार महीने ऐसे भी होते हैं, जब कोई भी शुभ व मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है, जिसे चातुर्मास कहा जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि इस साल चातुर्मास का आरंभ और समापन कब हो रहा है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार 17 जुलाई 2024 को देवशयनी एकादशी है। इस दिन से ही चातुर्मास का आरंभ हो रहा है, जिसका समापन 12 नवंबर 2024 को होगा।

चातुर्मास में क्यों कोई मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, चातुर्मास में भगवान विष्णु शयन काल में चले जाते हैं यानी इस समय वह अपनी आंखें बंद करके ध्यान लगाते हैं। लगभग चार महीने के बाद वो योग निद्रा से जागते हैं। इसी वजह से इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं किया जाता है। हालांकि इस समय पूजा-पाठ करना शुभ होता है। कहा जाता है कि जो लोग इन चार महीनों के दौरान देवी-देवताओं की पूजा करते हैं। उनकी सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही उनके घर में सुख और शांति बनी रहती है।

चातुर्मास में कौन-कौन से कार्य नहीं करने चाहिए?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, चातुर्मास के दौरान किसी भी प्रकार का शुभ कार्य जैसे की शादी, सगाई, गृह प्रवेश, नामकरण आदि नहीं किए जाते हैं। 4 महीने तक प्याज और लहसुन आदि तामसिक भोजन करने की भी मनाही होती है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति शराब का सेवन करता है, तो उसकी कुंडली में ग्रह प्रभावित हो सकते हैं।

इन कार्यों की है मनाही

चातुर्मास के दौरान विवाह संस्कार, मुंडन, गृह प्रवेश आदि शुभ व मांगिलक कार्यक्रम नहीं किए जाते। इस दौरान बाल या दाढ़ी कटवाने की मनाही होती है। इसके साथ ही यह भी माना जाता है कि चातुर्मास के दौरान लंबी यात्राओं पर जाने से भी बचना चाहिए।

खानपान संबंधी नियम

चातुर्मास के दौरान जितना संभव हो सके, सात्विक भोजन ही करना चाहिए। इस समय में मांस, मछली, अंडे, प्याज और लहसुन जैसा तामसिक भोजन करने से बचना चाहिए। क्योंकि यह सेहत और धार्मिक दोनों ही दृष्टि से बेहतर माना गया है।

करें ये काम

अगर आप चातुर्मास में धार्मिक ग्रंथों को पढ़ते हैं या फिर अपना अधिकांश समय धार्मिक कार्यों में बिताते हैं तो इससे प्रभु श्री हरि आपसे प्रसन्न होते हैं। जिससे साधक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही यह भी माना जाता है कि चातुर्मास में जमीन पर सोना और अधिकतर समय मौन रहना लाभदायक होता है।

बजट में आ सकती है ई-बैंक गारंटी, टैक्स चोरी पर लगाम लगाने पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार सीमा शुल्क से जुड़ी असमानताएं दूर करने के लिए आम बजट में सीमा शुल्क नियमों में कई बदलाव करने का प्रस्ताव रख सकती है। इसका मकसद कुछ खास छूट जारी रखना और अनुपालन बढ़ाना भी होगा। मामले पर चल रही चर्चा की जानकारी रखने वाले दो अधिकारियों ने बताया कि देश में विनिर्माण को बढ़ावा देने, झंझट के बगैर उचित अनुपालन पक्का करने और कर चोरी पर लगाम कसने के लिए सीमा शुल्क में कुछ जरूरी उपायों पर विचार-विमर्श किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने संकेत दिया कि केंद्र राजस्व चोरी पर लगाम कसने के इरादे से आयातकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी या ई-बैंक गारंटी शुरू करने की योजना बना रहा है। कुछ वस्तुओं पर शुल्क माफी जारी रखने और देसी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए चिकित्सा उपकरण तथा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी कुछ वस्तुओं पर सीमा शुल्क की दरें बदलने की भी योजना है। शुल्क वापस यानी रिफंड करने की प्रक्रिया तथा शुल्कों की विनिमय दरों की सूचना देने में लगने वाला समय कम करने से जुड़े उपायों पर भी बात की गई है।

यदि सीमा शुल्क की रकम में अंतर होता है तो जो रकम जमा की जानी चाहिए उसके बराबर बैंक गारंटी अधिकारी मांगते हैं। गारंटी मिलने पर ही खेप को अस्थायी तौर पर मंजूरी दी जाती है। एक अधिकारी ने कहा कि फिलहाल कागजी बैंक गारंटी का ज्यादा इस्तेमाल होता है, जिस पर नजर रखना अधिकारियों के लिए चुनौती भरा होता है। इस वजह से सरकार को राजस्व में तगड़ा चूना लग जाता है।

अधिकारी ने समझाया, 'अगर किसी व्यापारी से घटी हुई दर पर शुल्क लिया गया और बाद में पता चला कि असल में ज्यादा शुल्क लिया जाना था तो उसे सरकार को रकम देनी होती है। कागजी बैंक गारंटी के कारण यह रकम अक्सर डूब जाती है और सीमा शुल्क अधिकारी इसकी वसूली नहीं कर पाते।' आयातकों के लिए भी बैंक गारंटी पाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि बैंक अवधि, आयातक की जोखिम रेटिंग और रकम आदि के हिसाब से बैंक गारंटी जारी करने के लिए प्रोसेसिंग शुल्क लेते हैं।

इस बारे में जानकारी पाने के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को ईमेल भेजा गया। लेकिन खबर लिखने तक उसका कोई जवाब नहीं आया। यह कदम अधिकारियों को हो रही कई तरह की दिक्कतों के बाद उठाया जा रहा है। इनमें बैंक गारंटी एक्सपायर होना, गलत फॉर्मैट में गारंटी आना, उसमें जरूरी शर्तें नहीं होना, बैंक गारंटी रद्द होने का आदेश बैंक तक नहीं पहुंचना या आयातक द्वारा शर्तें तोड़े जाने पर भी इसका इस्तेमाल नहीं हो पाने जैसी दिक्कतें शामिल हैं।

सीबीआईसी ने सीमा शुल्क अधिकारियों को कई निर्देश जारी कर यह जांचने के लिए कहा है कि बैंक गारंटी असली है या नहीं। साथ ही बैंक गारंटी का रिकॉर्ड रखने के लिए भी कहा गया है ताकि राजस्व की चोरी न हो पाए।

संक्षिप्त समाचार

एनर्जी शेयर को खरीदने टूटे निवेशक, 850 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड के शेयर शुक्रवार, 12 जुलाई को नई ऊंचाई पर पहुंच गए। इरेडा के शेयर की कीमत बीएसई पर इंट्राडे कारोबार में 7 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद पहली बार 300 रुपये के स्तर को पार कर 304.60 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंच गई। बता दें कि इरेडा के शेयर में लगातार तेजी देखी जा रही है। कंपनी के शेयर पिछले 5 दिन में 25 प्रतिशततक चढ़ गए। इरेडा के शेयरों में तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, कंपनी के बोर्ड मेंबर 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा करने के लिए आज बैठक करने वाले हैं। इरेडा का स्टॉक 4 जून को अपने पिछले महीने के निचले स्तर 154 रुपये से 97 प्रतिशत बढ़ गया है। इरेडा का शेयर प्राइस इसके इश्यू प्राइस 32 रुपये प्रति शेयर के मुकाबले 850 प्रतिशत बढ़ गया है। कंपनी के शेयर 29 नवंबर, 2023 को शेयर बाजार में लिस्ट हुए थे। बता दें कि इरेडा ने हाल ही में कहा कि उसने ने वित्त वर्ष 2023-24 में 37,354 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया और 25,089 करोड़ रुपये का वितरण किया। इरेडा के बयान के अनुसार कंपनी की 37वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में सीएमडी ने यह भी कहा कि मार्च तिमाही के अंत में नेटवर्थ 8,559 करोड़ रुपये था। दास ने कहा, ''इरेडा ने वित्तवर्ष 2024 में 37,354 करोड़ रुपये की अपनी अब तक की सबसे अधिक कर्ज मंजूरी और 25,089 करोड़ रुपये ऋण का वितरण किया।''नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली इरेडा एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। दास ने सतत वृद्धि के लिए कारोबार विकास, कर्ज को अनुकूलतम स्तर पर लाने और परिचालन मॉडल को सुव्यवस्थित करने की बात कही। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहन, एथनॉल, हरित हाइड्रोजन जैसे उभरते क्षेत्रों में कारोबार बढ़ाने के महत्व का भी जिक्र किया।

किफायती आवास की आपूर्ति अप्रैल-जून में 21 प्रतिशत घटी : जेएलएल इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सात प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून में 50 लाख रुपए से कम कीमत वाले किफायती आवास की आपूर्ति में 21 प्रतिशत की गिरावट आई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया के अनुसार बिल्डरों के अधिक प्रीमियम फ्लैट पेश करने की वजह से किफायती अपार्टमेंट की आपूर्ति में गिरावट आई है। जेएलएल इंडिया द्वारा शुक्रवार को जारी प्रमुख सात शहरों के आवासीय बाजार के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2024 में अपार्टमेंट की नई आपूर्ति पांच प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,59,455 इकाई रही जो एक साल पहले समान अवधि में 151,207 इकाई थी। आंकड़ों में केवल अपार्टमेंट शामिल हैं। रोहाउस, विला और प्लॉटेड डेवलपमेंट को विश्लेषण से बाहर रखा गया है। अप्रैल-जून तिमाही में कुल नई आपूर्ति में से किफायती फ्लैट की पेशकश 13,277 इकाई रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की 16,728 इकाई से 21 प्रतिशत कम है।

डिफेंस कंपनी के शेयर पर टूटे निवेशक, विदेश से मिला बड़ा ऑर्डर, सचिन तेंदुलकर के पास भी 4 लाख शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस और रक्षा कारोबार आजाद इंजीनियरिंग के शेयर आज शुक्रवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर में 5 प्रतिशतका अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयर 1779.75 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी ने कहा है कि उसे एक इंटरनेशनल ऑर्डर मिला है। आजाद इंजीनियरिंग को सीमेंस एनर्जी ग्लोबल जीएमबीएच एंड कंपनी केजी, जर्मनी से बड़ा ऑर्डर मिला है।

आजाद इंजीनियरिंग को सीमेंस एनर्जी ग्लोबल जीएमबीएच एंड कंपनी केजी, जर्मनी से 5 साल का इंटरनेशनल ऑर्डर मिला है। यह एडवांस गैस और उनकी ग्लोबल डिमांड्स के लिए महत्वपूर्ण रोटेशन कंपोनेंट्स का निर्माण और सप्लाई करता है।

बता दें कि दिसंबर 2023 के अंत में लिस्ट आजाद इंजीनियरिंग शेयर की कीमत तब से 199 पर्सेंट से अधिक बढ़ गई है। इससे निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न मिला है। विशेष रूप से आजाद इंजीनियरिंग के शेयर की कीमत आईपीओ प्राइस 594 से 3 गुना से अधिक बढ़ गई है। शुक्रवार को एनएसई पर आजाद इंजीनियरिंग का शेयर प्राइस 1779.75 पर खुला, जो पिछले बंद 1697.05 से 5 प्रतिशतअधिक है। बता दें कि पूर्व क्रिकेटर सचिन रमेश तेंदुलकर ने आजाद इंजीनियरिंग के शेयरों में मोटा पैसा लगाया है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन ने बीते साल मार्च 2023 मेंआज़ाद इंजीनियरिंग में 5 करोड़ रुपये का निवेश किया था और इसके जरिए उन्हें कंपनी के करीबन 4 लाख इक्विटी शेयर मिले थे।

क्यू1 रिजल्ट ने किया पोजीशनल निवेशकों को खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आनंद राठी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। कंपनी के शेयरों में यह उछाल तिमाही नतीजों के बाद देखने को मिली। कंपनी ने गुरुवार को बाजार बंद होने के बाद तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। मजबूत तिमाही नतीजें सामने आने के बाद कंपनी के शेयरों में शुक्रवार की सुबह उछाल दर्ज हुई।

आज कंपनी के शेयर 4237.45 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन कुछ ही देर के बाद कंपनी के शेयर 3.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 4285.85 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। इस दौरान कंपनी का मार्केट कैप 18,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 4298.90 रुपये के बेहद ही करीब है। हालांकि, दोपहर में कंपनी के शेयरों में नरमी देखने को मिली। स्टॉक 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 4087.95 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

आनंद राठी के नेट प्रॉफिट में इजाफा

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 245.40 करोड़ रुपये रहा था। जोकि पिछले साल के पहली तिमाही की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। एक साल पहले आनंद राठी का रेवन्यू इस तिमाही में 178.40 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 73.4 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर यह 38 प्रतिशत अधिक है। आनंद राठी का आईपीओ 2021 में आया था। तब कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 550 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी ने प्राइमरी मार्केट से 660 करोड़ रुपये जुटाए थे। आईपीओ प्राइस से अबतक इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 660 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बीते एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 334 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने से होल्ड करने वाले निवेशकों को 45 प्रतिशत का लाभ हुआ है।

खाद्य कंपनी के शेयर पर टूटे निवेशक, खरीदने की लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफएल) के शेयर आज शुक्रवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 10 प्रतिशत चढ़ गए और 245 रुपये के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक अच्छी खबर है। दरअसल, कंपनी के बोर्ड मेंबर ने बेसिक इंजीनियरिंग डिजाइन पैकेज (बीईडीपी) की खरीद और मालिकाना इक्विपमेंट और कैटालिस्ट सप्लाई के लिए टॉपसो ए/एस के लिए 515 करोड़ रुपये के खरीद आदेश को मंजूरी दे दी। कंपनी ने अपनी नियामक फाइलिंग में कहा कि ऑर्डर को 36 महीने या 3 साल के भीतर एग्जिक्यूट किया जाना है।

आरसीएफ एक पब्लिक सेक्टर की खाद्य और केमिकल निर्माता है। पूर्व भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड के पांच अलग-अलग संस्थाओं में पुनर्गठन के बाद 1978 में स्थापित, यह दो मुख्य यूनिट्स का संचालन करता है। इनमें से एक ट्रॉम्बे मुंबई में और दूसरी थल रायगढ़ जिले में है, जो मुंबई से लगभग 100 किमी दूर स्थित है। बता दें कि आरसीएफ के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में नीम यूरिया, कॉम्प्लेक्स उर्वरक, जैव-उर्वरक, सूक्ष्म पोषक तत्व और 100 प्रतिशत पानी में घुलनशील उर्वरक शामिल हैं। इसके अलावा यह अमोनिया, मेथनॉल, मिथाइलमाइन, अमोनियम नाइट्रेट और नाइट्रिक एसिड, सल्फ्यूरिक एसिड और सोडियम नाइट्रेट जैसे आवश्यक रसायनों के निर्माण के लिए जाना जाता है।

आरसीएफ के शेयर इस साल अब तक 40 प्रतिशत चढ़ गए हैं। पिछले एक साल में मल्टीबैगर पीएसयू स्टॉक 102 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। इससे निवेशकों का पैसा दोगुना हो गया है। इसकी तुलना में, बेंचमार्क निफ्टी इस अवधि के दौरान लगभग 26 प्रतिशत बढ़ा है।

660 रुपये के पार जा सकते हैं महारत्न कंपनी के शेयर, 4 बार बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। ऑयल इंडिया के शेयर शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 7 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 598.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली ऑयल इंडिया लिमिटेड पर और बुलिश हो गई है। मॉर्गन स्टैनली ने ऑयल इंडिया लिमिटेड पर ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने महारत्न कंपनी के शेयरों के लिए 600 रुपये के ऊपर का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टैनली ने ऑयल इंडिया लिमिटेड के शेयरों के लिए 663 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। मॉर्गन स्टैनली ने पहले ऑयल इंडिया के शेयरों को 496 रुपये का टारगेट प्राइस दिया था। मॉर्गन स्टैनली का कहना है कि वह ऑयल इंडिया लिमिटेड पर और बुलिश हो गई है, क्योंकि हालिया समय में कंपनी ने गैस प्रॉडक्शन को दोगुना किया है।

सोने की डिमांड में गिरावट, लोगों ने बनाई गोल्ड से दूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अप्रैल-जून तिमाही में भारत में गोल्ड की डिमांड में गिरावट दर्ज की गई है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, जून की तिमाही में भारत में गोल्ड की डिमांड में 15 फीसदी की गिरावट आई है। देश में सोने की डिमांड में आई गिरावट की वजह ऊंची कीमतें हैं। जुलाई में विवाह के कम मुहूर्त होने के कारण इस महीने भी सोने के आभूषणों की मांग में वृद्धि नहीं हुई है। इस समय सोने की कीमत 73,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है जो कि 2024 की शुरुआत में 63,870 रुपए थी।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी ने कहा कि एशिया के सबसे बड़े आभूषण बाजार मुंबई के जावेरी बाजार में सोने के आभूषणों की मांग में गिरावट देखी गई है। ज्वैलर्स की रिपोर्ट से पता चलता है कि मांग में 15 प्रतिशतकी गिरावट आई है और सोने की नियमित खरीद नहीं हो रही है। साथ ही, लोग यह भी इंतजार कर रहे हैं कि क्या बजट में सोने पर आयात शुल्क को मौजूदा 15 प्रतिशतसे कम किया जाएगा।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा, पिछले कुछ समय से सोने की बढ़ी हुई कीमत बिक्री पर असर डाल रही है। हम हमेशा ग्राहकों की बदलती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पाद रणनीति में बदलाव करते रहते हैं। ग्राहक अब सोने की कीमतों की वास्तविकताओं से परिचित हो रहे हैं और उसी के अनुसार अपने आभूषण खरीदने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि सोना देश के सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, हमें त्योहारी सीजन में मांग में तेजी की उम्मीद है। जुलाई में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है... हमें ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में सुधार की उम्मीद है।

विदेशी बाजार में सोने-चांदी ने लगाई लंबी छलांग

कमोडिटी बाजार में इस हफ्ते जो तेजी दिखाई दे रही थी, शुक्रवार (12 जुलाई) को यहां दबाव दिखाई दिया। सोने-चांदी दोनों में ही गिरावट नजर आ रही थी, वो भी तब कल विदेशी बाजार में सोने ने लंबी छलांग लगाई है। कल विदेशी बाजार में सोने की कीमतों में जोरदार तेजी आई और एक झटके में दाम 40 डॉलर से ज्यादा बढ़ गए लेकिन विदेशी बाजार की तेजी के मुकाबले घरेलू बाजार की रफ्तार धीमी रही।

क्यों उछला सोना?

अमेरिका में महंगाई दर 12 महीनों के निचले स्तर पर आ गई है, गुरुवार को आए डेटा के बाद सितंबर में रेट कट की 90 प्रतिशतसंभावनाएं बन रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसके चलते सोना 1 प्रतिशतसे ज्यादा उछल गया था और 22 मई के बाद एक बार फिर से 2,400 डॉलर के लेवल पर पहुंच गया। 1.8 प्रतिशतकी तेजी के साथ ये 2,414 डॉलर प्रति औंस पर था। गोल्ड फ्यूचर 1.6 प्रतिशतबढ़ा और 2,418 डॉलर प्रति औंस पर चला गया।

अमीरों की लिस्ट में एक स्थान ऊपर चढ़े मुकेश अंबानी

दुनिया के टॉप 10 अमीरों में से आठ की नेटवर्थ गिरी

एलन मस्क ने एक झटके में गंवाए 15.9 अरब डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की आज मुंबई में शादी हो रही है। इसके लिए दुनिया की कई जानी-मानी हस्तियों को न्योता दिया गया है। इस बीच अंबानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी 119 अरब डॉलर की नेटवर्थ में गुरुवार को 30 करोड़ डॉलर का गिरावट आई लेकिन इसके बावजूद उनकी रैंकिंग बढ़ गई। इसकी वजह यह रही कि माइकल डेल की नेटवर्थ में 2.42 अरब डॉलर की गिरावट आई और वह अमीरों की लिस्ट में अंबानी से नीचे खिसक गए। वैसे इस साल अंबानी की नेटवर्थ में 23 अरब डॉलर की तेजी आई है।

गुरुवार को दुनिया के 10 टॉप अरबपतियों में से आठ की नेटवर्थ में गिरावट आई। सबसे बड़ा झटका एलन मस्क को लगा। टेस्ला समेत कई कंपनियों को चला रहे मस्क की नेटवर्थ में 15.9 अरब डॉलर की भारी-भरकम गिरावट आई। हालांकि वह 258 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बने हुए हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस ने गुरुवार को 4.7 अरब डॉलर गंवाए और वह 217 अरब डॉलर के साथ अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। फ्रांस के बर्नार्ड अरनॉल्ट की नेटवर्थ 3.87 अरब डॉलर बढ़ी और वह 201 अरब डॉलर के साथ तीसरे नंबर पर हैं। मेटा प्लेटफॉर्म्स के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने गुरुवार को 7.57 अरब डॉलर गंवाए। वह 182 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लैरी पेज (165 अरब डॉलर) पांचवें, बिल गेट्स (160 अरब डॉलर) छठे, लैरी एलिसन (157 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बालमर (157 अरब डॉलर) आठवें, सर्गेई ब्रिन (155 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (132 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर है। टॉप 10 में इस साल केवल अरनॉल्ट की नेटवर्थ में गिरावट आई है। उनकी नेटवर्थ 6.76 अरब डॉलर गिरी है। अमेरिकी कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग 112 अरब डॉलर के साथ 13वें और अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी 103 अरब डॉलर के साथ 14वें नंबर पर हैं।

16.45 लाख नौकरियां खा गई नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना की तिकड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी के कारण देश में इनफॉर्मल सेक्टर में सात साल में करीब 16.45 नौकरियां स्वाहा हो गईं। सरकारी आकड़ों में यह बात सामने आई है। इसके मुताबिक साल 2022-23 में देश में इनफॉर्मल सेक्टर में काम करने वालों की संख्या 16.45 लाख यानी करीब 1.5 फीसदी घटकर 10.96 करोड़ रह गई जो 2015-16 में 11.13 करोड़ थी। नोटबंदी की घोषणा नवंबर 2016 में की गई थी जबकि जीएसटी जुलाई 2017 में लागू किया गया था। इसी तरह कोरोना महामारी ने मार्च 2020 में देश में दस्तक दी थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने 2015-16 के बाद पहली बार यह आंकड़ा जारी किया है। मंत्रालय ने अनइनकॉरपोरेटेड एंटरप्राइजेज के 2021-22 और 2022-23 के आंकड़े जारी किए हैं। अनइनकॉरपोरेटेड एंटरप्राइजेज की संख्या 2015-16 में 6.33 करोड़ थी जो 2022-23 में बढ़कर 6.50 करोड़ पहुंच गई। यानी इस संख्या में 16.56 लाख की बढ़ोतरी हुई है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना की सबसे ज्यादा मार इनफॉर्मल सेक्टर को ही झेलनी पड़ी है। महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडीशा में 2015-16 और 2022-23 के बीच अनौपचारिक रोजगार में तेजी आई। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या में गिरावट आई। देश में इनफॉर्मल सेक्टर में काम करने वाले करीब दो-तिहाई कामगार इन्हीं 10 राज्यों में हैं। सर्वे के मुताबिक देश के 34 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में से 16 में इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या में 2022-23 में पिछले सर्वे के मुकाबले गिरावट आई है। पिछला सर्वे 2019 में आया था जिसमें 2015-16 के आंकड़े दिए गए थे। लेकिन इनसे यह बात भी सामने आई है कि महामारी के तुरंत बाद अधिकांश राज्यों में इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या में तेजी आई थी। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या 2015-16 में 1.65 करोड़ थी लेकिन 2022-23 में यह 1.57 करोड़ रह गई। 2021-22 में राज्य में इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या 1.30 करोड़ थी। पश्चिम बंगाल में भी यह स्थिति रही। इस बीच महाराष्ट्र में इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या में 2015-16 में 91.23 लाख थी जो 2022-23 में 1.15 करोड़ पहुंच गई। इस दौरान मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा में भी इनफॉर्मल सेक्टर वर्कर्स की संख्या में तेजी आई।

संक्षिप्त समाचार

वॉटर पार्क में गंदी हरकत कर रहा था शख्स, पुलिस ने कर लिया गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के ब्रुंसविक में एक भारतीय मूल के शख्स को वॉटर पार्क में गंदी हरकत करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि मोन्कटोन सिटी के एक वॉटर पार्क में वह महिलाओं और नाबालिगों को दबोचने की कोशिश कर रहा था। उसपर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक वह वॉटरपार्क में घूम रहा था और लोगों को दबोचने की कोशिश कर रहा था। कम से कम एक दर्जन लोगों ने बताया कि उसने उन्हें गलत तरीके से छुआ। इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। पुलिस ने वॉटरपार्क से उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में छोड़ दिया गया। अब उसे मोन्कटोन प्रांत के कोर्ट में 24 अक्टूबर को पेश होना है। इस बीच पुलिस भी केस को मजबूत करना चाहती है। पुलिस ने उन लोगों को आगे आने के लिए कहा है जिनके साथ आरोपी ने गंदी हरकत की थी। पुलिस की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, हम पैरंट्स से कहते हैं कि आप अपने बच्चों के लिए बोलिए। 7 जुलाई को वॉटरपार्क में जो कुछ हुआ उसके बारे में बताइए। हम यह भी बताना चाहते हैं कि यौन उत्पीड़न की शिकायत कभी भी दर्ज कराई जा सकती है। आप हमसे संपर्क करिए। आप की बात जरूर सुनी जाएगी। आप पर पूरा भरोसा किया जाएगा। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए शख्स की पहचान नहीं बताई है। हालांकि सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर वॉटरपार्क में उसकी गिरफ्तारी की तस्वीरें वायरल होने लगीं। वहां मौजूद लोगों ने ही आरोपी की तस्वीरें ले ली थीं। उसकी हरकत का शिकार हुई एक नाबालिग की मां ने फेसबुक पर तस्वीरें शेयर की थीं। इसके अलावा उसने पैरंट्स को सलाह दी थी कि ऐसे लोगों से वे अपने बच्चों को बचाकर रखें। दावा किया गया है कि वह वॉटरपार्क में कई लोगों के साथ आया था।

पृथ्वी और मंगल ग्रह में छिड़ेगा युद्ध, एलियन्स से होगा संपर्क, बाबा वेंगा की भविष्यवाणी

सोफिया, एजेंसी। बाबा वेंगा, जो आंखों से नहीं देख सकती थीं, लेकिन कहा जाता है कि उन्हें भविष्य नजर आता था। अब वह दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी की गईं कई भविष्यवाणियां दूसरे विश्व युद्ध के समय से ही चर्चा में रहीं हैं। अब भी उनकी ऐसी कई भविष्यवाणियां हैं, जो आम आदमी को बैचेन कर सकती हैं। पहला तो कि दुनिया के खात्मे की शुरुआत साल 2025 से हो जाएगी। साथ ही यह तक कहा जा रहा है कि कुछ समय बाद पृथ्वी और मंगल ग्रह के बीच युद्ध छिड़ जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाबा वेंगा की भविष्यवाणी है कि साल 2025 में यूरोप में संघर्ष होगा, जिसके कारण यहां की आबादी घट जाएगी। इसके बाद साल 2028 में इंसान एनर्जी सोर्स के तौर पर वीनस पर खोज शुरू कर सकते हैं। 2033 में पोलर आइस कैप्स पिघलने लगेंगे, जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भविष्यवाणी की गई हैं कि 2076 में साम्यवाद पूरी दुनिया में फैल जाएगा, 2130 में इंसान एलियन्स से संपर्क साध सकेंगे। आगे कहा गया है कि 2170 में सूखे से धरती का अधिकांश हिस्सा खत्म हो जाएगा, 3005 में पृथ्वी मंगल ग्रह की सभ्यता के साथ युद्ध करेगी, 3797 में इंसान धरती छोड़कर जाने के लिए मजबूर हो जाएंगे। 5079 में दुनिया खत्म हो जाएगी,। कहा जाता है कि प्रिंसेस डायना और 9/11 हमलों को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी सच साबित हुई हैं। 1911 में जन्मीं बाबा वेंगा ने देखने की शक्ति 12 वर्ष की उम्र में खो दी थी।

आलिया नीलम पाकिस्तान में बनीं पहली महिला चीफ जस्टिस

इस्लामाबाद, एजेंसी। औरतों को बुर्कों में कैद रखने वाले मुल्क पाकिस्तान में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पद के लिए किसी महिला ने शपथ ली है। न्यायमूर्ति आलिया नीलम ने बृहस्पतिवार को लाहौर हाई कोर्ट के मुख्य न्यायधीश पद की शपथ ली। वह पाकिस्तान की पहली महिला हैं जो किसी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश के पद पर आसीन हुई हैं। आलिया के लाहौर में चीफ जस्टिस बनने की घोषणा के बाद उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। वह नवाज शरीफ और उनके परिवार की काफी करीबी मानी जाती हैं। पाकिस्तान वाले पंजाब प्रांत के राज्यपाल सरदार सलीम हैदर खान ने जज आलिया नीलम को लाहौर चीफ जस्टिस पद की शपथ दिलाई। पंजाब सूबे की पहली महिला मुख्यमंत्री मरियम नवाज भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुईं। न्यायमूर्ति नीलम (57) लाहौर उच्च न्यायालय में न्यायधीशों के वरिष्ठता क्रम में तीसरे स्थान पर थीं लेकिन पाकिस्तान के प्रधान न्यायधीश काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाले न्यायिक आयोग ने उन्हें इस पद के लिए नामित करने का फैसला किया। नीलम को मुख्य न्यायधीश बनाने की घोषणा के साथ ही सोशल मीडिया पर उनकी सत्तारूढ़ शरीफ परिवार के सदस्यों के साथ खींची गई तस्वीर वायरल होने लगीं। इसके जरिये उनके विरोधी यह संकेत करना चाहते थे कि वह सत्तारूढ़ मुस्लिम लीग (नवाज) से जुड़ी हुई हैं। कौन हैं आलिया नीलम न्यायमूर्ति नीलम का जन्म 12 नवंबर 1966 में हुआ और उन्होंने 1995 में पंजाब विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की एवं 1996 में वकील के तौर पर अपना पंजीकरण कराया।

नेपाल में भूस्खलन से दो बसें त्रिशूली नदी में बही, 60 यात्री लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, पीएम प्रचंड ने दुख जताया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। भूस्खलन के कारण दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं। दोनों बसों में लगभग 63 यात्री सवार बताए जा रहे हैं। इस हादसे पर नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल दुख जताया है। चितवन के जिलाधिकारी इंद्रदेव यादव ने बताया कि हम घटना स्थल पर हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। लगातार हो रही बारिश की वजह से रेस्क्यू में बाधा आ रही है। बता दें कि इन दिनों नेपाल में मूसलाधार बारिश हो रही है।

पुलिस के अनुसार, काठमांडू जा रही एंजेल बस में 24 और गणपति डीलक्स बस में 41 लोग सवार थे। हालांकि, गणपति डीलक्स में सवार तीन यात्री बस के नदी में बहने से पहले कूदने में सफल रहे। यह हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने हादसे में दुख जताया है। पीएम ने एक्स पर पोस्ट किया, नारायणगढ़-मुग्लिन सड़क खंड पर भूस्खलन के कारण दो बसों के नदी बह जाने से लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की रिपोर्ट, देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण संपत्तियों के नुकसान से मैं बहुत दुखी हूं। मैं गृह प्रशासन सहित सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की खोज और प्रभावी बचाव के निर्देश देता हूं।

झनेपाल प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताया : चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने फोन पर न्यूज एजेंसी-ह्ढ्ढ को बताया कि लैंडस्लाइड के

चलते नदी में गिरने वाली एक बस काठमांडू जा रही थी। इसमें 24 लोग सवार थे। दूसरी बस में 41 लोग सफर कर रहे थे।

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, नारायणगढ़-मुग्लिन रोड स्टेशन पर लैंडस्लाइड से बस बह जाने से लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की रिपोर्ट से मुझे काफी दुख हुआ है। मैं सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की खोज करने और उन्हें सही सलामत बचाने का निर्देश देता हूं। इंद्रदेव यादव ने एएनआई से कहा, प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बसों में बस चालकों सहित कुल 63 लोग सवार थे। भूस्खलन में बसें लगभग 3:30 बजे बह गईं। हम घटना स्थल पर हैं और तलाशी अभियान चल रहा है। लगातार बारिश के कारण लापता बसों की तलाश में हमारे प्रयासों में बाधा आ रही है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने सभी सरकारी एजेंसियों को यात्रियों की खोज और बचाव का निर्देश दिया। दहल ने एक्स पर लिखा, नारायणगढ़-मुग्लिन सड़क खंड पर भूस्खलन में बसों के बह जाने और देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण संपत्तियों के नुकसान के बाद लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की खबरों से मैं बहुत दुखी हूं। मैं गृह प्रशासन सहित सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की तलाश करने और उन्हें प्रभावी ढंग से बचाने का निर्देश देता हूं। नेपाल के गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह बताया कि मॉनसून के मौसम की शुरुआत के बाद से नेपाल में बारिश के कारण होने वाली घटनाओं में कम से कम 62 लोग मारे गए हैं तथा 90 अन्य घायल हुए हैं। मौसम के चलते 7 दिन में 60 लोगों की मौत नेपाल में बारिश और खराब मौसम के चलते काठमांडू से भरतपुर जाने वाली सभी फ्लाइट्स को अगले आदेश तक रद्द कर दिया गया है। वहीं, पिछले 7 दिनों में 62 लोगों की मौत हुई है और 90 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें 34 लोग लैंडस्लाइड में मारे गए, जबकि 28 लोग बाढ़ में बहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक नेपाल में भारी बारिश से कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं।121 घर सैलाब में बह गए और 82 बुरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं।

अमेरिका और केन्या ने लाखों कौवों और उल्लुओं को मारने की बनाई योजना

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के लगभग हर देश में जानवरों, पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए कोई न कोई योजना है। इस तरह के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय उद्यान बनाया जाता है। इन उद्यानों का मुख्य लक्ष्य विशेष रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाना है। पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए अपने देश में भी कई कदम उठाए गए हैं। इसके ठीक उलट अमेरिका और केन्या अलग ही राह पर चल रहे हैं। ये दोनों देश इस बार लाखों पक्षियों को मारने की योजना बना रहे हैं। यहां तक कि इसके लिए निश्चित समय भी निर्धारित किया गया है। ये दोनों अचानक इतने सारे पक्षियों को क्यों मारना चाहते हैं? आइए इस बारे में जानते हैं। अमेरिका और केन्या ने कुछ महीनों के भीतर लाखों कौवों और उल्लुओं को मारने की योजना बनाई है। सबसे पहले बात करते हैं केन्या की करते हैं। यह छोटा सा देश अफ्रीका के पूर्वी भाग में स्थित है। जब आप केन्या के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहली चीज जो दिमाग में आती है वह है मसाईमारा जंगल है। यहां विभिन्न प्रकार के पशु-पक्षी हैं। वे उस दुनिया में स्वतंत्र रूप से घूमते हैं। सिर्फ मसाईमारा ही नहीं, केन्या में ऐसे कई जंगल हैं। दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लोग केन्या आते हैं। अलग-अलग जानवरों को देखने के लिए पर्यटकों में भी कम उत्साह नहीं होता। इसी वजह से कई लोग लाखों रुपये खर्च करने से भी नहीं हिचकिचाते। केन्या के लोगों के एक बड़े हिस्से की आजीविका इसी पर्यटन पर आधारित है। इसलिए, केन्याई सरकार ने पर्यटन उद्योग को जीवित रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। उस कदम के तहत वे भारतीय कौवों को मारने की योजना बनाते हैं। केन्या के लिए आफत बने भारतीय कौवे मीडिया सूत्रों के मुताबिक, केन्या सरकार अगले छह महीनों में 10 लाख भारतीय कौवों को मार डालेगी। यह भी जानकारी दी गई है कि इसके लिए एक खास तरीका अपनाया जाएगा। कौवों मारने की योजना कैसे और क्यों बनाई जाती है, इस विषय पर आने से पहले आइए भारतीय कौवों के बारे में जानते हैं, जो केन्या के लिए आफत बने हैं। दरअसल भारत की तरह केन्या भी एक ब्रिटिश उपनिवेश था। इसलिए भारत और केन्या के बीच अलग-अलग समय पर जहाज आते-जाते रहते थे। भारत से कौवे उस जहाज पर सवार होकर केन्या पहुंचे।

जापान ने लागू किया नया कानून- अब हर दिन एक बार हंसना होगा जरूरी

टोक्यो, एजेंसी। आप लोगों को सुबह-सुबह पार्कों में जोर-जोर से हंसते हुए देखते होंगे, तो आपके चेहरे पर भी मुस्कान आ जाती होगी। ऐसे ही कभी कोई शख्स आपको देखकर मुस्करा दे तब भी आपका दिन बन जाता होगा। हंसी को स्वास्थ्य के लिए काफी अच्छा माना जाता है।मगर आपको हंसने के लिए मजबूर किया जाए तो आप क्या करेंगे। दरअसल, एक देश में बड़ा ही अजीबोगरीब नियम लागू किया गया है। इसके अनुसार, नागरिकों को दिन में कम से कम एक बार जरूर हंसना होगा।जापान के यामागाटा प्रांत में एक स्थानीय सरकार ने एक कानून लागू किया है, जिसमें निवासियों को बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए हर दिन कम से कम एक बार हंसने के लिए कहा गया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, राज्य में यह कानून पिछले सप्ताह लागू किया गया था। यह एक स्थानीय विश्वविद्यालय के शोध पर आधारित है। इसमें सुझाव दिया गया था कि नियमित तौर पर हंसने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और लंबा जीवन जीने में मदद मिलती है। नए कानून के तहत लोगों को रोज कम से कम एक बार हंसना होगा। इसके अलावा, इसमें यह भी कहा गया है कि कारोबारी ऐसा माहौल तैयार करें जो हंसी- खुशी से भरा हो। हर महीने की आठ तारीख को लाफ्टर डे मनाया जाएगा। बता दें कि जिस शोध के आधार पर यह कानून लाया गया है, उसे यामागाटा यूनिवर्सिटी ने साल 2019 में अंजाम दिया था।

पाकिस्तान में सऊदी एयरलाइंस के प्लेन में आग लगी: पेशावर में इमरजेंसी लैंडिंग, 10 घायल, आपातकालीन दरवाजे से निकाले गए लोग

पेशावर , एजेंसी। सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट में पाकिस्तान के पेशावर एयरपोर्ट पर गुरुवार को आग लग गई। इसमें 10 लोग जख्मी हो गए। हादसा तब हुआ जब विमान लैंड कर रहा था। यात्रियों और केबिन क्रू के सभी सदस्यों को इमरजेंसी गेट से बाहर निकाला गया। फ्लाइट रियाद से पेशावर आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक लैंडिंग गियर में कुछ खराबी के चलते ये हादसा हुआ। हालांकि अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

विमान में 276 यात्री और 21 क्रू मेंबर थे : सऊदी एयरलाइंस 792 में 276 यात्री सवार थे। इसके अलावा 21 क्रू मेंबर थे। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के मुताबिक, लैंड होने के बाद विमान से धुआं निकलता दिखाई दिया। इसके बाद पायलट को इसकी जानकारी दी गई। इसके साथ ही फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को भी इन्फॉर्म किया गया। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आनन-फानन में इस आग को बुझाया गया। विमान से सभी यात्रियों और क्रू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अमेरिका में भी हादसा हुआ, फ्लोरिडा से फोनिक्स जा रहे प्लेन का टायर फटा अमेरिका के टैंपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। अमेरिकी एयरलाइंस फ्लाइट 590 का दाहिना टायर टेक ऑफ करते वक्त ब्लास्ट कर गया। इस दौरान विमान में 176 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। विमान के उड़ने से पहले ये घटना हुई जिसके बाद ऐन मौके पर इसे रोक लिया गया

जिससे जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। ये विमान फ्लोरिडा से फोनिक्स जा रहा था। अमेरिकी एयरलाइंस ने ह्वष्ट न्यूज से को बताया, टायर के पास चिंगारी निकलने से हादसा हुआ। टैंपा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने कन्फर्म किया कि ये हादसा बुधवार सुबह 8 बजे (स्थानीय समय) हुआ। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि विमान का दाहिना टायर फटने के बाद, पहिया खुलकर बाहर निकल गया। इसके बाद वहां से चिंगारी निकलने लगी, जिसके बाद धुआं फैल गया।एक पहिया टूटकर अलग हो जाने के बाद भी विमान दो पहियों के सहारे दौड़ता रहा। टायर फटने के बाद भी चलता रहा विमान रनवे के अंत में रुकने से पहले टायर फटने के बावजूद विमान सिर्फ दो पहियों पर दौड़ता रहा। बाद में जब विमान रुका तो आपातकालीन वाहन मौके पर पहुंचे। अमेरिकन एयरलाइंस के प्रवक्ता अल्फ्रेडो गार्डुनो ने कहा कि यात्रियों और क्रूम मेंबर्स को कोई चोट नहीं आई और उन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। इसके बाद विमान को टर्मिनल पर भेजा गया। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को एक दूसरे विमान से भेज दिया गया है। इस घटना से बाकी उड़ानें प्रभावित नही हुई हैं।

कीव ने जब्त किया विदेशी मालवाहक जहाज, हिरासत में कप्तान, यूक्रेनी अनाज के अवैध निर्यात का आरोप

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के रेनी बंदरगाह पर कीव ने गुरुवार को एक विदेशी मालवाहक जहाज उस्को एमएफयू को पकड़ा गया। अधिकारियों के मुताबिक जहाज से क्रीमिया प्रायद्वीप से यूक्रेन के अनाज का अवैध रूप से निर्यात किया जा रहा था। जहाज के कप्तान को हिरासत में लिया गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद साल 2022 से यूक्रेन ने मास्को पर उसके क्षेत्र की कृषि भूमि से अवैध रूप से अनाज की कटाई करने और दूसरे देशों में भेजने का आरोप लगाया है।

यूक्रेन के अभियोजक जनरल कार्यालय के मुताबिक जहाज को दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र से जब्त किया गया। जहाज ने क्रीमिया में रूसी काला सागर के नौ सैनिक केंद्र सेवस्तोपोल के जरिये कृषि उत्पादों का निर्यात किया। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसयूबी) ने बताया कि जहाज के कप्तान को यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्र में प्रवेश करने पर हिरासत में लिया गया है। कैप्टन की पहचान दक्षिण काकेशस के एक पूर्व सोवियत देश अजरबैजान के नागरिक के रूप में की गई है। एसयूबी ने कहा कि कैप्टन पर लगे आरोप में पांच साल तक की सजा हो

सकती है। अधिकारियों ने यह भी दावा किया कि जहाज में ले जाया जा रहा अनाज दक्षिणी यूक्रेन से लूटा गया था।

अधिकारियों ने बताया कि जहाज पर कैमरून का झंडा लगा था। जहाज नवंबर 2023 में सेवस्तोपोल में रुका और तुर्किये की एक कंपनी के लिए तीन हजार टन से अधिक कृषि उत्पादों को लोड किया। अवैध गतिविधि को छिपाने के लिए सेवस्तोपोल बंदरगाह में प्रवेश से पहले जहाज के ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम को बंद कर दिया गया था। यह भी बताया गया कि जहाज मई में दूसरी बार सेवस्तोपोल लौटा और यूक्रेनी अनाज को ले जा रहा था। इसे रेनी के यूक्रेनी बंदरगाह पर जब्त किया गया। जांच के दौरान अधिकारियों को जहाज पर सेवस्तोपाल के अधिकारियों द्वारा जारी किए गए दस्तावेज मिले। साथ ही जहाज पर 12 अन्य विदेशी चालक दल के सदस्य भी मिले। इनकी राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। फ्रेंको रूसी वेधशाला के उपनिदेशक इगोर डेलानो ने बताया कि पहली बार यूक्रेन ने अंतरराष्ट्रीय ध्वज लगे जहाज को जब्त किया है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई से साफ है कि यूक्रेन ने उन तीसरे देशों को संकेत दिया है जो चुप्पी के साथ रूस का समर्थन कर रहे हैं और अवैध रूप से यूक्रेन से चोरी अनाज का लाभ उठा रहे हैं। क्रीमिया प्रायद्वीप को लेकर काम कर रहे यूक्रेन के एक अधिकारी इगोर पोनोचोवनी ने भी कहा कि जहाज को जब्त करने की कार्रवाई रूस को प्रतिबंध से बचाने में मदद करने वाले देशों के लिए बड़ा संकेत है। वहीं यूक्रेन के दक्षिणी खेरसान क्षेत्र के प्रमुख ने कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन में कई हेक्टेयर कृषि भूमि में आग लगा दी।

यूक्रेन में डॉक्टर से हाथ-पैर तुड़वा रहे हैं लोग, नए कानून के बाद फैल गई दहशत

कीव, एजेंसी। रूस के साथ जंग के बीच यूक्रेन में एक अजीब ट्रेंड देखने को मिल रहा है। यहां बहुत सारे लोग डॉक्टर से अपने हाथ-पैर तोड़वा रहे हैं। इसके अलावा टेलिग्राम पर कई विज्ञापन भी दिखाई दे रहे हैं जिसमें कहा जा रहा है कि डॉक्टरों की निगरानी में फ्रैक्चर किया जाएगा। दरअसल यूक्रेन में सेना में भर्ती को लेकर नए कानून बनाए गए हैं। रूस से जंग के बीच यूक्रेन सैनिकों की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में सेना में सेवा देने की आयु को 27 साल से घटाकर 25 साल कर दिया गया है। वहीं सेना में सेवा देने से बचने के लिए हथकंडे अपनाने वालों की सजा भी बढ़ा दी गई है। टेलीग्राम पर चलने वाले विज्ञापनों में दावा किया जा रहा है कि सेना में जाने से बचने के लिए अच्छे मेडिकल प्रोफेशनल हाई क्वालिटी एनस्थीसिया देकर फ्रैक्चर किया जाएगा। आरटी की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें यह भी कहा गया है कि इंजुरी के बाद भी पूरी देखभाल की जाएगी और अगर एक फ्रैक्चर पर्याप्त नहीं होगा तो डिस्काउंट रेट पर दूसरी चोट का भी इंतजाम किया जाएगा। इस तरह के ऐड डनेपर शहर के कई टेलिग्राम चैनलों पर दिखाई दिए थे। हालांकि बाद में इन्हें हटा भी लिया गया। अप्रैल महीने में सेना में भर्ती को लेकर यूक्रेन ने नए कानून बनाए थे। इसके तहत सेना में सेवा देने वालों को बोनस, कैश, घर और कार देने का भी प्रावधान किया गया है। कई महीनों की बहस

के बाद संसद में बिल पास हो पाया। इसके तहत यूक्रेन ने सेना में सेवा देने की उम्र को 27 से घटाकर 25 साल कर दिया। इसके अलावा कैदियों को भी सेना में भर्ती होने का ऑफर दिया गया है। वहीं जो लोग सेना में सेवा देने से बचने के लिए फ्रॉड करेंगे उनपर जुर्माना पांच गुना बढ़ा दिया गया है। कानून में यह भी कहा गया है कि सेना में सेवा देने की उम्र में किसी का यूक्रेन से जाने की अनुमति नहीं होगी। पहले 18 से 60 साल के वे लोग जो किसी अन्य देश के स्थायी सदस्य होते थे उन्हें विदेश जाने का अधिकार होता था। अब उनपर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकार से अनुमति या फिर स्वास्थ्य कारणों के अलावा अब उन्हें भी देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रूस के साथ युद्ध शुरू होने के बाद पहले तो बहुत सारे लोग अपनी इच्छा से सेना में भर्ती हो रहे थे।

बाइडेन की नाटो समिट में जुबान फिसली, पहले जेलेंस्की को पुतिन फिर कमला हैरिस को ट्रम्प कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बाइडेन की उम्र और उनकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस बीच 81 साल के राष्ट्रपति ने नाटो समिट में कई लोगों के नाम गलत बोलकर अपनी राष्ट्रपति पद पर बने रहने की योग्यता पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। नाटो समिट के दौरान बाइडेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को प्रेसिडेंट पुतिन कह दिया। कुछ ही देर बाद उन्होंने अपनी गलती दोहराई वो अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम भूल गए और उन्हें डोनाल्ड ट्रम्प बोल दिया। एक दिन में 2 बार फिसली बाइडेन की जुबान नाटो के 75 साल पूरे होने पर अमेरिका में 9 से 11 जुलाई तक एक समिट हुई। इसमें नाटो देशों के मेंबर मौजूद थे। समिट के आखिरी दिन यानी कल देर शाम बाइडेन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बाइडेन अपनी बात खत्म कर जेलेंस्की को बुला रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, :अब मैं यूक्रेन के राष्ट्रपति को बुलाना चाहूंगा। वे जितने साहसी हैं उतने ही समर्पित भी हैं।

लेडीज एंड जेंटलमेन प्रेसिडेंट पुतिनः ये कहकर बाइडेन जैसे ही आगे बढ़े उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। वे तुरंत मुड़े और कहा, : प्रेसिडेंट पुतिन नहीं प्रेसिडेंट जेलेंस्की। मैं पुतिन को हराने पर इतना ज्यादा फोकस्ड हूं कि अब हमें इस पर चिंता करनी चाहिए।: कुछ ही देर में गलती दोहराई जेलेंस्की को पुतिन कहने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस का माहौल सुधरा ही था कि बाइडेन ने एक और नाम गलत बोल दिया। एक रिपोर्टर ने बाइडेन से सवाल किया था कि अगर उनकी जगह डेमोक्रेटिक पार्टी कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाती है तो क्या वे ट्रम्प को हरा पाने के काबिल हैं?

इस पर बाइडेन कहते हैं : अगर वाइस प्रेसिडेंट ट्रम्प राष्ट्रपति बनने के काबिल नहीं होतीं

तो मैं उन्हें कभी उप राष्ट्रपति बनाता ही नहीं।: अमेरिकी राष्ट्रपति को अपनी उप-राष्ट्रपति का नाम भूलता देखकर वहां मौजूद पत्रकारों से भी नहीं रहा गया, वे झुंझलाए और उनकी आवाज पूरे हॉल में गूंज उठी।

बाइडेन ने सफाई दी : कमला हैरिस और जेलेंस्की का नाम भूलने पर घिरने के बाद बाइडेन ने सफाई दी। उन्होंने कहा,:क्या इससे नाटो की कॉन्फ्रेंस को कोई नुकसान हुआ, क्या आपने इससे ज्यादा सफल नाटो कॉन्फ्रेंस देखी है। मैं पुतिन के बारे में बात कर रहा था। इसलिए उनका नाम बोल दिया। मैंने इसके लिए जेलेंस्की से माफी भी मांगी है। वहीं बाइडेन की जुबान फिसलने के बाद ट्रम्प और रिपब्लिकन पार्टी उन पर हमलावर है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया हैंडल ट्रूथ सोशल पर बाइडेन की गलती के साथ लिखा- बहुत बढ़िया जो बाइडेन।

ओबामा और नैंसी पेलोसी भी बाइडेन को लेकर चिंतित : सीएनएन ने दावा किया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति पद के लिए बाइडेन की उम्मीदवारी पर चिंता बढ़ती जा रही है। अब पूर्व राष्ट्रपति ओबामा और नैंसी पेलोसी ने भी बाइडेन को लेकर चिंता जाहिर की है। जबकि पेलोसी और ओबामा ही डेमोक्रेटिक पार्टी के 2 नेता थे जिन्होंने ट्रम्प से प्रेसिडेंशियल डिबेट के बाद हार पर बाइडेन का समर्थन किया था। अब दोनों ने बाइडेन की उम्मीदवारी पर साथ में चिंता जाहिर की है। पेलोसी ने पार्टी के नेताओं से कहा है कि वे नाटो देशों के मेंबर्स के जाने के बाद ही इस मुद्दे पर बात करेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी की अंदरूनी कलह बढ़ती जा रही है। इससे पार्टी को ट्रम्प को हराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। डेमोक्रेटिक पार्टी में लगातार बाइडेन के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। उनकी बढ़ती उम्र के कारण लगातार लोगों की तरफ से उन्हें 2024 के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से पीछे हटने के लिए कहा जा रहा है।डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक और हॉलीवुड के एक्टर जॉर्ज क्लूनी ने भी बाइडेन से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से पीछे हटने के लिए कहा है।

गौतम गंभीर ने कोच बनते ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों को

दिया कड़ा संदेश

कहा- फिट हैं तो तीनों फॉर्मेट में खेलिए

नईदिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड़ के बाद गौतम गंभीर को भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। गंभीर श्रीलंका दौरे के साथ जो 26 जुलाई से शूरू होगा अपना कार्यभार संभाल लेंगे, लेकिन इससे पहले उन्होंने टीम इंडिया के खिलाड़ियों के लिए सख्त लहजे में संदेश जारी किया। स्टार स्पोर्ट्स के द्वारा जारी किए गए वीडियो में गौतम गंभीर ने कोच बनने के बाद अपना पहला स्टेटमेंट खिलाड़ियों के लिए दिया और अपना इरादा भी जाहिर कर दिया। गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच साल 2027 के आखिरी तक बने रहेंगे और इस बीच इंडिया को 5 आईसीसी इवेंट में हिस्सा लेना है।

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि चोट लगना खिलाड़ियों के जीवन का हिस्सा है और अगर आप तीनों प्रारूपों में खेल रहे हैं, आप चोटिल हो जाते हैं तो आप वापस जाकर रिकवर करो, लेकिन आपको तीनों प्रारूपों में खेलना चाहिए। मैं लोगों को यह बताने में विश्वास नहीं करता कि ठीक है हम उसे टेस्ट मैचों के लिए रखेंगे या हम उसे दूसरे प्रारूप के लिए रखेंगे और हम उसकी चोट और कार्यभार आदि का प्रबंधन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि प्रोफेशनल क्रिकेटर्स के पास बहुत कम समय होता है और जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो आप जितना संभव हो उतना खेलना चाहते हैं। जब आप बहुत अच्छे फॉर्म में होते हैं तो आगे बढ़ें और तीनों प्रारूपों में खेलें।

टीम के हित में काम करें

गंभीर ने कहा कि मेरा बस एक ही संदेश है कि ईमानदारी से खेलने की कोशिश करो। जितना हो सके अपने पेशे के प्रति ईमानदार रहो और परिणाम अपने आप सामने आएंगे। जब मैंने बल्ला उठाया, तो मैंने कभी परिणामों के बारे में नहीं सोचा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा करूंगा। मैं इतने रन बनाना चाहता हूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि मुझे अपने पेशे के प्रति जितना हो सके उतना ईमानदार रहना चाहिए। कुछ सिद्धांतों पर जियो, कुछ मूल्यों पर जियो, सही चीजें करने की कोशिश करो और कोशिश करो कि चीजें सही हो भले ही आपको लगे कि पूरी दुनिया आपके खिलाफ है, लेकिन अगर आपका दिल मानता है कि आप टीम के हित के लिए सही काम कर रहे हैं तो उसे करते रहें।

मैंने जो कुछ किया वो टीम के हित में था

गंभीर ने अपने बारे में बात करते हुए कहा कि चाहे मैं क्रिकेट के मैदान पर आक्रामक रहा हूँ, चाहे मेरा लोगों से टकराव हुआ हो सब इसलिए क्योंकि यह सब टीम के हित में था। आप कोशिश करो और ऐसी कोशिश होनी चाहिए जिससे टीम का हित हो क्योंकि टीम ही आपके लिए मायने रखती है ना कि कोई व्यक्ति, इसलिए मैदान पर जाओ और केवल एक ही चीज के बारे में सोचो कि तुम जिस भी टीम के लिए खेलो, अपनी टीम को जीत दिलाने की कोशिश करो क्योंकि टीम के खेल की यही मांग होती है। क्रिकेट कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है जहाँ आप अपने बारे में सोचते हैं। यह एक टीम खेल है जहाँ टीम पहले आती है, आप शायद पूरी लाइनअप में सबसे आखिर में आते हैं।

विंबलडन: 2024

एलेना को हराकर बारबोरा क्रेजिकोवा ने बनाई फाइनल में जगह

पाओलिनी से इस दिन होगा सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रेजिकोवा ने रयबाकिना को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका सामना शनिवार, 13 जुलाई को जैस्मीन पाओलिनी से होगा। बारबोरा क्रेजिकोवा ने गुरुवार को सेंटर कोर्ट में एलेना रयबाकिना पर वापसी करते हुए जीत हासिल की और अपने पहले विंबलडन फाइनल में जगह बनाई। क्रेजिकोवा ने रयबाकिना को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में एंट्री की है। अब उनका सामना शनिवार (13 जुलाई) को जैस्मिन पाओलिनी से होगा। क्रेजिकोवा ने फ्रेंच ओपन में पहले दौर में बाहर होने की निराशा को पीछे छोड़ते हुए चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने के लिए शानदार प्रदर्शन किया।

पहले सेमीफाइनल में जैस्मिन पाओलिनी की शानदार जीत

डोना वेकिच को हराकर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। पाओलिनी अब विंबलडन फाइनल में जगह बनाने वाली पहली इतालवी खिलाड़ी हैं और सेरेना विलियम्स के बाद एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन फाइनल दोनों में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी हैं।

जैस्मीन पाओलिनी ने विंबलडन सेमीफाइनल मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली। रोमांचक मुकाबले के बाद, सातवीं वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने सेमीफाइनल में डोना वेकिच को 2-6, 6-4, 7-6 से हराकर महिला एकल फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पाओलिनी अब विंबलडन फाइनल में जगह बनाने वाली पहली इट्ली की खिलाड़ी हैं और सेरेना विलियम्स के बाद एक ही सीजन में फ्रेंच ओपन और विंबलडन फाइनल दोनों में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी हैं। पहले सेट के पहले चार गेम में दोनों खिलाड़ी बराबरी पर थीं। वेकिच ने टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन शॉट्स में से एक शॉट खेला, जब उन्होंने पाओलिनी के फोरहैंड की खेल में वापसी कराई और फिर अपनी वॉली से उन्हें गलती करने पर मजबूर किया। इसके बाद वेकिच ने एक बेहतरीन ड्रॉप शॉट मारा, जिसे पाओलिनी ने पकड़ने के लिए संघर्ष किया और क्रोएशियाई खिलाड़ी ब्रेक पॉइंट हासिल करने में सफल रही। इसके बाद वेकिच ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और पाओलिनी को आसानी से पीछे छोड़ दिया। अगले तीन गेम जीत लिए और सेट 6-2 से जीत लिया और इट्ली की खिलाड़ी को ड्रॉइंग बोर्ड पर भेज दिया।

गुजरात छोड़कर

दोबारा उत्तर प्रदेश के लिए खेलेंगे पीयूष

नई दिल्ली, एजेंसी। सीनियर लेग स्पिनर पीयूष चावला दोबारा उत्तर प्रदेश लौट आए हैं और वह आने वाले घरेलू सीज़न के साथ ही अगस्त में लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में होने वाली उत्तर प्रदेश टी20 लीग में भी खेलते दिखेंगे। दो बार के विश्व चैंपियन लेग स्पिन ऑलराउंडर 2016 में उत्तर प्रदेश छोड़कर गुजरात चले गए थे। उन्होंने सात साल तक गुजरात के लिए घरेलू क्रिकेट खेला और अब वह फिर से उत्तर प्रदेश वापसी के लिए तैयार हैं। वह फ़िलहाल

उत्तर प्रदेश के लिए सफ़ेद गेंद की क्रिकेट खेलते हुए नज़र आएंगे। हालांकि उन्होंने रणजी ट्रॉफ़ी खेलने की संभावना से पूर्ण इनकार नहीं किया है। बात करते हुए चावला ने बताया कि वह सफ़ेद गेंद से उत्तर प्रदेश के लिए इस सीज़न खेलेंगे लेकिन लाल गेंद यानी रणजी ट्रॉफ़ी खेलने पर भी विचार करेंगे। चावला ने उत्तर प्रदेश के लिए अपना पिछला मैच अक्टूबर 2016 में जयपुर में बंगाल के ख़िलाफ़ खेला था, जिसमें वह चोटिल हो गए थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दूसरे सबसे अधिक 192 विकेट लेने वाले गेंदबाज़ 35 वर्षीय चावला दो सप्ताह के अंदर अपनी ट्रेनिंग शुरू कर देंगे। अभी तक वह पहले वनडे विश्व कप और बाद में टी20 विश्व कप की कमेंट्री में व्यस्त दिखे थे। चावला उत्तर प्रदेश के सबसे सफलतम क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने 2005 में उत्तर प्रदेश के लिए पदार्पण किया। उनके नाम तीनों फ़ॉर्मैट में मिलाकर 1014 विकेट हैं, जिसमें प्रथम श्रेणी में 445, लिस्ट ए में 254 और टी20 में 315 विकेट शामिल हैं।

बेन स्टोक्स के नाम दर्ज हुआ बड़ा रिकॉर्ड

टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले क्रिकेटर बने

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स गुरुवार को वेस्टइंडीज के महान गैरी सोबर्स और दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ऑलराउंडर जैक्स कैलिस की लिस्ट में शामिल हो गए। वे टेस्ट क्रिकेट में 6,000 से अधिक रन और 200 से अधिक विकेट लेने वाले तीसरे और इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। स्टोक्स ने लॉर्ड्स में तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की।

अपने पहले ओवर में बल्लेबाज किर्क मैकेंजी को आउट करते हुए स्टोक्स ने अपना 200वां टेस्ट विकेट हासिल किया। 103 टेस्ट मैचों में उन्होंने अब तक 200 विकेट लिए हैं। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने 35.30 की औसत से 6,320 रन बनाए हैं, जिसमें 13 शतक और 31 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 258 है। इस बीच सोबर्स ने (93 टेस्ट में 8,032 रन और 235 विकेट) और कैलिस ने (166 टेस्ट में 13,289 रन और 292 विकेट) बनाए हैं। साथ ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन और 300 विकेट का डबल हासिल करने वाले छठे और इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं।

260 अंतरराष्ट्रीय मैचों में स्टोक्स ने 35.75 की औसत से 10,368 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक और 56 अर्द्धशतक शामिल हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 258 है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 300 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर कार्ल हूपर, श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या, कैलिस, पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी और बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन अन्य खिलाड़ी हैं जिन्होंने टेस्ट में 10,000 रन बनाए हैं और 300 या उससे अधिक विकेट लिए हैं।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसे वास्तव में राहत नहीं मिली। मिकाइल लुइस (58 गेंदों में 27), कावेम हॉज (48 गेंदों में 24) और एलिक अथानाज़े (56 गेंदों में 23) ने अधिकांश रन बनाए और विंडीज 41.4 ओवर में 121 रन पर आउट हो गई। अपनी पहली पारी में इंग्लैंड ने 250 रनों की बढ़त हासिल की और वे 371 रनों पर ढेर हो गए जिसमें जैक क्रॉली (89 गेंदों में 76), पदार्पण कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ (119 गेंदों में 70), जो रूट (114 गेंदों में 68), ओली पोप (74 गेंदों में 57) और हैरी ब्रूक (64 गेंदों में 50) के अर्धशतक शामिल थे। वेस्टइंडीज के लिए जेडन सील्स (4/77) गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ रहे। जेसन होल्डर और गुडाकेश मोटी ने भी दो-दो विकेट लिए।

डूरंड कप 2024

मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी एक ग्रुप में शामिल किए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। डूरंड कप 2024 के ग्रुप चरण के लिए पिछले साल के फाइनलिस्ट रहे डिफेंडिंग चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट और उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल एफसी को एक ही ग्रुप में रखा गया है। 27 जुलाई से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें इंडियन सुपर लीग, आई-लीग, अंतर्राष्ट्रीय टीमें और सशस्त्र सेनाओं की टीमें शामिल हैं। नेपाल की त्रिभुवन आर्मी फुटबॉल क्लब और बांग्लादेश आर्मी फुटबॉल टीम पिछले संस्करण में भी भाग ले चुकी हैं और इस बार भी धूम मचाने के लिए तैयार हैं।

इस बार कोकराझार और कोलकाता के अलावा जमशेदपुर और शिलांग को भी टूर्नामेंट के मेजबान शहर के रूप में शामिल किया गया है। कोलकाता मुख्य मेजबान शहर होगा, जहां तीन ग्रुप स्टेज मैच खेले जाएंगे। वहीं, जमशेदपुर, शिलांग और कोकराझार में एक-एक ग्रुप स्टेज का आयोजन किया जाएगा।

साइना नेहवाल ने कही दिल की बात, बोलीं- टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी...

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते। साइना ने बताया कि उन्होंने कई युवाओं को बैडमिंटन खेलने के लिए प्रेरित किया, लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने करियर को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि बैडमिंटन खेलने की बजाए अगर वह टेनिस खेलतीं तो ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर सकती थीं। साइना ने अपने कौशल के दम पर दुनिया में शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। ऐसा करने वाली वह भारत की पहली महिला शटल बनीं थीं। वहीं, ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला एथलीट भी बनीं थीं।

युवाओं को बैडमिंटन के लिए प्रेरित करती हैं साइना

साइना ने बताया कि उन्होंने कई युवाओं को बैडमिंटन खेलने के लिए प्रेरित किया, लेकिन जब उन्होंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था तो उनके लिए कोई आदर्श नहीं था। उन्होंने कहा, जब मैंने शुरूआत की थी तो मेरे लिए कोई आदर्श नहीं था। यह कहने के लिए कोई नहीं था, मैं दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना चाहती हूं या ओलंपिक पदक विजेता बनना चाहती हूं। मुझसे पहले मैंने किसी को बैडमिंटन में ऐसा करते नहीं देखा था।

साइना ने जताई टेनिस खेलने की इच्छा- राष्ट्रपति भवन में हर स्टोरीड्डमाई स्टोरी बातचीत के दौरान साइना ने कहा, कभी-कभी मुझे लगता है कि अगर मेरे माता पिता ने मुझे टेनिस में डाला होता तो अच्छा होता। इसमें ज्यादा पैसा है और मुझे लगता है कि मैं ज्यादा ताकतवर थी। मैं टेनिस में बैडमिंटन से बेहतर कर सकती थी।

भारत के कम पदक जीतने पर जताई निराशा- लंदन ओलंपिक के कांस्य के अलावा साइना ने विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीते तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भी कई स्वर्ण पदक जीते।

बिग बॉस ओटीटी 3 में अनिल कपूर की होस्टिंग पर शिल्पा शिंदे ने कसा तंज

होस्ट नहीं तो मजा नहीं

बिग बॉस ओटीटी 3 इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस शो को इस बार सुपरस्टार सलमान खान की जगह पर अनिल कपूर होस्ट कर रहे हैं। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने बिग बॉस ओटीटी 3 के बारे में बात करते हुए अनिल कपूर की होस्टिंग पर तंज कसा है। शिल्पा शिंदे को हाल ही में पैपराजी ने स्पॉट किया। इस दौरान उनसे बिग बॉस ओटीटी के नए सीजन को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने बिग बॉस ओटीटी में सलमान खान के ना होने की ओर इशारा करते हुए कहा, होस्ट नहीं है तो मजा नहीं है। झकास वालों के अपनी जगह अलग है। बाकी बिग बॉस बोले तो भाई भाई। बता दें सलमान खान बिग बॉस से काफी समय से जुड़े हुए हैं और शो को होस्ट कर रहे हैं। हालांकि, बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन को करण जौहर ने होस्ट किया था। फिर दूसरे सीजन में सलमान नजर आए। वहीं अब बिग बॉस ओटीटी 3 में अनिल कपूर मेजबानी संभाल रहे हैं।

गले में नेकलेस..बालों में गजरा..आंखों में काजल..

मल्टीकलर लहंगे में जाह्नवी का स्टनिंग लुक

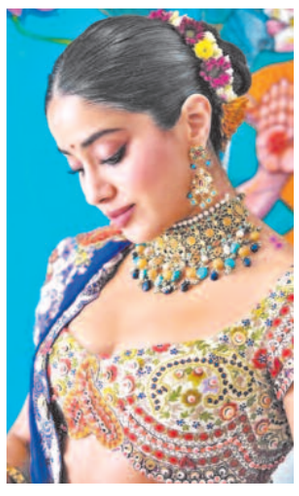

बुधवार को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले एंटीलिया में शिव शक्ति पूजा का आयोजन किया गया। इसके साथ ही कपल की मेहंदी सेरेमनी और गरबा नाइट भी होस्ट की गई। इस मौके पर बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई स्टार्स बन ठनकर पहुंचे। वहीं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने लुक से अलग ही लाइमलाइट चुराती नजर आई, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। जाह्नवी कपूर द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में वह लहंगा लुक में बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। मल्टीकलर लहंगा के साथ उन्होंने ब्लू दुपट्टा कैरी किया है। गले में नेकलेस, हाथों में कंगन, माथे पर बिंदी और बालों पर रंग बिरंगे फूलों का गजरा एक्ट्रेस के लुक को चार-चांद लगा रहा है। आंखों में काजल और मस्कारा लगाए जाह्नवी अपने नैनों से फैंस के दिलों पर निशाने साध रही हैं। बैकलेस चोली में हसीना की पतली कमर पर फैंस का खूब दिल फिसल रहा है। अपने लुक से फैंस को दीवाना बनाते हुए दिवा कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक गजब पोज दे रही हैं।

टीना थडानी से ब्रेकअप के बाद इस एक्ट्रेस को कर रहे हैं डेट

रैपर हनी सिंह को फिर हुआ प्यार!

सिंगर और रैपर हनी सिंह को फिर से प्यार हो गया है। उनकी जिंदगी में नई लड़की की एंट्री हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हनी सिंह इन दिनों एक्ट्रेस हीरा सोहल को डेट कर रहे हैं, जिन्हें मुंबई में होली के दौरान उनके कॉन्सर्ट में देखा गया था। हीरा अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म थैंक गॉड में नजर आई थी। सूत्रों के अनुसार, हनी और हीरा करीब एक साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों पिछले महीने रोमांटिक ट्रिप के लिए बाहर भी गए थे। हनी अपने इस रिश्ते को लेकर काफी ओपन हैं और वह अपने साथी के साथ नजर आते हैं।बता दें हनी सिंह तलाकशुदा हैं। सिंगर ने साल 2011 में शालिनी तलवार से शादी की थी। 2022 में दोनों ने तलाक ले लिया। हनी पति को एलिमनी के तौर पर शालिनी को एक करोड़ रुपये भी देने पड़े थे। शालिनी तलवार ने रैपर पर घरेलू हिंसा और दूसरी महिलाओं के साथ शारीरिक सबंध के आरोप लगाए थे। शालिनी से तलाक के बाद हनी की लाइफ में मॉडल-एक्ट्रेस टीना थडानी आई थीं हालांकि अब इनका ब्रेकअप हो गया है।

कृति सनोन ने द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के प्रोजेक्ट सोल दे अलीबाग में खरीदी जमीन

कृति सनोन ने द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के साथ अपना पहला निवेश किया है। उन्होंने अलीबाग में स्थित उनके प्रीमियम प्रोजेक्ट सोल डी अलीबाग में 2000 वर्ग फीट जमीन खरीदी है।

मांडवा जेट्टी से सिर्फ़ 20 मिनट की दूरी पर और दक्षिण मुंबई से समुद्र के रास्ते सिर्फ़ 60 मिनट की यात्रा पर स्थित, यह परियोजना अलीबाग के खूबसूरत शहर में बसी है। हाल ही में शुरू की गई रूझ्रारु कनेक्टिविटी सुविधा को और बढ़ाती है, जिससे यह परियोजना अलीबाग के रियल एस्टेट परिदृश्य में एक परिष्कृत रिट्रीट की तलाश करने वालों के लिए और भी आकर्षक विकल्प बन जाती है।

अपने पहले निवेश पर बोलते हुए, कृति सनोन ने कहा, अब मैं द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के खूबसूरत विकास, सोल दे अलीबाग में एक गौरवान्वित और खुश भूमिस्वामी हूँ। अपने दम पर ज़मीन खरीदना एक सशक्त यात्रा रही है और मैं कुछ समय से अलीबाग पर नज़र रखे हुए थी। मैं इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं क्या चाहती हूँ - शांति, गोपनीयता और मेरे पोर्टफोलियो में एक बढ़िया निवेश! यहाँ तक कि मेरे पिता भी इस निवेश से प्रभावित थे। यह एक बेहतरीन जगह है, अलीबाग के ठीक बीच में, मंडवा जेट्टी से 20 मिनट से भी कम की दूरी पर, इसलिए यह अवसर सभी कसौटियों पर खरा उतरा। हाल ही में, अमिताभ बच्चन ने अलीबाग में इसी परियोजना में 10,000 वर्ग फीट का प्लॉट भी खरीदा है। कृति सनोन के निवेशकों की प्रतिष्ठित श्रेणी में शामिल होने के साथ, द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ने भारत में शानदार और विशिष्ट भूमि स्वामित्व के लिए प्रमुख विकल्प के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। अलीबाग अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मुंबई से निकटता के कारण भूमि और संपत्ति निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन गया है। मुंबई और अलीबाग के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार की पहल रियल एस्टेट विकास को बढ़ावा दे रही है, जिससे डेवलपर्स, घर खरीदने वाले और निवेशक आकर्षित हो रहे हैं।

पीछा नहीं छोड़ रहा फ्लॉप का टैग: राधिका मदान

साल 2014 में टीवी शो मेरी आशिकी तुम से ही के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली भिनेत्री राधिका मदान ब बॉलीवुड में नाम कमा रही हैं। उनकी भी तक अंग्रेजी मीडियम, मर्द को दर्द नहीं होता, पटाखा, सजनी शिंदे की वायरल वीडियो ौर कुत्ते समेत कुल आठ फिल्में रिलीज हो चुकी है, जिनमें से कुछ सीधे ओटीटी पर भी आई थी। उनकी नई फिल्म सरफिरा कल यानी 12 जुलाई को रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके साथ-साथ क्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। राधिका की यह फिल्म टिकट खिड़की पर कैसा प्रदर्शन करेगी, यह तो आने वाले दिनों में पता चल ही जाएगा.

धनुष के साथ आनन्द एल राय की फिल्म में नजर आएंगी तृप्ति डिमरी

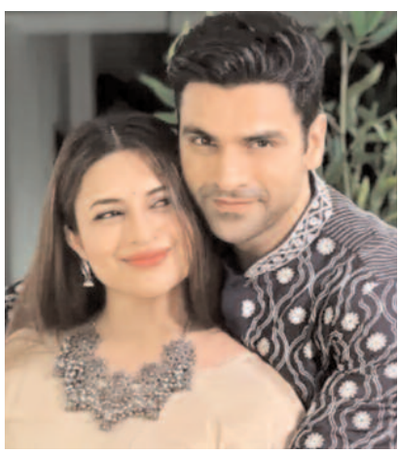

जब से एनिमल रिलीज़ हुई है, तृप्ति डिमरी चर्चा का विषय बनी हुई हैं, बड़े-बड़े फ़िल्ममेकर उन्हें साइन करने की होड़ में हैं। तृप्ति की भविष्य की लाइनअप और भी बड़ी होती जा रही है क्योंकि उन्हें एक और हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट मिल गया है। पीपिंगमून की एक रिपोर्ट के अनुसार, तृप्ति को अब आनंद एल राय की फ़िल्म तेरे इश्क में तमिल सुपरस्टार धनुष के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में लिया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, समीक्षकों द्वारा प्रशंसित निर्देशक ने तृप्ति का काम देखा है और उन्हें ए.आर. रहमान की इस संगीतमय फिल्म में धनुष के गुस्सैल युवक शंकर के विपरीत भावनात्मक रूप से बोझिल किरदार के लिए आदर्श विकल्प पाया है। रांझणा जैसी ही दुनिया में सेट की गई एक दुखद प्रेम कहानी के रूप में वर्णित, तेरे इश्क में रोमांस और विभिन्न भावनाओं से भरी अपनी जटिल कहानी के साथ दर्शकों को लुभाने का वादा करती है। जून 2023 में रांझणा की दसवीं सालगिरह पर औपचारिक रूप से घोषणा किए जाने के एक साल बाद, आखिरकार फिल्म आगे बढ़ रही है।

कथित तौर पर धनुष की दक्षिणी प्रतिबद्धताओं के कारण उत्पादन में देरी हुई, जिसे उन्हें अपनी चौथी हिंदी फिल्म पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उत्तर भारत जाने से पहले पूरा करना था। फिल्म अब अक्टूबर 2024 में शुरू होने वाली है और इसे मुख्य रूप से वाराणसी और उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में दो महीनों में फिल्माया जाएगा। फिलहाल तृप्ति विक्की कौशल और एमी विर्क के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की बैड न्यूज़ की रिलीज़ का इंतज़ार कर रही हैं। आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी ने अपने हिट ट्रेलर और चार्टबस्टर संगीत की बदौलत जबरदस्त चर्चा बटोरी है। यह 19 जुलाई को रिलीज़ होने वाली है।

टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी के साथ यूरोप में लूटपाट

एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया का पासपोर्ट चोरी हो गया है। पासपोर्ट के साथ उनका तकरीबन 10 लाख का सामान भी चोरी कर लिया गया है। बता दें, कपल अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाने के लिए यूरोप गए थे। यह वारदात यूरोप के फ्लोरेंस शहर में हुई है।? सोशल मीडिया पर एक वीडियो के जरिए, विवेक दहिया ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। वीडियो में विवेक ने कहा, यह एक सुरक्षित स्थान माना जाता था। होटल के लोगों को पता था कि हमारी कार में सामान है। इसके बावजूद, हमारे सभी दस्तावेज, पैसे, पासपोर्ट, पिछले 15 दिनों में की गई सारी खरीदारी सहित सब कुछ चोरी हो गया है। हमारा सब कुछ चोरी हो गया है।

शुभमन गिल संग डेटिंग रूमर्स पर रिधिमा पंडित ने तोड़ी चुप्पी

रिधिमा पंडित और शुभमन गिल को लेकर कई महीनों पहले खबरें आई थी कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और जल्द ही शादी भी कर सकते हैं. अब एक्ट्रेस ने इसपर बात करते हुए कहा, लोगों ने मुझे शुभमन गिल के साथ जोड़ा, जो एक होनहार क्रिकेटर हैं और मैं उनका सम्मान करती हूं. हालांकि ये बिल्कुल भी सच नहीं है. टीवी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस रिधिमा पंडित अपनी ग्लैमरस अदाओं और जबरदस्त एक्टिंग की वजह से अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं. हालांकि बीते कई महीनों से अभिनेत्री एक और वजह से लाइमलाइट में है, कारण कुछ और नहीं बल्कि क्रिकेटर शुबमन गिल संग लिंकअप है. एक दिन सोशल मीडिया पर अचानक खबरें आई कि एक्ट्रेस शुबमन को डेट कर रही हैं. हालांकि तुरंत ही रिधिमा ने क्लियर कर दिया कि ये बातें महज अफवाह हैं. अब एक बार फिर एक्ट्रेस ने इसको लेकर बात की और बताया कि मेरी और शुबमन की डेटिंग रूमर्स बिल्कुल भी पीआर स्टंट नहीं था. अगर मुझे ये सब करना होता तो मैं बिग बॉस में कर लेती.

भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया ने

खरीदा नया ऑफिस

भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया का नया व्लॉग काफी मजेदार है। इसमें उनके नए ऑफिस की झलक दिखाई गई है। हर्ष अपनी पत्नी भारती को नया ऑफिस दिखाने के लिए ले जाते हैं और इसके लिए वो एक्साइटेड तो हैं लेकिन उन्होंने पति को पहले ही धमकी भी दे दी है। जानते हैं क्यों!

भारती सिंह ने हाल ही में अपने यूट्यूब अकाउंट पर एक नया व्लॉग अपलोड किया है, जिसमें उनका नया ऑफिस दिखाया गया है, जो अभी भी बन रहा है। वीडियो में, भारती और उनके पति हर्ष दर्शकों को एक दौरे पर ले जाते हैं और मजाक में भारती पति से कहती हैं कि अगर उन्हें यह पसंद नहीं आया तो वह ऑफिस में तोड़फोड़ कर देंगी। नया ऑफिस इस जोड़ी के लिए एक जरूरी जगह है। ऑफिस बनने के बाद वे अपना काम वहीं शिफ्ट करेंगे। हर्ष ने यह भी दावा किया कि वे अपने फेमस पॉडकास्ट को नई सुविधा में रिकॉर्ड करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

व्लॉग एलओएल पॉडकास्ट के आने वाले एपिसोड की भी झलक देता है, जिसमें रणदीप हुड्डा गेस्ट के तौर पर शामिल होंगे। सबसे हालिया एपिसोड को शूट करने के बाद, भारती और हर्ष फैंस को अपने नए ऑफिस की सैर पर ले गए। ड्राइव के दौरान कॉमेडियन ने मजाक में हर्ष को धमकी देते हुए कहा, अगर मुझे यह पसंद नहीं आया तो मैं पूरा ऑफिस तोड़ दूंगी।

-साभार एजेंसी